कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण - 12

रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा - 12

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती - 13

पीवी सिंधू और किदाम्बी श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में - 14

आज का मौसम
22.0° अधिकतम तापमान
11.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.57
सूर्यास्त 05.43

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष चतुर्थी 02:28 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 22 जनवरी 2026, वर्ष 35, अंक 353, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

सोने में 6,500 रुपये का उछाल, 1.60 लाख पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

- चांदी 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम हुई

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना और चांदी नए शिखर पर पहुंच गए। सोने की कीमत 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी 3.34 लाख प्रति किलोग्राम पर रही।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 6,500 रुपये यानी 4.24 प्रतिशत बढ़कर 1,59,700 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गया। मंगलवार को, सोने ने पहली बार देश की राजधानी में 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के महत्वपूर्ण स्तर को पार किया। स्थानीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में भी लगातार नौवें दिन तेजी जारी रही। चांदी की कीमत 11,300 रुपये बढ़कर 3,34,300 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 रुपये बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

न्याय, समता और बंधुता लोकतंत्र की आत्मा : मुख्यमंत्री

- योगी का आह्वान-विधायिका बने संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच
- तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का समापन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि न्याय, समता और बंधुता संविधान के ये तीन शब्द भारत के लोकतंत्र की आत्मा हैं। इन्हें साकार करने का सबसे प्रभावी मंच विधायिका है।

उन्होंने आह्वान कि विधायिका संवाद, समन्वय और विकास का सशक्त मंच बने। विधानसभा में बुधवार को तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि विधायिका न केवल कानून निर्माण की धुरी है, बल्कि समग्र विकास की कार्ययोजना गढ़ने का मंच भी है। जहां सहमति-असहमति के बीच संवाद से समाधान निकलता है। सीएम ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अत्यंत मजबूत हैं और दुनिया के लिए प्रेरणा हैं। संसद और विधानसभाएं उस अंतिम व्यक्ति की आवाज को ताकत देती हैं, जो व्यवस्था की सबसे निचली सीढ़ी पर खड़ा है। योगी ने बताया कि नियमावली में बदलाव से अब सवा घंटे में 20 तारांकित प्रश्न व उनके साथ अनुपूरक प्रश्न पूछे जा रहे हैं, जिससे अधिक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित हुई है।

विकसित भारत-विकसित उप्र पर ऐतिहासिक विमर्श

मुख्यमंत्री योगी ने सम्मेलन में पारित छह प्रस्तावों का अभिनंदन करते हुए कहा कि 'विजन-2047' को साकार करने के लिए 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' पर सत्ता-विपक्ष के 300 से अधिक सदस्यों ने 24 घंटे तक निरंतर चर्चा की। उन्होंने बताया कि देर रात तक सदन में विचार-मंथन चलता रहा और व्यावहारिक सुझाव सामने आए।

तकनीक, प्रशिक्षण और नियमित बैठकें

योगी ने वर्ष में कम से कम 30 बैठकों के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए इसे संसद से लेकर नगर निकायों और पंचायतों तक के लिए प्रेरक बताया। उन्होंने कहा कि तकनीक के युग में पीछे नहीं रहा जा सकता। इसीलिए यूपी में ई-विधान, पेपरलेस कैबिनेट और पेपरलेस बजट लागू किए गए हैं। जनप्रतिनिधियों का तकनीकी प्रशिक्षण भी उतना ही जरूरी है।

जन-संवाद से बना यूपी का विजन डॉक्यूमेंट

योगी ने बताया 'विकसित भारत-विकसित उप्र' के लिए 98 लाख सुझाव पोर्टल पर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी कानपुर के सहयोग से एआई टूल्स के जरिए इन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है, ताकि हर सेक्टर के सुझाव विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनें। सरकार के प्रोएक्टिव अप्रोच पर जोर दे कहा कि पीठ पक्ष-विपक्ष में संतुलन बनाती है और ऐसे सम्मेलन सीखो-सिखाओ के मंच होते हैं।

ब्रीफ न्यूज

5.85 करोड़ मूल्य का कोबरा का विष जब्त सात गिरफ्तार

सूरत। गुजरात पुलिस ने 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का कोबरे का जहर जब्त कर सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने कहा कि कोबरे का जहर रेव पार्टियों में उपयोग किए जाने वाले नशीले पदार्थ और जीवन रक्षक दवाएं बनाने के लिए किया जाता है। सूरत पुलिस के एसओजी के उपायुक्त ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने घनश्याम सोनी नामक व्यक्ति से कमीशन पर बेचने के लिए 5.85 करोड़ रुपये मूल्य का 6.5 मिलीलीटर कोबरा विष लिया था। पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में कोबरा विष बरामद हुआ है।

रोहित शर्मा को मानद डॉक्टरेट की उपाधि की जाएगी प्रदान

पुणे। भारत के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा को क्रिकेट में उनके अतुलनीय योगदान और अनुकरणीय नेतृत्व के लिए शनिवार को यहां अजींक्या डीवाई पाटिल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में डीलिट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने घोषणा की कि उसके ऐतिहासिक 10वें दीक्षांत समारोह में रोहित प्रमुख आकर्षण होंगे। विश्वविद्यालय ने कहा, प्रशंसक उन्हें क्रिकेट के हिटमैन के रूप में जानते हैं, लेकिन दीक्षांत समारोह रोहित शर्मा के लिए एक अलग तरह का मील का पत्थर है।

सीतापुर सांसद की याचिका पर अब नौ को आएगा फैसला

सीतापुर। यौन शोषण के आरोपों में घिरे सीतापुर के कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अंतिम सुनवाई के लिए नौ फरवरी की तारीख निर्धारित की है। माना जा रहा है कि इस दिन अदालत अपना अंतिम फैसला सुना सकती है, जिससे सांसद के राजनीतिक भविष्य की दिशा तय होगी। सांसद राकेश राठौर ने निचली अदालत द्वारा पुलिस की चार्जशीट पर संज्ञान लेने और आरोप तय करने के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है अरावली का मुद्दा, अवैध खनन बर्दाश्त नहीं करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने खनन संबंधी मुद्दों की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति बनाने की बात दोहराई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि अवैध खनन से अपूरणीय क्षति हो सकती है, इसलिए वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक एवं समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करेगा। साथ ही कहा कि यह मुद्दा देश के पर्यावरणीय भविष्य से जुड़ा है और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और न्यायमित्र के. परमेश्वर को चार सप्ताह के भीतर खनन क्षेत्र के विशेषज्ञ पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया, ताकि विभिन्न पहलुओं की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जा सके। पीठ ने कहा कि समिति इस न्यायालय के निर्देशन और निगरानी में कार्य करेगी। कोर्ट ने अपने उस आदेश को भी विस्तारित किया, जिसमें अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करने वाले 20 नवंबर के निर्देशों को स्थगित रखा गया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय को सूचित किया गया कि छिटपुट स्थानों पर अवैध खनन हो रहा है, और पीठ ने राजस्थान सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज के इस आश्वासन को रिकॉर्ड में लिया कि इस तरह का कोई भी अनधिकृत खनन नहीं होगा। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच, उच्चतम न्यायालय ने अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा तथा उससे जुड़े मुद्दे शीर्षक से इस मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था।

अरावली की नई परिभाषा को लेकर जारी बवाल के बीच, न्यायालय ने पिछले साल 29 दिसंबर को अपने 20 नवंबर के उन निर्देशों को स्थगित कर दिया था, जिनमें इन पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार किया गया था।

इन निर्देशों में अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा स्वीकार की गई थी। न्यायालय ने कहा था कि कुछ गंभीर अस्पष्टताओं का समाधान जरूरी है, जिनमें यह आशंका भी शामिल है कि 100 मीटर ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच 500 मीटर की दूरी के मानक से अरावली का बड़ा हिस्सा पर्यावरण संरक्षण से बाहर हो सकता है। न्यायालय ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार कर लिया था और विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले इसके क्षेत्रों के भीतर नए खनन पट्टे देने पर प्रतिबंध लगा दिया था।

वायु प्रदूषण मामले में केंद्र व दिल्ली सरकार से कार्ययोजना मांगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार समेत अन्य हितधारकों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बिगड़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में सुधार के लिए केंद्रीय प्रदूषण निगरानी संस्था द्वारा अनुशंसित दीर्घकालिक उपायों पर अपनी-अपनी कार्य योजना चार सप्ताह के भीतर पेश करें।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की तीन न्यायाधीशों वाली पीठ ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी द्वारा प्रस्तुत वस्तु स्थिति रिपोर्ट का संज्ञान लिया। पीठ ने कहा कि सीएक्यूएम ने 15 दीर्घकालिक उपायों की सिफारिश की है और उन संबंधित एजेंसियों की भी पहचान की है, जो इन दीर्घकालिक उपायों को लागू करने में सक्षम हैं। पीठ ने कहा, सीएक्यूएम द्वारा सुझाए गए उपायों के अलावा भी कुछ अतिरिक्त दीर्घकालिक उपायों को अपनाने की आवश्यकता हो सकती है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सीएक्यूएम द्वारा अनुशंसित इन दीर्घकालिक उपायों को बिना किसी देरी के लागू किया जाना आवश्यक है। इसलिए हम हितधारकों से इन उपायों को लागू करने के लिए अपनी-अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का आग्रह करते हैं। पीठ ने कहा कि यह न्यायालय इन उपायों के संबंध में किसी भी आपत्ति पर विचार करने के पक्ष में नहीं है।

प्रयागराज में सेना का हल्का विमान क्रैश, तालाब में गिरा

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त विमान।

- दोनों पायलट सुरक्षित माघ मेला से ठीक तीन किमी दूर हुआ हादसा

नई दिल्ली/प्रयागराज, एजेंसी

वायु सेना का एक हल्का, विमान इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आने के कारण बुधवार को प्रयागराज में हादसे का शिकार हो गया। विमान में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। यह हादसा माघ मेले से 3 किमी दूरी पर हुआ। भारतीय वायु सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि घटना के कारण का पता लगाने के लिए उसने जांच का आदेश दिया है। इस तरह के अत्यंत हल्के विमान का उपयोग आमतौर पर प्रशिक्षण, पक्षी सर्वेक्षण और भू सर्वेक्षण कार्यों में किया जाता है। हादसा उस वक्त हुआ, जब विमान एक नियमित उड़ान पर था। हादसे के दौरान विमान की रिकवरी (पैराशूट) प्रणाली सक्रिय की गई और दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

वायु सेना ने कहा, एक माइक्रोलाइट विमान में, 21 जनवरी को दोपहर सवा बारह बजे प्रयागराज के निकट बमरौली वायु सेना स्टेशन से नियमित उड़ान के दौरान तकनीकी गड़बड़ी आ गई और उसे एक निर्जन इलाके में सुरक्षित रूप से उतारा गया तथा जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ। प्रयागराज में अधिकारियों ने दुर्घटना स्थल की घेराबंदी कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इंजन में हुई थी गड़बड़ी

प्रयागराज के पुलिस उपायुक्त (नगर) मनीष शांडिल्य ने बताया कि विमान फफामऊ और संगम क्षेत्र की ओर उड़ान भर रहा था, तभी इसके इंजन में तकनीकी गड़बड़ी आ गई। शांडिल्य ने बताया कि पुलिस, दमकल कर्मियों और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों पायलट को सुरक्षित रूप से विमान से बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान गोताखोरों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। उन्होंने बताया की इस घटना में जानमाल का कोई नुकसान होने की सूचना नहीं है।

वाई-फाई को बढ़ावा, 6 गीगाहट्र्ज बैंड में 500 मेगाहट्र्ज का स्पेक्ट्रम लाइसेंस मुक्त

- दूरसंचार विभाग ने अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने छह गीगाहट्र्ज बैंड की निचली फ्रीक्वेंसी रेंज में 500 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम को लाइसेंस-मुक्त करने की अधिसूचना जारी कर दी है। इस कदम से देश में वाई-फाई सेवाओं को काफी प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

यह अधिसूचना 16 मई, 2025 को जारी मसौदा गजट अधिसूचना में छह गीगाहट्र्ज बैंड वाली इस फ्रीक्वेंसी को लाइसेंस से मुक्त करने के इरादे की घोषणा के करीब छह महीने बाद जारी की गई है। अधिसूचना के मुताबिक, 5925-6425 मेगाहट्र्ज फ्रीक्वेंसी बैंड में कम-पावर इनडोर और बहुत कम पावर वाले आउटडोर वायरलेस एक्सेस सिस्टम (रेडियो लोकल एरिया नेटवर्क (वाई-फाई) शामिल) के संचालन के लिए किसी लाइसेंस या फ्रीक्वेंसी आवंटन की जरूरत नहीं होगी।

महंत नृत्य गोपाल दास की हालत गंभीर, आईसीयू में भर्ती

अयोध्या। अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बुधवार को अचानक बिगड़ गई। उन्हें पेट संबंधी गंभीर समस्या हो गई। गंभीर हालत में उन्हें लखनऊ स्थित मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां उनका आईसीयू में इलाज चल रहा है।

शाम चार बजे महंत नृत्य गोपाल दास को आंशिक बेहोशी की हालत में मेदांता की इमरजेंसी में लाया गया। डॉक्टरों ने महंत को देखा, जरूरी जांचें कराईं। निदेशक डॉ. राकेश कपूर ने बताया कि खून की जांच में इलेक्ट्रोलाइट गड़बड़ पाया गया। डॉक्टरों की टीम गठित कर दी गई है। जो महंत की सेहत की निगरानी कर रहे हैं। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया है।

चुनाव आचार संहिता उल्लंघन मामले में अब्बास अंसारी के खिलाफ आरोप तय

- जिले की एक विशेष सांसद/विधायक अदालत ने आरोप तय किए

मऊ। जिले की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने 2022 के विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ बुधवार को आरोप तय किए।

सुभासपा के विधायक अंसारी, दक्षिण टोला थाने में दर्ज मामले के सिलसिले में अदालत में पेश हुए। यह मामला फरवरी 2022 में दर्ज किया गया था। वकील दरोगा सिंह ने बताया कि चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 2022 में अंसारी के खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 (चुनावों में अवैध रूप से वाहन किराए पर लेने या खरीदने पर दंड) के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में आरोप मुक्त करने का आवेदन दायर किया गया, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट डॉ. केपी सिंह की विशेष सांसद/विधायक अदालत ने बुधवार को विधायक के खिलाफ आरोप तय किए।

ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होगा इजराइल, नेतन्याहू हुए सहमत

यरुशलम, एजेंसी

- गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा 'बोर्ड ऑफ पीस'

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' में शामिल होने के लिए सहमति दे दी है। इस घोषणा से पहले नेतन्याहू के कार्यालय ने गाजा पर निगरानी के लिए बोर्ड की कार्यकारी समिति की संरचना की आलोचना की थी।

ट्रंप के नेतृत्व वाले 'बोर्ड ऑफ पीस' की परिकल्पना मूलरूप से विश्व के कुछ चुनिंदा नेताओं के एक छोटे समूह के रूप में की गई है, जो गाजा युद्धविराम योजना की देखरेख करेगा। ट्रंप प्रशासन की महत्वाकांक्षाएं अब एक व्यापक अवधारणा में तब्दील हो गई हैं, जिसमें ट्रंप ने दर्जनों देशों को निमंत्रण भेजा है और संकेत दिया है कि यह जल्द ही वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करेगा। नेतन्याहू की यह घोषणा उनके पहले के रुख के विपरीत है।

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण को नहीं करेंगे बल प्रयोग : ट्रंप

दावोस। राष्ट्रपति ट्रंप ने विश्व आर्थिक मंच की बैठक में कहा कि वह ग्रीनलैंड को हासिल करने के लिए बल का प्रयोग नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिका तेजी से तरक्की कर रहा है, लेकिन यूरोप सही दिशा में आगे नहीं बढ़ रहा है। ट्रंप ने नाटो में सहयोगी डेनमार्क से ग्रीनलैंड का नियंत्रण हासिल करने की इच्छा जताई है। उनकी यह महत्वाकांक्षा अमेरिका के कई करीबी सहयोगियों से संबंधों को खराब करने का खतरा पैदा कर रही है। वैश्विक मंच पर ट्रंप की उपस्थिति अन्य देशों के साथ उनकी शिकायतों पर अधिक केंद्रित रही।

बदलाव केंद्र सरकार के निर्देश पर बदला गया नाम, नोटिफिकेशन जारी, उप्र में 'लोक भवन' पहले से था, इसलिए नाम रखा 'जन भवन'

यूपी में 'राजभवन' का नाम बदला, अब 'जनभवन'

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में राज्यपाल के आधिकारिक आवास और कार्यालय के नाम में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। लखनऊ स्थित राजभवन को अब आधिकारिक रूप से 'जन भवन' के नाम से जाना जाएगा।

इस संबंध में राज्य सरकार ने औपचारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी कर दिया है। यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यहां पहले से ही मुख्यमंत्री का प्रशासनिक कार्यालय 'लोक भवन' के नाम से है। एक ही शहर में दो महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थानों के लिए समान नाम होने से प्रशासनिक भ्रम की आशंका थी। इसी कारण 'लोक भवन' के स्थान पर 'जन भवन' नाम को अंतिम रूप दिया गया। यह निर्णय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के क्रम में लिया गया है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को राज्यपालों एवं उप राज्यपालों के आधिकारिक आवासों के नाम अधिक जनोन्मुखी और लोकतांत्रिक भावना के अनुरूप रखने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश सरकार ने भी 'राजभवन' का नाम बदलने का फैसला किया। अब तक 'राजभवन' के नाम से पहचाने जाने वाले राज्यपाल के आधिकारिक आवास को आगे से सभी शासकीय, प्रशासनिक और वैधानिक कार्यों में 'जन भवन' के नाम से ही संबोधित किया जाएगा। शासन स्तर पर आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं और आने वाले समय में सरकारी पत्राचार, निमंत्रण पत्र, दस्तावेज, साइन बोर्ड और अन्य आधिकारिक संकेतकों में भी 'जन भवन' नाम का ही प्रयोग किया जाएगा। यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरी की जाएगी।

औपनिवेशिक सोच से दूरी का प्रयास

केंद्र सरकार के इस कदम को औपनिवेशिक मानसिकता के अवशेषों से दूरी बनाने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। गृह मंत्रालय ने राज्यपालों के एक सम्मेलन में हुई चर्चा का हवाला देते हुए कहा था कि 'राज' शब्द ब्रिटिश शासनकाल की मानसिकता को दर्शाता है, जबकि स्वतंत्र भारत में शासन व्यवस्था जनता-केंद्रित होनी चाहिए। इसी सोच के तहत देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने यहां राजभवन के नाम बदले हैं। यूपी ने हालांकि 'लोक भवन' के बजाय 'जन भवन' नाम अपनाकर एक अलग पहचान बनाई है।

इन राज्यों में पहले ही बदला गया नाम

यूपी से पहले ही पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम, उत्तराखंड, ओडिशा, गुजरात और त्रिपुरा के राज भवनों के नाम बदले गए हैं। उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु समेत आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश ने औपनिवेशिक काल की पहचान मिटाने के लिए अपने राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया है। लद्दाख के उप राज्यपाल के निवास-कार्यालय को अब लोक निवास कहा जाएगा। इसे पहले राज निवास कहा जाता था।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

हर न्याय पंचायत में शिक्षा चौपाल 24 को

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को प्रदेश की सभी न्याय पंचायतों में एक साथ 'शिक्षा चौपाल' का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य अभिभावकों, विद्यालय प्रबंधन समितियों, शिक्षकों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से बच्चों की बुनियादी भाषा और गणितीय दक्षताओं को सुदृढ़ करना है। यह जानकारी देते हुए स्कूल शिक्षा महानिदेशक मोनिका रानी ने बताया कि सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों को बालवाटिका के प्रभावी संचालन, बच्चों के नामांकन व नियमित उपस्थिति, और शिक्षा के दीर्घकालिक महत्व को लेकर निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, विद्यालयों में उपलब्ध प्रिंट-रिच सामग्री, गणित किट, क्रियाशील पुस्तकालय, खेल सामग्री और डिजिटल संसाधनों (स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, दीक्षा, खान अकादमी, टीचर्स ऐप) की जानकारी साझा की जाएगी। प्रत्येक न्याय पंचायत के लिए 10 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।

आगरा-अलीगढ़ में बनेगा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। आगरा और अलीगढ़ मंडलों में सर्जिकल प्रैक्टिस के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे। यह निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। आगरा मंडलायुक्त कार्यालय से बुधवार को आयोजित वर्चुअल बैठक में अपर मुख्य सचिव ने कहा कि एस.एन. मेडिकल कॉलेज के सहयोग से दोनों मंडलों में एक-एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किया जाएगा, जिससे सर्जिकल प्रशिक्षण एवं उपचार की गुणवत्ता में सुधार होगा। बैठक में एनएचएम की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने कहा कि गुणवत्तायुक्त स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मानव संसाधन की दक्षता और जवाबदेही जरूरी है। बैठक में स्वास्थ्य महानिदेशक समेत वरिष्ठ अधिकारी, दोनों मंडलों के मंडलीय अपर निदेशक, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण आजीविका में बनाया रिकॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ग्रामीण आजीविका के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए 23 लाख से अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया है। ग्रामीण रोजगार गारंटी व्यवस्था के तहत महिलाओं की भागीदारी अभूतपूर्व रूप से बढ़ी है। मानव दिवस सृजन में महिलाओं की हिस्सेदारी 43 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो यह दर्शाता है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में अब महिलाएं केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं। महिलाएं सिर्फ श्रमिक नहीं, बल्कि मेट के रूप में निगरानी, प्रबंधन और नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक 32 हजार से अधिक महिला मेट्स को कार्य सौंपा गया है। ये महिलाएं कार्यस्थलों पर श्रमिकों की हाजिरी, काम की गुणवत्ता और प्रबंधन का दायित्व निभा रही हैं। सरकार ने इन महिला मेट्स को 111 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे बैंक खातों में अंतरित की है, जिससे पारदर्शिता और भरोसे की भावना मजबूत हुई है।

अटल विद्यालयों में कौशल प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। विद्यार्थियों को उद्योगोन्मुख और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और आने वाले वर्षों में रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकेंगे। यह बात बुधवार को मिशन निदेशक पुलकित खरे ने समीक्षा बैठक में कहीं। बैठक में भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड (बीओसीडब्ल्यू) योजना के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लाभार्थियों के सत्यापन तथा प्रोजेक्ट प्रवीण के तहत अटल आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। प्रशिक्षण के लिए स्वास्थ्य सेवा, ब्यूटी एवं वेलनेस, फूड प्रोसेसिंग, आईटी एवं आईटीईएस तथा परिधान जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है।बैठक में पूजा यादव (सचिव, यूपीबीओसीडब्ल्यू), अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह और संयुक्त निदेशक मयंक गंगवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाएगा यूपी दिवस : मुख्यमंत्री

योगी ने की कार्यक्रमों की तैयारी की समीक्षा, सजेंगी संस्कृति-लोककलाएं व शिल्प, 'एक जनपद-एक व्यंजन' मुख्य आकर्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. दिवस प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, विकास यात्रा और जनसहभागिता का भव्य उत्सव बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि यह प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बनेगा। सांस्कृतिक उत्सव, लोककलाएं और शिल्प मेले सजेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि हर जिले की भागीदारी और प्रदेश की आत्मा स्पष्ट रूप से झलके। 'एक जनपद-एक व्यंजन' आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा, जहां हर जिले का स्वाद मिलेगा।

तैयारियों की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन और समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं। राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर उत्तर प्रदेश दिवस का मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जिलों में किया जाएगा। इसके साथ ही सभी जिलों में स्थानीय स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित होंगे, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके।

बैठक में बताया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला लगाया जाएगा। इसमें प्रदेश की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। हर जिले के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे।

संस्कृति उत्सव से जुड़ेगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उन्होंने कलाकारों और आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारी को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संस्कृति उत्सव के लिए 1.75 करोड़ की मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से उत्तर प्रदेश दिवस को संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों से प्रभावी रूप से जोड़ने के निर्देश के बाद सभी 75 जिलों के लिए 1.75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की गई है। प्रति तहसील 50 हजार की धनराशि कार्यक्रमों पर खर्च होगी। संस्कृति विभाग के संयुक्त निदेशक उमा द्विवेदी की ओर से निदेशालय को भेजे गए शासनादेश के अनुसार, संस्कृति उत्सव के तहत लोकनृत्य, लोकगीत, शास्त्रीय व लोक संगीत, नाटक, पारंपरिक वाद्ययंत्रों की प्रस्तुति, सांस्कृतिक मेले और क्षेत्रीय कला रूपों को मंच प्रदान किया जाएगा। स्थानीय कलाकारों को न केवल अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि मानदेय और आवागमन भत्ता भी प्रदान किया जाएगा।

सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा के प्रति किया गया जागरूक

रानीगंज, प्रतापगढ़: सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा कार्यक्रम के तहत बुधवार को स्वामी करपात्री जी महाराज राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पूरे गोसाई रानीगंज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता, सड़क सुरक्षा जागरूकता संगोष्ठी हुई। भाषण प्रतियोगिता में हिमांशु पांडेय प्रथम रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. श्याम नारायण यादव ने की। डॉ. विजय कुमार मिश्र ने छात्रों को यातायात नियमों की जानकारी दी। यहां नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति शुक्ला, प्राध्यापक डॉ. कंचन, डॉ. नीलिमा सिन्हा, डॉ. संजय राजभर, डॉ. श्रद्धा, डॉ. संदीप वर्मा रहे।

नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर

पीठासीन अधिकारी सम्मेलन : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने लोगों को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह में लोकतंत्र को अधिक सशक्त, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने का स्पष्ट संकल्प उभरकर सामने आया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती मिली है। सुशासन, सामाजिक कल्याण, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश के क्षेत्र में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों के ऐसे सम्मेलन लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनता की अपेक्षाओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। इन मंचों पर हुए संवाद केवल विमर्श तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनके ठोस और सकारात्मक परिणाम धरातल पर दिखने चाहिए। उन्होंने नवाचार, संवाद और प्रौद्योगिकी के अधिकतम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे लोकतांत्रिक संस्थाएं जनता के और निकट आएंगी तथा जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ेगी।

यूपी का विजन डॉक्यूमेंट आदर्श- हरिवंश : समापन सत्र में राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने उत्तर प्रदेश के "विजन-2047" डॉक्यूमेंट की सराहना करते हुए इसे सभी राज्यों के लिए आदर्श बताया। **बदले उत्तर प्रदेश की छाप देश के सामने- सतीश महाना :** उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनुशासन, त्याग और जनता के साथ निरंतर संवाद के जरिए बदले हुए उत्तर प्रदेश की मजबूत प्रशासनिक छाप देश के सामने रखी है।

लखनऊ में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पीठासीन अधिकारियों को संबोधित करते लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला।

सम्मेलन में छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित

अमृत विचार, लखनऊ : 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जनकेन्द्रित बनाने को लेकर तीन प्रमुख विषयों पर व्यापक चर्चा हुई, जिसके उपरांत छह महत्वपूर्ण संकल्प पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सम्मेलन के समापन के बाद बुधवार को विधानभवन स्थित तिलक हॉल में पत्रकारों को इसकी जानकारी दी।

विधानभवन में पारित छह प्रमुख संकल्प

1. सभी विधानसभाएं वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगी।
2. राज्य विधानमंडलों में वर्ष में कम से कम 30 बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाएं अधिक उत्तरदायी बन सकें।
3. विधायी कार्यों में प्रौद्योगिकी और एआई का उपयोग बढ़ाया जाएगा, लेकिन नैतिकता, जवाबदेही और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जाएगी।
4. पंचायत से लेकर लोकसभा तक सभी लोकतांत्रिक संस्थाओं में संवाद और समन्वय के लिए आदर्श नेतृत्व को प्रोत्साहन दिया जाएगा।
5. विधायकों की क्षमता वृद्धि के लिए टेक्नोलॉजी का उपयोग, रिसर्च विंग की मजबूती, डिजिटल लाइब्रेरी और पुरानी बहसों का डिजिटलीकरण किया जाएगा।
6. विधायी निकायों के कार्य संचालन का वस्तुनिष्ठ मानकों पर मूल्यांकन और तुलनात्मक आकलन करने के लिए राष्ट्रीय विधायी सूचकांक बनाया जाएगा, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा।

कृषि उत्पादन बढ़ाने को 600 करोड़ के बजट को हरी झंडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कृषि विश्वविद्यालयों में अवस्थापना विकास और किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए मिली वित्तीय स्वीकृतियां**

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कृषि उत्पादन को गति देने, किसानों को रियायती दरों पर विद्युत उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत वित्तीय स्वीकृतियां प्रदान की हैं। बजट उपलब्ध होने से किसानों को सिंचाई में राहत मिलेगी और कृषि विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

शासन ने कृषकों के निजी नलकूपों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए उप्र. विद्युत निगम को अनुदान योजना के अंतर्गत 60,000 लाख रुपये (600 करोड़ रुपये) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। यह राशि जनवरी 2026 से मार्च 2026 की अवधि के लिए किसानों को दी जाने वाली विद्युत सब्सिडी की प्रतिपूर्ति हेतु उपयोग की जाएगी। कृषि महाविद्यालय, हरदोई परिसर में 75 कमरों के आधुनिक बालक छात्रावास के निर्माण के लिए 18.32 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। कृषि महाविद्यालय, आजमगढ़ को विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके अलावा राज्य कृषि विकास योजना अंतर्गत कृषि उत्पादन वृद्धि योजना के लिए 4.30 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति भी जारी की गई है। संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि योजनाओं का लाभ सीधे किसानों और विद्यार्थियों तक पहुंच सके।

साधु-संतों के अपमान का लगाया आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर साधु-संतों और शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य और सभी साधु-संत हमारे समाज की शोभा हैं और जनता उनसे आशीर्वाद लेने आती है। सपा प्रमुख ने बुधवार को राजधानी में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर अधिकारी शंकराचार्य से उनके परिचय और प्रमाण पत्र मांग रहे हैं तो यह सनातन धर्म का अपमान है। भाजपा सरकार संविधान, कानून और परंपरा की अवहेलना कर रही है और साधु-संतों, माघ मेले और देश की धार्मिक भावनाओं के साथ असम्मानपूर्ण व्यवहार कर रही है।

महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं अपर्णा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष और भाजपा की नेता अपर्णा यादव लखनऊ में बुधवार को राज्य महिला आयोग की बैठक में नहीं पहुंचीं। जबसे उनके पति व मुलायम सिंह यादव के पुत्र प्रतीक यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट साझा करके तलाक देने का एलान किया है, तबसे वह मीडिया और कार्यक्रमों से दूर हैं। हालांकि बुधवार को उनके एक्स हैंडिल से शाम को 5.30 बजे भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई दी है। 18 जनवरी के बाद यही एक मात्र पोस्ट है।

लखनऊ में बुधवार को उप्र. राज्य महिला आयोग में समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं विषयक एक कार्यशाला" का आयोजन किया गया था।

सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद

अपर्णा यादव ने सोशल मीडिया पर अपने सभी पोस्ट्स में कमेंट सेक्शन बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि अपर्णा की सोशल मीडिया टीम ने यह फैसला उनके पति प्रतीक यादव की तलाक वाली पोस्ट के बाद लिया है।

छांगुर बाबा टीम के सदस्य ने एग्रीमेंट करा ली 44 बीघा जमीन

प्रतापगढ़ अमृत विचार : धर्म परिवर्तन करने को लेकर चर्चा में आए बलरामपुर बहराइच के जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा गैंग के एक सदस्य ने अंतू थाना क्षेत्र के साधोपुर गांव में 44 बीघा जमीन का एग्रीमेंट कराया है। सोलर कंपनी के नाम पर ली गई जमीन पर धार्मिक स्थल का निर्माण कराने की बात कही जा रही है, जिसकी जांच की जा रही है। जमीन का एग्रीमेंट कराने वाला गैंग का सदस्य नागपुर महाराष्ट्र का रहने वाला बताया जा रहा है। एटीएस टीम के निरीक्षक श्रीनिवास के नेतृत्व में टीम नागपुर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। एटीएस की गिरफ्त में हुई पूछताछ में उसने अंतू थाना क्षेत्र के साधोपुर गांव में सोलर कंपनी के लिए काश्तकारों की जमीन का एग्रीमेंट कराने की बात स्वीकार की है। सूत्रों की माने तो वह यहां धार्मिक स्थल बनवाने की फिराक में था। उधर, जब काश्तकारों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने एग्रीमेंट को निरस्त कराने के लिए रजिस्ट्री आफिस में प्रार्थना पत्र दे दिया। एसटीएफ लखनऊ की टीम मंगलवार को उसे लेकर अंतू पहुंची। यहां कुछ जानकारी लेने के बाद उसे वापस लेकर चली गई। वहीं थानाध्यक्ष अंतू अभिषेक सिरोही ने ऐसी जानकारी न होने की बात कही है।

डंपर की टक्कर से घायल एक और छात्र की थमीं सांसे

कोहड़ौर,प्रतापगढ़ अमृत विचार : कोहड़ौर थाना क्षेत्र के शिवपुर खुर्द गांव निवासी संतोष कुमार बौद्ध का 22 वर्षीय बेटा प्रशांत उर्फ शनि मंगलवार को गांव के दो अन्य दोस्त 21 वर्षीय शशांक और 23 वर्षीय राजकमल के साथ स्नातक की परीक्षा देकर सुल्तानपुर से एक बाइक से घर लौट रहे थे। अयोध्या-प्रयागराज हाईवे पर सुल्तानपुर के पकड़ी गांव के निकट सामने से डंपर ने टक्कर मार दी थी। इससे प्रशांत उर्फ शनि की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि शशांक और राजकमल गंभीर रूप से घायल हो गए थे। दोनों को प्रयागराज ले जाया गया था। वहां रात में राजकमल की मौत हो गई तो परिजन शव लेकर लौट आए। राजकमल के शव का पोस्टमार्टम प्रतापगढ़ और प्रशांत उर्फ शनि के शव का सुल्तानपुर में हुआ। बुधवार शाम दोनों के शव घर पहुंचे तो परिजनों में चीत्कार मच गया।

ब्लॉक सभागार में हुई मतदाताओं की सुनवाई

गौरा, प्रतापगढ़ अमृत विचार : एसआईआर के तहत अनमैप के नोटिस पाने वाले मतदाताओं की सुनवाई बुधवार को ब्लॉक सभागार में की गई। उनके कागजात भी जमा कराए गए। आरओ उप जिलाधिकारी रानीगंज विमल कुमार और एईआरओ बीडीओ गौरा धर्मेंद्र प्रताप सिंह की ओर से ऐसे मतदाताओं को सुनवाई की गई।

एईआरओ धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 89 मतदाताओं को नोटिस जारी की गई थी। जिनमें सुनवाई में सात मतदाता उपस्थित हुए। जिनकी सुनवाई की गई।

जेल में 7 किन्नर एचआईवी पॉजिटिव, एक निकला मर्द

संवाददाता, प्रतापगढ़

- **जानकारी होते ही प्रतापगढ़ जेल में हड़कंप पॉजिटिव किन्नरों को रखा गया अलग**

अमृत विचार : जिला जेल भेजे गए 13 किन्नरों में सात प्रारंभिक जांच में एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। सभी का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। जानकारी होते ही जेल में हड़कंप की स्थिति है। पॉजिटिव किन्नरों को अलग से रखा गया है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के अचलपुर में रविवार को किन्नर के दो गुट मिस्बा और अंजलि के बीच मारपीट को लेकर दिन भर हंगामा हुआ था। शाम को फिर दोनों गुट टकराए तो एसआई प्रशांत दुबे ने दोनों गुट पर अपनी ओर से एफआईआर दर्ज कर शाम को 13 किन्नरों को जेल भेज दिया। एक साथ जेल पहुंचने पर दोनों गुटों में टकराहट की स्थिति बन गई। जेल पहुंचे किन्नरों को किस बैरक में रखा जाए इसके लिए जेल प्रशासन अलग इंतजाम करने लगा। जेल पहुंचे आरोपी वास्तव में किन्नर हैं या नहीं इसकी जांच के लिए चिकित्सक को बुलाया गया तो उसमें एक पुरुष निकला। बाद में सभी की एचआईवी जांच कराई गई तो सात किन्नर पॉजिटिव निकले। प्रांम्भिक रिपोर्ट पॉजिटिव होने पर सभी का ब्लड सैंपल जांच के लिए भेज दिया गया। इसकी जानकारी होते ही जेल में भी हड़कंप मच गया है।

पुरुष किन्नर ने कहा-नहीं होती कोई फीलिंग: जिला जेल में परीक्षण के दौरान एक किन्नर 'मेल' (पुरुष) पाए जाने पर उससे सवाल होने लगे। सूत्रों की माने तो उसने बताया कि उसे किसी प्रकार की कोई फीलिंग नहीं होती। वह किन्नरों के बीच में बहुत दिनों से रह रहा है। उससे कभी किसी किन्नर को कोई दिक्कत नहीं होती है।

जेल अधीक्षक बोले-संपर्क में रहने वाले लोग करा लें अपनी जांच : प्रतापगढ़ जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी का कहना है कि किन्नरों के जेल आने के बाद प्रारंभिक जांच में सात की रिपोर्ट एचआईवी पॉजिटिव आने पर ब्लड सैंपल भेजा गया है। किन्नरों को अलग रखा गया है। इनके संपर्क में रहने वाले अपनी जांच करा लें।

क्रूरता बनाम मानवीयता

उन्नाव में झोलाछाप ने गोकशी या गलाघोंटू से बचाव का यूट्यूब देख बिगाड़ा केस, बरेली में जटिल सर्जरी कर गाय को दिया गया जीवनदान

सांस व खाने की नली काटकर डाला पाइप, आईवीआरआई ने बचाई जान

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ/महिपाल गंगवार, बरेली

- **अत्यधिक रक्तस्राव होने और सांस में तकलीफ होने की वजह गोवंश के बचने की संभावना थी कम**

अमृत विचार : भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) बरेली के प्रधान वैज्ञानिक अभिजीत पावडे ने निराश्रित गाय की सांस नली काटकर क्रूरता से डाला गया करीब 10 इंच का पाइप निकाल दिया। साथ ही डॉ. अमन तिवारी, डॉ हर्षा, डॉ. बलकरण आदि के साथ ढाई घंटे की जटिल सर्जरी कर काटी गई सांस व खाने की नली दोबारा जोड़ उस गोवंश को नया जीवनदान दिया। 'अमृत विचार' के प्रयास से आखिरकार क्रूरता के शिकार इस गोवंश को राहत मिली।

दरअसल, उन्नाव के दयालखेड़ा में किसी झोलाछाप ने निराश्रित गाय को गलाघोंटू से बचाने या फिर शोध करने के लिए सांस की नली काट दी। सांस लेने के लिए नली के एक हिस्से में करीब 10 इंच का पानी का पाइप डाल दिया। इस अप्रशिक्षित कृत्य से खाने की नली भी कटकर अलग हो गई। अधिक रक्तस्राव व हालत गंभीर होने पर उसे छोड़कर किनारे हो गया। रविवार को उन्नाव की हनुमंत जीव आश्रय संस्था ने गाय का रेस्क्यू किया। रात को निजी चिकित्सकों को दिखाया तो हाथ खड़े कर दिए। दूसरे दिन सोमवार को नवाबगंज पशु चिकित्सालय के योग्य सर्जन डॉ. राजेश मौर्या के पास ले गए। उन्होंने भी जटिल सर्जरी और बचने की उम्मीद कम बताकर बरेली ले जाने की सलाह दी। आठ घंटे का सफर तय करने के लिए जरूरी उपचार दिया।

इधर, संस्था के कुछ लोगों ने आईवीआरआई के निदेशक डॉ. त्रिवेदी दत्त को अवगत कराते हुए सहयोग मांगा। उन्होंने तत्काल डॉ. किरनजीत सिंह विभागाध्यक्ष और पीआरओ सतीश जोशी को सर्जरी के लिए निर्देशित किया। साथ ही प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अभिजीत पावडे के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम गठित कर मंगलवार सुबह जटिल सर्जरी कराई। निदेशक निराश्रित गाय और उसकी यह स्थिति देख स्वयं ओटी देखने पहुंच गए। सब कुछ ठीक होने पर उन्नाव वापस भेज दिया। वहां, डिप्टी सीवीओ सदर डॉ. संजय चतुर्वेदी की निगरानी में आगे का उपचार किया गया।

गाय के गले में पड़ा पाइप।

आईवीआरआई बरेली में सर्जरी के बाद गाय।

एक नली थी गायब, अनास्टोमोसिस विधि से ढूंढकर जोड़ी

सर्जरी के दौरान सांस की नली का एक हिस्सा गायब था। जिसे ऊतक संधि या अनास्टोमोसिस विधि द्वारा एसेल्यूलर ग्राफ्ट यानी कोशिकाविहीन प्रत्यारोप की मदद से ढूंढकर जोड़ा गया। इसके बाद खाने की नली को भी इसी विधि से खोजकर जोड़ा। चूंकि पाइप के निकलते ही बहुत रक्तस्राव भी हुआ। एक्सरे में साफ दिख रहा कि पाइप के लचीले पन की वजह से अंदर डालने के बाद वह मुड़ गया। पाइप मुड़ा होने की वजह से सांस ठीक से आ जा नहीं पा रही थी। अतिउत्साहित झोलाछाप के इस कार्य से पशु की जान पर बन आई।

गोकशी की आशंका यह 5वां केस

डॉ. अभिजीत ने बताया कि गाय की श्वास नली यानी ट्रेकिया और खाने की नली यानी इसोफैगस दोनों कटी थी। प्रथमदृष्टया गोकशी का केस है। इस तरह के यूपी के चार जटिल केस की वह सर्जरी कर चुके हैं। ऐसा ही यह पांचवां केस है। किसी व्यक्ति द्वारा बचाव करके झोलाछाप को दिखाया गया। उसने अपूर्ण ज्ञान जो की यूट्यूब वीडियो के माध्यम से देखकर श्वास नली में एक घरेलू पानी का पाइप 10 इंच तक का ट्रेकिया में डाल दिया और एक इंच पाइप बाहर सांस लेने के लिए बाहर लटका दिया। इससे खून और गंदगी भी सांस के द्वारा फेफड़ों में जाती रही। झोलाछाप की यह प्रैक्टिस जानलेवा हो गई।

न्यूज ब्रीफ

सीओ सिटी सेवा मेडल से सम्मानित

बाराबंकी, अमृत विचार : प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को सम्मानित किया गया है। इसी क्रम में सीओ नगर संगम कुमार को महाकुंभ 2025 के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए महाकुंभ सेवा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है। पुलिस कार्यालय में एसपी अर्पित विजयवर्गीय द्वारा संगम कुमार को यह मेडल प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया।

कॉलेज गई एएनएम छात्रा लापता

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र में एक एएनएम छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। वह कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थी। पिता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री 20 जनवरी को कॉलेज जाने के लिए घर से निकली थी लेकिन लौटी नहीं। पिता ने बताया कि उनकी पुत्री का मोबाइल फोन भी बंद है।

पांच दिन बाद भी युवक का नहीं चला पता

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : जासेपुर से ससुराल जाने की बात कहकर निकले युवक का पांच दिन बात भी पता नहीं चल सका है। लापता युवक की पत्नी सबा ने पुलिस को तहरीर दी है। सबा ने बताया कि वह अपने मायके सुबेहा थाना क्षेत्र के महतेली टोला नगर पंचायत सुबेहा में रह रही है। सबा के अनुसार, उनकी ननद ने फोन पर बताया कि भाई अब्दुल हफीज 15 जनवरी से गायब हैं। सबा मंगलवार को जासेपुर पहुंचीं। प्रधान के घर जाकर पता किया। तो बताया गया कि अब्दुल हफीज 15 जनवरी की शाम करीब 5 बजे ससुराल जाने की बात कहकर घर से निकला था।

मंदिर से फिर चोरी हो गया चांदी का मुकुट

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : असंद्रा क्षेत्र के जरौली गांव के मंदिर को चोरों ने दोबारा निशाना बनाया और मूर्ति पर लगा चांदी का मुकुट ले उड़े। इससे पहले हुई चोरी का खुलासा अब तक नहीं हो सका है। एक सप्ताह पहले एक भक्त द्वारा मुकुट चढ़ाया गया था, जिसको मंगलवार की रात चोर उठा ले गए। पुलिस जांच कर रही है। जरौली में बाबा सागर दास के नाम से हनुमानजी का मंदिर है।

कलश यात्रा और कथा का शुभारंभ

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : दरियाबाद के निहाल ग़ाज़ीपुर स्थित लंगूरी धाम मंदिर में बुधवार को कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय कथा का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने सबसे पहले प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजन-अर्चन किया और आचार्य श्याम सारथी के सानिध्य में कल्याणी नदी के तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलशों में जल भरा गया। कलश यात्रा में महेश तिवारी, सोमनाथ, दिलीप तिवारी, अनुराग, दुर्गेश यादव, रिंकू सिंह, अनिल सिंह, रणजय सिंह आदि मौजूद थे।

जमीन विवाद में दबंगों ने पीटा, तीन घायल

बनीकोडर, बाराबंकी, अमृत विचार : असन्द्रा क्षेत्र में जमीन विवाद में दबंगों ने लाठी डंडों से एक परिवार पर हमला कर दिया जिससे तीन लोग घायल हो गए। पीड़ित ने एक दर्जन से अधिक लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई है। दलसिंहपुर मजरे टांडा निवासी कुलदीप मिश्रा ने दी तहरीर में बताया कि मंगलवार को सुबह कुछ लोग उसकी जमीन में लगे पेड़ को काट रहे थे। पीड़ित ने विरोध किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। आरोप है कि मो. आजम, इसरार अली, इबरार अली, मोहर्रम अली, सहित 10-15 अज्ञात लोग लाठी-डंडों से लैस होकर मौके पर पहुंचे और पीड़ित को लात-घूंसों व से पीटा।

बेकाबू लोडर गड्ढे में पलटा, चालक घायल

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : जसनवारा के पास नाला निर्माण कार्य के दौरान सीमेंट मसाला गिराकर वापस लौट रहा एक लोडर सड़क किनारे लगे बिजली के पोल को तोड़ते हुए गड्ढे में पलट गया। हादसे में लोडर चालक जीतू सहानी (23) घायल हो गया।

सतरिख ने सुमेरगंज को 118 रनों से हराया

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : सनौली में चल रहे क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को सतरिख इलेवेन ने सुमेरगंज को 118 रनों से हराया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी सतरिख ने 14 ओवर में 178 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सुमेरगंज की टीम 60 रन पर ऑल आउट हो गई। प्रमोद ने सात गेंदों में 25 रन बनाए और चार विकेट लिए। उन्हें 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। मैच के दौरान बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे।

बाबा पठान की अवैध प्लाटिंग पर गरजा बुलडोजर

राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम ने की कार्रवाई, एक अन्य स्थान पर भी ढहायी गयी अवैध प्लॉटिंग

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर बुधवार को अनियमित निर्माण और अवैध प्लाटिंग पर बड़ी कार्रवाई की गई। प्रशासन ने बाबा पठान की अवैध प्लाटिंग पर बुलडोजर कार्रवाई की।

ग्राम भुहेरा में अबुबकर कमरूद्दीन उर्फ बाबा पठान द्वारा एचएम ग्रीन सिटी प्राइवेट लिमिटेड के नाम से 0.948 हेक्टेयर भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग और निर्माण को राजस्व और पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई में ध्वस्त किया गया। प्लाटिंग के गेट को भी बुलडोजर से गिरा दिया गया। इसी क्रम में ग्राम सेहरिया, परगना, तहसील नवाबगंज में 0.487 हेक्टेयर भूमि पर प्रमोद यादव और अन्य द्वारा की जा रही अवैध प्लाटिंग को भी हटाया गया। एसडीएम नवाबगंज आनंद तिवारी ने बताया कि कोर्ट की सुनवाई के बाद ध्वस्तीकरण का आदेश दिया गया था, जिसका अनुपालन कराया गया। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि जिले में बिना स्वीकृति की प्लाटिंग और निर्माण किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं और न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी, ताकि जिले का विकास नियोजित, सुरक्षित और नियमों के अनुरूप सुनिश्चित किया जा सके।

बॉक्स--

एचएम ग्रीन सिटी गेट को ढहाता बुलडोजर। ● अमृत विचार

नौ से अधिक मुकदमों में वांछित है बाबा पठान

बुधवार को जिला प्रशासन ने जिस भू माफिया बाबा पठान के खिलाफ एक्शन लिया, है। अब तक उसके खिलाफ नौ से अधिक मुकदमे भी दर्ज हो चुके हैं। वह भी जमीन कब्जाने से लेकर जान माल की धमकी देने तक। इसके बावजूद भी बाबा पठान पुलिस की आंखों से ओझल बना हुआ है।

अतिक्रमण पर गरजी जेसीबी, टीम देख भागे कब्जेदार

बाराबंकी, अमृत विचार : बुधवार को शहर व जिले भर की नगर पंचायतों में अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया गया। इस दौरान मुख्य बाजार व मार्गों के किनारे अतिक्रमण हटवाने के साथ ही दुकानों के चालान किए गए। नगर पालिका परिषद नवाबगंज क्षेत्र में बुधवार को शहर कोतवाली से धनोखर चौराहा तक अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान जेसीबी के जरिए होर्डिंग आदि हटवाने के साथ ही चेताने के बावजूद काबिज दुकानदारों का तीन हजार रुपये का चालान किया गया। इस दौरान पालिका के संजय भारती, आफताब अहमद आदि शामिल रहे। देवा प्रतिनिधि के अनुसार नगर पंचायत एवं स्थानीय पुलिस टीम द्वारा एक दिन पूर्व नगर पंचायत की ओर से लाउडस्पीकर के माध्यम से कस्बे में मुनादी कराने के बावजूद अतिक्रमण न हटाए जाने पर बुधवार को अभियान चलाया गया। अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत देवा संध्या मिश्रा एवं इंस्पेक्टर देवा अजय कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में सड़क किनारे लगे ठेले, अस्थायी दुकानें एवं अन्य अवैध कब्जे हटवाए गए कार्रवाई के दौरान पुलिस बल मौजूद रहा। इस मौके पर सफाई नायक सोहन वाल्मीकि सहित नगर पंचायत के कई कर्मचारी उपस्थित रहे। रामसनेहीघाट प्रतिनिधि के अनुसार दरियाबाद में अधिशासी अधिकारी शीलू अवस्थी के नेतृत्व में लाल बहादुर शास्त्री इंटर कॉलेज से लेकर दरियाबाद तिराहे तक सड़क के दोनों किनारों पर फैले अतिक्रमण को हटाया गया। इस दौरान सड़क व नालों पर अवैध रूप से किए गए कब्जों को हटाकर मार्ग को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया गया। वहीं रामसनेहीघाट नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी संतोष चौधरी ने भिटरिया से तहसील परिसर तक विशेष अभियान चलवाया।

देवा में अवैध निर्माण पर चलता बुलडोजर।

टेंट व्यापारी ने पिस्टल से खुद को गोली मार दी जान

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर कोतवाली क्षेत्र में टेंट व्यापारी ने घर में लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। उन्हे अस्पताल ले जाया गया लेकिन डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के पीछे मानसिक तनाव बताया जा रहा है।

संजय जायसवाल फाइल फोटो।

घटना बुधवार की सुबह आजादनगर में पुरानी सब्जी मंडी के पीछे हुई। यहां रहने वाले टेंट व्यापारी राजेन्द्र जायसवाल के इकलौते बेटे संजय जायसवाल (50) ने खुद को कमरे में बंद कर गोली मार ली। फायर की आवाज सुनकर परिजन कमरे की ओर दौड़े तो संजय को खून से लथपथ पाया। परिजन में उन्हें हिन्द मेडिकल कालेज ले गए पर वहां संजय को मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा कि सुबह संजय अपने कमरे में थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य रोजमर्रा के कामों में व्यस्त थे। तभी कमरे से गोली चलने की तेज आवाज आई।

इकलौते पुत्र संजय पुराने कारोबार को जिम्मेदारी से संभाल रहे थे। उनकी पुत्री एमबीए करने के बाद सेवारत है तो बेटा किराने की दुकान की देख रेख कर रहा है। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस घटनास्थल पहुंची, मौके की जांच में सिर में गोली लगने की पुष्टि हुई है।

पुलिस ने लाइसेंसी पिस्टल को कब्जे में ले लिया है। शहर कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया मानसिक तनाव परेशान होकर ऐसा कदम उठाने की बात सामने आई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की जांच में जुटी है।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : बड़ूपुर के लिलौली निवासी 26 वर्षीय रवि वर्मा का शव बुधवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। रवि का शव देवां थाना क्षेत्र के मैदानपुरवा गांव स्थित उसके ननिहाल के एक कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों के अनुसार, रवि तीन दिन पूर्व अपने ननिहाल गया था। बुधवार सुबह परिजनों ने उसे कमरे में फंदे से लटका देखा तो घर में कोहराम मच गया। रिश्तेदारों ने शव को नीचे उतारकर मृतक के परिजनों को जानकारी दी। परिजन मौके पर पहुंचे और शव को अपने पैतृक गांव ले गए। युवक की मौत के कारणों को लेकर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिजनों का कहना है कि घटना से पूरा परिवार स्तब्ध है। ननिहाल पक्ष की ओर से अभी तक पुलिस को शिकायत नहीं दी गई है। वहीं, शव गांव पहुंचने के बाद परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

अपहरण के आरोपियों पर आखिरकार दर्ज हुई रिपोर्ट

बाराबंकी, अमृत विचार : पांच दिन से गायब रिटायर्ड होमगार्ड का अब तक पता नहीं चल सका है। इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कराने गए परिजनों को पुलिस टहलाती रही, आखिरकार कोतवाली शहर पुलिस को तहरीर के आधार पर नामजद रिपोर्ट दर्ज करनी ही पड़ी। बताते चलें कि शहर से सटे ग्राम मंझपुरवा में शिव विहार कॉलोनी की रहने वाली मंजू सिंह ने अपने पति प्रेम सिंह यादव के अपहरण की आशंका जताते हुए कोतवाली नगर में शिकायती पत्र दिया था। बताया कि उनके पति रिटायर्ड होमगार्ड प्रेम सिंह यादव 16 जनवरी की शाम शुगर मिल बाजार स्थित मंदिर में पूजा करने के लिए घर से निकले, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। काफी तलाश किए जाने के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं लग सका। मंजू सिंह ने आरोप लगाया कि सहन की भूमि को लेकर 9 जनवरी को मोहल्ले के ही कुलदीप मिश्रा, रमाशंकर मिश्रा और सत्या पंडित द्वारा उनके पति प्रेम सिंह यादव, बेटे शिव सिंह यादव तथा भतीजे चंदेश कुमार यादव को जान से मारने की धमकी दी गई थी। कुलदीप ने कहा था कि 9 दिनों के अंदर उठा लेंगे। इन्हीं लोगों द्वारा उनके पति का अपहरण किया गया है और किसी अनहोनी की पूरी संभावना है। तहरीर दिए जाने के बावजूद पुलिस ने मामले की रिपोर्ट नहीं दर्ज की थी पर मंगलवार की रात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया। एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में जांच के आधार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रेम सिंह यादव, रिटायर्ड होमगार्ड।

चालू सप्लाई के बीच ट्रांसफार्मर से पार्ट्स व तेल चोरी

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : नगर के नालापार दक्षिणी मोहल्ले में मंगलवार देर रात चोरों ने ऐसा कारनामा दिखाया कि लोग दंग रह गए। बिजली आपूर्ति चालू रहने के बावजूद चोरों ने ईदगाह के पास लगे 250 केवीए क्षमता के ट्रांसफार्मर को उसके प्लेटफार्म से अलग कर नीचे गिरा दिया और उसके सभी कीमती पार्ट्स व तेल निकाल कर बेखौफ फरार हो गए। इस घटना के बाद इलाके की बिजली पूरी तरह ठप हो गई। बुधवार सुबह जब वार्ड-1 के सभासद मो. राहिल ने बिजली गुल होने की शिकायत की, तो विद्युतकर्मी मौके पर पहुंचे। वहां का नजारा देख वे भी हैरान रह गए, देखा कि ट्रांसफार्मर जमीन पर बिखरा पड़ा था। बताया गया कि रेलवे स्टेशन फीडर से जुड़े इस ट्रांसफार्मर को जाली से ढका गया था, इसके बावजूद चोरों ने पहले बिजली के तार अलग किए, फिर ट्रांसफार्मर को नीचे गिराकर उसके सभी कीमती पार्ट्स खोल लिए। ट्रांसफार्मर में भरा तेल भी करपों में भरकर ले जाया गया। आसपास खोजबीन में कुछ दूरी तक पार्ट्स और तेल ले जाने के निशान भी मिले। घटना की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। नागरिकों ने चोरों के हौसले और चोरी के इस खतरनाक तरीके पर चिंता जताई। देर शाम विद्युत विभाग के अवर अभियंता राकेश कुमार, टेक्नीशियन अवधेश चौरसिया तथा संविदाकर्मी रामगोपाल और आशीष सैनी ने संयुक्त रूप से फतेहपुर कोतवाली में तहरीर दी। नगर चौकी प्रभारी अजय पांडेय ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस जांच में जुटी हुई है। घटना के चलते आसपास क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रही।

आरटीई से खुलेगा महंगे स्कूलों का दरवाजा

बाराबंकी: अमृत विचार : गरीबी से जूझते लेकिन नामी स्कूलों में पाल्यों को पढ़ाने की चाहत रखने वाले अभिभावकों की मुराद शिक्षा का अधिकार अधिनियम फिर पूरी करने वाला है। आवेदन प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरु होगी। तीन चरणों में हजारों बच्चों को नामी गिरामी स्कूलों में दाखिला लेने व उच्च स्तर की पढ़ाई का मौका मिल सकेगा।

बताते चलें कि निर्धनता से जूझ रहे अभिभावकों के लिए बड़े स्कूलों में पाल्यों को पढ़ाना किसी ख्वाब से कम नही लेकिन केन्द्र सरकार की शिक्षा का अधिकार अधिनियम ने माता पिता के अरमानों को पंख लगा दिए हैं। करीब डेढ़ दशक से भी पुरानी इस योजना से अब तक हजारों बच्चे लाभान्वित हुए और जाने कितने पढ़ाई पूरी कर अब आगे बढ़ चुके हैं। इस साल फिर आईटीई ने अवसर प्रदान किया है। बाराबंकी नगर क्षेत्र के 29 वार्डों और 13 नगर पंचायतों में संचालित 242 निजी विद्यालय योजना में शामिल हैं। इन स्कूलों में 27,360 सीटें आरक्षित की गई हैं। इन सीटों पर निर्धन और वंचित परिवारों के बच्चों के लिए प्रवेश के रास्ते खुल गए हैं। प्रवेश प्रक्रिया दो फरवरी से शुरू होकर तीन चरणों में पूरी होगी। हर निजी विद्यालय में 25 प्रतिशत सीटें आरक्षित रखी जाएंगी। पहले चरण में आवेदन 2 फरवरी से 16 फरवरी, लॉटरी 18 फरवरी व प्रवेश 20 फरवरी को होगा। दूसरे चरण में आवेदन 21 फरवरी से 7 मार्च, लॉटरी 9 मार्च तथा प्रवेश 11 मार्च को होगा, इसी तरह तीसरे चरण में आवेदन 12 मार्च से 25 मार्च, लाटरी 26 मार्च तथा प्रवेश 27 मार्च हो होगा। अभिभावक ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। जिसके लिए निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बच्चे की फोटो, जन्म तिथि प्रमाण पत्र बीएसए या बीईओ कार्यालय में दस्तावेज़ जमा करना अनिवार्य होगा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन पाठक ने बताया कि आरटीई के तहत तीन चरणों में आवेदन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जिले का कोई भी पात्र बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

दहेज हत्या में पति को 7 साल की कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला न्यायाधीश कोर्ट ने दहेज के लिए विवाहिता को जलाकर मार डालने के प्रकरण में पति को 7 वर्ष कारावास व 10 हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। बताते चलें कि 20 जुलाई 2018 को फैजाबाद जिले के थाना कैंट के बनवीरपुर के घनश्याम सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बेटी संध्या सिंह का विवाह वर्ष 2013 में रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मुरारपुर निवासी श्याम सिंह के साथ की थी। इसके बाद से ससुराल पक्ष दहेज की मांग करते हुए संध्या का उत्पीड़न करने लगे। गांव से एक शख्स ने फोन कर बताया कि संध्या की हत्या कर दी गई है। मायका पक्ष मौके पर पहुंचा तो देखा कि संध्या का शव बेड पर पड़ा था। जिला शासकीय अधिवक्ता अमित अवस्थी ने बताया कि भादवि व डीपी एक्ट के इस प्रकरण में न्यायालय ने अभियुक्त श्याम सिंह उर्फ मटरू को दोषसिद्ध करार दिया और 7 वर्ष कारावास व अर्थदण्ड की सजा सुनाई।

ज्ञापन देने पहुंचे संगठन के लोग। ● अमृत विचार

शिव मंदिर को कब्जामुक्त करने की मांग

बाराबंकी, अमृत विचार : राष्ट्रीय जागरण मंच के तत्वावधान में दुर्गापुरी स्थित प्राचीन शिव मंदिर के संरक्षण को लेकर मंच पदाधिकारियों और विभिन्न हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी से वार्ता कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ लोग मंदिर परिसर को पाटकर उसके अस्तित्व को समाप्त करने और भूमि पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। संगठनों ने मांग की कि मंदिर परिसर को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर उसका सौंदर्यीकरण कराया जाए तथा देखरेख के लिए नगर पालिका को सौंपा जाए। ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय जागरण मंच अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, पूर्व विश्व हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद जायसवाल, हिंदू जागरण मंच अवध प्रांत प्रभारी मनीष श्रीवास्तव, भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष देवराज त्रिपाठी, पूर्व सभासद सोनू यादव व अजय तिवारी सहित राजीव श्रीवास्तव, रविंद्र तिवारी आदि थे।

मनीरामदास ने सूरज को किया चित

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र के खजूरी गांव में बसंत पंचमी के अवसर पर दो दिवसीय अखिल भारतीय विराट कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रदेशों के नामी पहलवानों ने भाग लिया। दंगल की सबसे चर्चित कुश्ती अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत मनीरामदास और आगरा के सूरज पहलवान के बीच हुई, जिसमें लगभग 10 मिनट चले मुकाबले में बाबा मनीरामदास ने 'मुल्तानी धोबी' दांव लगाकर जीत हासिल की। दिल्ली के मोंटी ने संभल के फिरोज को हराया। हरिद्वार के फकीर बाबा सहित अन्य पहलवानों ने भी दमखम दिखाया। गुरुवार को फाइनल कुश्तियों के विजेताओं को क्रमशः 1.01 लाख, 51 हजार और 21 हजार रुपये के पुरस्कार दिए जाएंगे।

सीआईसी क्रिकेट अकादमी ने दर्ज की शानदार जीत

बाराबंकी: अमृत विचार : लॉर्ड्स बालाजी क्रिकेट ग्राउंड पर बाराबंकी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेली जा रही दो दिवसीय बीडीसीए लीग अंडर-16 डेज क्रिकेट टूर्नामेंट में सीआईसी क्रिकेट अकादमी ने ब्लेज 11 क्रिकेट अकादमी को 38 रनों से हराया।

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी सीआईसी क्रिकेट अकादमी ने प्रत्यूष सिंह के 76, राज शुक्ला के 31 और स्मिथ यादव के 29 रनों की मदद से 77.1 ओवरों में 251 रन बनाए। ब्लेज 11 की ओर से रजा अब्बास ने 4 और अब्दुल अहद ने 3 विकेट लिए। जवाब में ब्लेज 11 क्रिकेट अकादमी 213 रन बनाकर ऑल आउट हुई, जिसमें मोहम्मद शोएब ने नाबाद 62, आर्यामांश पांडे ने 31 और अब्दुल अहद ने 28 रन बनाए। सीआईसी की ओर से समीर सिंह और दीपक चौहान ने 3-3 विकेट लिए। प्रत्यूष सिंह को उनके बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। इस अवसर पर बीडीसीए के अध्यक्ष जतिन वर्मा, चेयरमैन अख्तर अजीज़ खान, सेक्रेटरी डॉक्टर चौधरी अहमद जावेद, कोषाध्यक्ष राजेश अरोड़ा 'बब्बू', ज्वाइंट सेक्रेटरी अंकुर माथुर, जावेद अजहर, मोहम्मद आसिफ, लोकेश शुक्ला और लॉर्ड्स बालाजी क्रिकेट अकादमी के कोच इरफान खान मौजूद रहे।

शिविर में 11 लोगों ने किया रक्तदान

शिविर में रक्तदान करते लोग। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के तत्वाधान में 72वां मासिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस मौके पर 11 लोगों ने रक्तदान किया। बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रबंधक अंकुर माथुर ने अपना 54वां स्वैच्छिक रक्तदान किया। बालाजी के बचपन स्कूल की कक्षा 6 की छात्रा सिमरत कौर के अभिभावक राजा सिंह ने 56वां रक्तदान किया। रक्षित गुप्ता के पिता रामेंद्र दीपक और माता सोनम गुप्ता, कक्षा यूकेजी के छात्र अश्विक वर्मा की माता अनुपम वर्मा, समाजसेवी पंकज वर्मा, राजू पासवान, सचिन निगम, आकृति निगम, दीपक वर्मा और संस्था के सदस्य फ़ज़ल तकवी ने रक्तदान किया। प्रबंधक अंकुर माथुर ने बताया कि बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स हर माह 21 तारीख को रक्तदान शिविर आयोजित करता है। अध्यक्ष रविंद्र माथुर ने रक्त कोष प्रभारी डॉ. बीपी सिंह, डॉ. गौरव सिंह, जिला परामर्श अधिकारी पंकज कुमार वर्मा, विवेकानंद त्रिपाठी का धन्यवाद किया। इस मौके पर बालाजी ग्रुप के सदस्य मो. सलीम, रंजीत सिंह, अद्भुत सिंह, आशीष चौरसिया और पीयूष मौजूद रहे।

धूमधाम से मना वार्षिकोत्सव, हुई खेलकूद प्रतियोगिता

सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज के हीरक जयंती प्रांगण में बुधवार को विद्यालय का वार्षिकोत्सव एवं खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गयी। उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत ने किया। शुभारंभ डॉ. सुधीर कुमार वर्मा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुआ। प्रधानाचार्य राधेश्याम ने अतिथियों का स्वागत किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में निबंध, कला, कबड्डी, कुर्सी दौड़, रस्साकसी, खो-खो, बैडमिंटन आदि आयोजित किए गए। विजयी छात्रों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। तीरंदाजी में राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले कक्षा 11 के छात्र पीयूष यादव और अरुण कुमार यादव को विशेष सम्मान दिया गया। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी, वित्त एवं लेखाधिकारी संतोष कुमार मौर्य सहित अनेक शिक्षाविद् एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

सुरक्षा का अहसास कराने छात्राओं से मिली पुलिस

छात्राओं से संवाद करते इंस्पेक्टर। ● अमृत विचार

देवा, बाराबंकी, अमृत विचार : इंस्पेक्टर अजय कुमार त्रिपाठी द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक नई पहल शुरू की गयी है। इस के तहत इंस्पेक्टर स्वयं कॉलेज से छुट्टी के बाद घर लौट रही छात्राओं से मिले और उनसे समस्याओं की जानकारी ली। इंस्पेक्टर ने छात्राओं से बातचीत के दौरान यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें रास्ते में किसी प्रकार की छेड़छाड़, भय, असुरक्षा या किसी अन्य परेशानी का सामना तो नहीं करना पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए हर समय तत्पर है। इंस्पेक्टर ने छात्राओं को बताया कि विद्यालय परिसरों में लगाई गई मिशन शक्ति शिकायत पेटिका का उपयोग बेझिझक कर सकती हैं। यदि किसी कारणवश वे अपनी समस्या बताने में असहज महसूस करती हैं, तो शिकायत पेटिका में लिखित शिकायत डाल सकती हैं, जिस पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जाएगी।

पीएम श्री विद्यालय के बच्चों ने किया शैक्षिक भ्रमण

शैक्षिक भ्रमण पर गये बच्चे। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : शैक्षिक भ्रमण ट्विनिंग कार्यक्रम के तहत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय शहरी के कक्षा 6 से 8 तक के 40 बच्चों ने बुधवार को श्री सुंदरलाल इंटर एवं डिग्री कॉलेज, औरैला, सैदनपुर, का भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने स्मार्ट क्लास, बाल प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब, बागवानी, झूले, कक्षा शिक्षण और विद्यालय में संचालित अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। इस मौके पर सहायक अध्यापक सचिन जायसवाल, नीलेश कुमार तिवारी, राजन कुमार वर्मा और अनुदेशक कमरुज्जमा बच्चों के मार्गदर्शन में मौजूद रहे। कालेज स्टाफ और प्रबंधक राकेश कुमार दीक्षित ने बच्चों को सुविधाओं की जानकारी दी।

समरसता खिचड़ी भोज में जुटे जनप्रतिनिधि

समरसता खिचड़ी भोज में शामिल नेता। ● अमृत विचार

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : सामाजिक समरसता मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को ग्राम पंचायत लैन में समरसता खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया। भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य अजय गुप्ता ने अपने निवास पर आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में भाजपा पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश मंत्री नानक दीन भुर्जी, पूर्व विधायक शरद अवस्थी, पूर्व एमएलसी हरगोविंद सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेत्री अलका मिश्रा, बूथ अध्यक्ष शिवमंगल पाठक और ग्राम प्रधान राजन तिवारी आदि मौजूद रहे।

गायत्री महायज्ञ और भागवत कथा का शुभारंभ

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु।

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : अटौटा में कलश यात्रा के साथ सात दिवसीय गायत्री महायज्ञ एवं देवी भागवत कथा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम संयोजन रामावती व उनके पुत्र बबलू वर्मा ने किया। यात्रा रामनगर-बदोसराय मार्ग, बुढ़वल चौराहा, हाईवे और पक्का तालाब हनुमान मंदिर मार्ग से होती हुई पूजा स्थल पर पहुंची। वहां शांतिकुंज हरिद्वार से आए आचार्य पंकज शांडिल्य ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ और कथा का शुभारंभ किया। यात्रा में भगवान शिव, मां काली, मां दुर्गा सहित विभिन्न देवी-देवताओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भक्तों ने भक्ति भजनों पर नृत्य किया और जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सुरक्षा के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा।

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

कटरी पीपरखेड़ा में 36 करोड़ की भूमि हुई मुक्त

अवैध कब्जों पर गरजा सरकारी बुलडोडर, कार्रवाई के दौरान कब्जेदार नहीं दर्ज करा सके विरोध

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: जिले में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला प्रशासन ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए कटरी पीपरखेड़ा के मजरा जुराखन खेड़ा के पास लगभग 18 बीघा सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराया। मुक्त कराई गई जमीन की बाजार कीमत करीब 36 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी के निर्देश पर की गई, जिसमें राजस्व विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से अवैध बाउंड्री वॉल और प्लाटिंग को ध्वस्त कराया।

बाउंड्री वॉल को ध्वस्त करती जेसीबी। ● अमृत विचार

एआरओ प्रशांत नायक ने बताया कि कटरी पीपरखेड़ा क्षेत्र के गाटा संख्या 2010, 2011, 1995, 1996 व 1997 की 18 बीघा सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बाउंड्री वॉल बनाकर प्लाटिंग की जा रही थी। जांच में मिला कि इन जमीनों पर सरसों की फसल भी बोई गई थी। कार्रवाई के दौरान किसी भी व्यक्ति ने जमीन पर स्वामित्व का दावा नहीं किया और न ही कोई आपत्ति दर्ज कराई। एआरओ ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में कोई व्यक्ति इन जमीनों पर दावा करता है तो उस पर भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के बाद मुक्त कराई गई भूमि को ग्राम प्रधान और सचिव के सुपुर्द कर दिया गया है। साथ ही सभी सरकारी जमीनों पर पिलर लगाकर तारों से बैरिकेडिंग और सूचना बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि दोबारा कब्जा न हो सके। एआरओ ने बताया कि जांच में ऐसे कई और भूमि नंबर चिन्हित हुए हैं, जिन पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान कानूनगो सुरेश कुमार, प्रेम प्रकाश, सर्वे लेखपाल अभिषेक मिश्रा, फूलचंद, महेंद्र पाल सिंह, निर्मल कृष्ण, रविंद्र वाजपेई वयोगेश कुमार के अलावा पुलिस फोर्स मौजूद रहा।

सरकारी जमीन पर पक्का निर्माण, नोटिस जारी

शुक्लागंज : मौके पर सरकारी जमीन पर बना एक पक्का मकान भी मिला। एआरओ ने बताया कि मकान मालिक जुनैद अंसारी को नोटिस जारी किया गया है। हैरानी की बात यह रही कि विद्युत पोल से मकान की दूरी 100 मीटर से अधिक होने के बावजूद उसमें कनेक्शन दिया गया है। इस मामले की भी जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी जमीन पर करीब पांच बीघा क्षेत्र में सरसों की फसल उगी हुई थी। जिसे कार्रवाई के बाद ग्राम प्रधान के हवाले कर दिया गया। प्रशासन ने निर्देश दिए कि फसल की देखरेख और उपयोग नियमानुसार किया जाएगा।

कमरे में फंदे से लटका मिला अधेड़ का शव

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार: सदर कोतवाली अंतर्गत बाबूखेड़ा गांव निवासी अधेड़ का शव उसके कमरे में फंदे से लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया है।

बता दें कि बाबूखेड़ा गांव निवासी रामनरेश गौतम (50) पुत्र स्व. रामनाथ मजदूरी कर परिवार पालता था। रोज काम न मिलने से वह परेशान रहता था। आर्थिक तंगी के चलते पत्नी सुनीता भी लोगों के घरों में काम करती है। बुधवार सुबह पत्नी के काम पर जाने के बाद रामनरेश घर में अकेला था। तभी उसने कमरे में गमछे का फंदा बनाकर खुदकुशी कर ली। काम से लौटी पत्नी पति को लटका देख बेहाल हो गई। उसकी चीख सुन लोग वहां पहुंचे लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। पत्नी सुनीता के मुताबिक उसके पांच बच्चों में एक बेटी नीलम की शादी हो चुकी है। पिता की मौत से बेटे करन, अर्जुन, अरुण व अनूप रो-रोकर बेहाल हैं। पड़ोसियों से मिली जानकारी पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है।

न्यूज ब्रीफ

विधिक जानकारी के लिए पूर्व सैनिक कर सकते संपर्क

उन्नाव, अमृत विचार : जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मधु मिश्रा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लीगल सर्विस क्लीनिक का संचालन जिले के सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितो को नि :शुल्क परामर्श सहायता व मार्गदर्शन दिया जा रहा है। किसी भी पूर्व सैनिक का कोई विधिक संबधित प्रकरण है तो सीधे या जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के माध्यम से अपर जिला जज कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस पर सम्पर्क कर सकते हैं। इस केंद्र की स्थापना से जिले के सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीर नारियों व उनके आश्रितों को विधिक समस्याओं के समाधान हेतु अब किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कल मनेगी हज़रत इमाम हुसैन की यौमे पैदाइश

उन्नाव, अमृत विचार : हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की यौमे पैदाइश (जन्मदिन) उर्दू तारीख 3 शाबान (23 जनवरी) जुमे के दिन ग्रामीण क्षेत्रों कस्बों व पूरे जिले में धूमधाम से मनाया जायेगा। अंजुमन हैदरिया अब्बासिया के मुर्तजा हैदर रिज़वी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मौके पर विभिन्न स्थानों पर जश्ने महफिले मिलाद का आयोजन होता है। जिसमें बैरूनी, मकामी शायर हजरत इमाम हुसैन की शान में कसीदे सलाम पढ़ेंगे। मस्जिदों, इमाम बारगाहों, खानकाहों, कर्बलाओ, कब्रिस्तानों व घरों में रोशनी, चिरागा, सजावट की जाएगी। घरों में पकवान पकेंगे।

कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 6 घंटे रेंगे वाहन

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: बुधवार को एनएचएआई की ओर से कानपुर-लखनऊ हाईवे पर त्रिभुवन खेड़ा के आगे डामरीकरण का कार्य कराए जाने के कारण करीब छह घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। डामरीकरण के दौरान बीच सड़क तक निर्माण सामग्री और मशीनें खड़ी रहने से मार्ग संकरा हो गया, जिससे एक समय में केवल एक ही वाहन निकल पा रहा था। इसके चलते हाईवे पर बार-बार जाम की स्थिति बनी रही और वाहन रेंगते नजर आए।

सुबह के समय कार्य शुरू होने के बाद करीब 11 बजे वाहनों का दबाव बढ़ गया। देखते ही देखते लंबी कतारें लग गईं और दोनों ओर से वाहनों

डामरीकरण के चलते हाईवे पर वाहनों की लगी कतार। ● अमृत विचार

● डामरीकरण कार्य के चलते राहगीरों को उठानी पड़ी परेशानी

की रफ्तार थम गई। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने मोर्चा संभाला और एक-एक कर वाहनों को निकलवाया। इसके बावजूद दिनभर हाईवे पर रुक-रुक कर जाम लगता रहा। यातायात बाधित होने से लंबी दूरी की बसों, निजी वाहनों, एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में घंटों अतिरिक्त समय लगा। शाम करीब पांच बजे डामरीकरण का कार्य पूरा होने के बाद यातायात सामान्य हुआ।

एनडीपीएस एक्ट के दोषी को सुनाई चार माह की सजा

उन्नाव, अमृत विचार: फतेहपुर चौरासी पुलिस ने 30 अगस्त 2022 को क्षेत्र के दोस्तपुरं गांव निवासी रोशन लाल को 1.400 किलो मादक पदार्थ के साथ पकड़ा था। पुलिस ने उसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में कार्यवाई कर उसे जेल भेजा था। मुकदमे के विवेचक तत्कालीन एसआई राजीव भदौरिया ने आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य एकत्र कर 31 अगस्त 2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में न्यायाधीश महेंद्र सिंह ने अभियोजन पक्ष से यशवंत सिंह व विनय प्रकाश शुक्ला की दलील व साक्ष्य के आधार पर दोषी को 4 माह की सजा सुनाई।

बसंत पंचमी कल, तैयारियों में जुटे लोग

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: विद्या, बुद्धि व संगीत की देवी मां सरस्वती की आराधना का पावन पर्व बसंत पंचमी शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इसे लेकर शहर के बाजारों में बुधवार से ही रौनक देखी गई। पूजन सामग्री से लेकर सजावटी सामानों तक की दुकानों पर दिन भर ग्राहक आते रहे।

शहर के बड़ा चौराहा, सदर बाजार, सब्जी मंडी व गांधी नगर तिराहा पर सुबह से चहल-पहल शुरू हो गई थी। मां सरस्वती की प्रतिमाओं की स्थापना के लिए भक्तों ने शुभ मुहूर्त देख मूर्तियों की खरीदारी की। इसके साथ हवन सामग्री, अबीर-गुलाल व पीले वस्त्रों की बिक्री में उछाल देखने को मिला। बसंत पंचमी पर पीले रंग का विशेष महत्व होने से फूलों की मंडी पूरी तरह गेंदे के फूलों से पटी नजर आई। विक्रेताओं ने बताया कि मालाओं व खुले फूलों के लिए थोक बुकिंग पहले ही हो चुकी है। स्वाद के शौकीनों ने भी पर्व की तैयारी में कसर नहीं छोड़ी। हलवाइयों के यहां केसरिया लड्डू व पीली

बड़ा चौराहा पर पूजन सामग्री खरीदतीं महिलाएं। ● अमृत विचार

● पूजन सामग्री से लेकर सजावटी सामानों तक की दुकानों पर रही ग्राहकों की भीड़

मिठाइयों के ऑर्डर की बुकिंग है। विद्या की देवी का पर्व होने के नाते छात्र-छात्राओं में विशेष उमंग देखी जा रही है। स्कूलों व कोचिंग सेंटरों में होने वाले आयोजनों के लिए युवाओं की टोलियां बाजार में साज-सज्जा का सामान व मूर्तियां खरीदते हुए दिखाई दीं।

बीघापुर कोतवाल और पुलिस कर्मियों पर मारपीट का आरोप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव, अमृत विचार : बीघापुर कोतवाली प्रभारी व 6 पुलिस कर्मियों पर महिला ने उसके बेटे से मारपीट का आरोप लगाया था। कार्रवाई न होने पर महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कोर्ट ने महिला का प्रार्थनापत्र स्वीकार कर सुनवाई के लिए 2 फरवरी की तिथि तय की है। बता दें कि बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के अढ़ौली गांव निवासी माधुरी देवी ने बताया कि 24 दिसंबर-2025 की दोपहर कोतवाली के दरोगा श्याम नारायण सिंह व पुरुषोत्तम, आरक्षी आदित्य कुमार, सतनाम सिंह एक साथी पुलिस कर्मी के साथ उसके घर आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर पुलिस कर्मियों ने पति महेश व बेटे अभिनीत से जमकर मारपीट की। इसके बाद पुलिस कर्मी बेटे को कोतवाली ले गए। आरोप है कि कोतवाल राजपाल ने भी उसके बेटे को पीटा जिससे वह गंभीर घायल हो गया। महिला के मुताबिक उसने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज करने की गुहार लगाई थी लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। इस पर उसने अधिवक्ता अनिल सिंह के जरिए सीजेएम कोर्ट में बीएनएसएस की धारा 173 (4) के तहत प्रार्थनापत्र दिया था। जिसे कोर्ट ने स्वीकृत करते हुए इस संबंध में कोतवाली से आख्या रिपोर्ट तलब करने का आदेश जारी किया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 2 फरवरी की तारीख तय की है। सीओ बीघापुर मधुपनाथ मिश्रा ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। न ही महिला ने उन्हें कोई प्रार्थनापत्र दिया है।

जंग खा रहीं विद्युत शवदाह गृह की मशीनें

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: मिश्रा कॉलोनी श्मशान घाट स्थित नगर पालिका द्वारा वर्ष 1994 में स्थापित विद्युत शवदाह गृह बीते 5 वर्षों से बंद है। कोरोना काल में वर्ष 2021 से ठप पड़े इस शवदाह गृह में लगी लाखों की मशीनें देखरेख के अभाव में जंग खा रही हैं। विद्युत शवदाह गृह बंद होने से लोगों को मजबूरी में खुले में लकड़ी के माध्यम से अंतिम संस्कार कराना पड़ रहा है। जिससे उन्हें अधिक खर्च उठाना पड़ रहा है। साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है, लेकिन नगर पालिका इस ओर गंभीर नहीं दिख रही है।

जानकारी के अनुसार विद्युत शवदाह गृह की शव जलाने वाली

मिश्रा कॉलोनी में बंद पड़ा विद्युत शवदाह गृह। ● अमृत विचार

● कोरोना काल से बंद पड़ा है खराब हो रहीं हैं लाखों की मशीनें

मशीनें इससे पहले भी कई बार खराब हो चुकी थीं। तत्कालीन अधिशासी अधिकारी उमेश चंद्र मिश्रा और नरेंद्र मोहन मिश्रा के कार्यकाल में इन्हें बारी-बारी से दो बार मरम्मत कराकर चालू कराया गया था। कोरोना काल के दौरान वर्ष 2021 में यहां करीब 25 शवों का अंतिम संस्कार किया गया, इसके बाद अचानक शवदाह गृह को बंद कर दिया गया। पूछताछ में बताया गया कि मशीन में लगे एलिमेंट खराब हो चुके हैं।

पुलिस ने लापता भाइयों को किया बरामद

उन्नाव, अमृत विचार: असोहा थानाक्षेत्र के भाऊमऊ निवासी आशीष शर्मा का बड़ा बेटा लक्ष्य (14) अपने छोटे भाई संस्कार (9) के साथ बुधवार को रोज की तरह अपने सेरवईया गांव स्थित विद्यालय जाने को निकला था लेकिन वहा वहां नहीं पहुंचा। मां अपर्णा के मोबाइल पर विद्यालय से दोनों बेटो के गैर हाजिर होने की सूचना पर वह घबरा गई। इस पर उसने पीआरवी को सूचना दी। जांच के बाद पीआरवी कर्मियों थाने में मामले की जानकारी दी। इसके बाद सीओ तेज बहादुर सिंह के निर्देश पर एसओ फूल सिंह ने दोनों बच्चों को सोहरामऊ थानाक्षेत्र के गोमापुर बाजार से बरामद कर परिजनों को सौंप दिया।

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं व शक्तिपीठ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

गायत्री शक्तिपीठ से निकाली गई कलश यात्रा

उन्नाव, अमृत विचार : अखिल विश्व गायत्री परिवार के संयोजन में बुधवार को पीडब्ल्यूडी परिसर स्थित गायत्री शक्तिपीठ सिविल लाइन के तत्वावधान में तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिसमें बुधवार को प्रथम दिवस जन संदेश कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा गायत्री शक्तिपीठ से निकलकर सिविल लाइन, बंधुहार से गोपेश्वर मंदिर होते हुए वापस शक्तिपीठ आई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में मातृ शक्तियां पीले परिधानों में सिर पर कलश लेकर यात्रा के पीछे चल रही थीं। आचार्य राम शंकर प्रजापति संगठन के धेय वाक्य हम सुधरेंगे युग सुधरेगा, हम बदलेंगे युग बदलेगा आदि नारों को बोलते हुए परिजनों के साथ यात्रा के साथ चल रहे थे। यात्रा का नेतृत्व शक्तिपीठ प्रबंधक दुर्गा प्रसाद व संयोजक विनोद शुक्ल व ओमप्रकाश सविता ने किया। इसमें जिला समन्वयक नरेंद्र सिंह, प्रशांत शुक्ला, राजकरन, गौरव शुक्ल, साधना सिंह, शशि सिंह, संगीता शर्मा, पुष्पा शुक्ला, रामेश्वरी, निशा सिंह, सरिता यादव, रेखा यादव आदि मौजूद रहे।

कोर्ट ने पॉक्सो व एससीएसटी एक्ट के दोषी को सुनाई 5 साल की सजा, 10 हजार जुर्माना

उन्नाव, अमृत विचार : छेड़छाड़, पॉक्सो व एससीएसटी एक्ट के मुकदमे की अंतिम सुनवाई में विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट-12 ने बुधवार को आरोपी को दोषी करार देते हुए 5 साल की सजा के साथ 10 हजार का अर्थदंड़ भी लगाया है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव सफियापुर निवासी एक महिला ने गांव निवासी रेनू उर्फ विमल यादव पर 10 जून 2019 को घर में घुसकर छेड़छाड़, पॉक्सो एक्ट व एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मुकदमे की विवेचना तत्कालीन सीओ सफीपुर गौरव त्रिपाठी ने की थी और आरोपी को 12 जून 2019 को पकड़कर जेल भेजा था। सीओ ने आरोपी के विरुद्ध साक्ष्य जुटाकर कोर्ट में 1 जुलाई 2019 को चार्जशीट पेश की थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई में अभियोजन पक्ष से सरकारी वकील प्रदीप श्रीवास्तव द्वारा पेश किए गए गवाहों व साक्ष्य सुनने के बाद न्यायाधीश शैलेंद्र कुमार ने रेनू उर्फ विमल यादव को दोषी ठहराते हुए 5 साल की सजा सुनाई।

डॉ. रचना ने घर-घर बांटी योगी की पाती

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 'योगी की पाती' के माध्यम से प्रदेश वासियों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। जिसमें वे विभिन्न मुद्दों जैसे साइबर अपराध से बचाव, सड़क सुरक्षा व एआई तथा तकनीकी शिक्षा के महत्व पर जनता को जागरूक कर रहे हैं।

शीतकालीन अवकाश के बाद विद्यालयों की नियमित उपस्थिति के लिए शिक्षक घर-घर संपर्क कर रहे हैं। ऐसे में उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरी पीपरखेड़ा कंपोजिट की शिक्षिका डॉ. रचना सिंह ने शिक्षक साथियों के साथ बच्चों के घरों में संपर्क किया और वहां चौपाल लगाकर नियमित उपस्थिति की बात की व कक्षा 1 व 2 में होने वाले निपुण आंकलन के बारे में अभिभावकों को बताया। वहां लोगों को मुख्यमंत्री योगी की पाती से भी अवगत कराया तथा योगी की पाती की प्रतियों को गांव में सभी के घरों में वितरित किया। बताया कि मुख्यमंत्री सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को देखकर अत्यंत दुखी हैं। ऐसी स्थितियां न हों इसके लिए प्रदेश भर में 31 जनवरी तक

योगी की पाती बांटती डॉ. रचना सिंह। ● अमृत विचार

● 'योगी की पाती' के माध्यम से प्रदेश वासियों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं मुख्यमंत्री

सड़क सुरक्षा माह आयोजित हो रहा है। योगी जी ने अपनी पाती में प्रदेश वासियों से पैदल चलने वालों का अत्यधिक ध्यान रखने व उनके प्रति संवेदनशील रहने की अपील की। उन्होंने सभी नवयुवकों, अभिभावकों को सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई।

राम नाम की घंटी से जीवन होता है आनंदमय

संवाददाता शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार: पोनी रोड स्थित श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर में चल रही श्री राम कथा के दौरान बुधवार को व्यास संजीव कृष्ण दुबे महाराज ने शबरी प्रसंग के माध्यम से सच्ची भक्ति के भावों को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि शबरी मइया के पास चार ऐसी वस्तुएं थीं, जो प्रत्येक भक्त के जीवन में होनी चाहिए।

व्यास जी ने कहा कि पहली वस्तु झाड़ू है जिसका भाव आंतरिक स्वच्छता से जुड़ा है। जैसे शबरी मइया आश्रम की सफाई करती थीं वैसे ही भक्त को अपने मन के विकार, कल्मष व बुरे विचारों को साफ कर मन निर्मल रखना चाहिए, क्योंकि जहां स्वच्छता व निर्मलता

कथा के दौरान समाजसेवी वीरेन्द्र शुक्ला को सम्मानित किया गया। ● अमृत विचार

● पोनी रोड स्थित श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर में चल रही राम कथा

होती है वहीं भगवान का वास होता है। दूसरी वस्तु कलश है। कलश का जल धीरे-धीरे रिसता है। जिसका भाव नेत्रों से बहने वाले भक्ति रस से है। सच्चा भक्त भगवान के गुणगान में पुलकित होकर अश्रुधारा बहाता है। तीसरी वस्तु फलों की टोकरी बताई गई, जिसका भाव यह है कि जीवन में किए गए सभी पुण्य कर्मों को भगवान को समर्पित कर देना चाहिए, जैसा शबरी मइया ने किया। चौथी वस्तु घंटी है, जिसका भाव गुरु मंत्र और राम नाम से है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती हाशमा पत्नी शेर जमा खां व रेशमा पत्नी अब्दुल हक निवासी ग्राम दरियापुर परगना बाँगरमऊ तहसील सफीपुर जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 09-01-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थिनीगण ने मोहल्ला बशीरगंज/सरोजनीनगर बाँगरमऊ का एक किता प्लाट श्री इलियास खां पुत्र इब्राहिम निवासी ग्राम सुरसेनी बाँगरमऊ जिला उन्नाव से श्रीमती हाशमा पत्नी शेर जमा खां ने 1/2 भाग व श्रीमती रेशमा पत्नी अब्दुल हक ने 1/2 भाग प्लाट जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 20-09-2011 को क्रय कर गोड़े का निर्माण करवा लिया है। जिसकी माप पूरब से पश्चिम 50 फिट व उत्तर से दक्षिण 16 फिट कुल माप 800 वर्गफीट या 74.35 वर्गमीटर उक्त गोड़े की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- रास्ता कच्चा 14 फिट चौड़ा पश्चिम- मकान मसरूर उत्तर- मकान शमसुल दक्षिण- मकान अब्दुल रहमान प्रार्थिनीगण ने अपने उपरोक्त भवन को पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र, रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा। तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

कार्यक्रम | **जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कृषि भवन सभागार में किसान दिवस का हुआ आयोजन**

मियागंज, हसनगंज व औरास में बनेंगी फल मंडियां :डीएम

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में बुधवार को कृषि भवन सभागार में किसान दिवस का आयोजन हुआ। इसमें डीएम ने सख्त रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और अगले किसान दिवस तक कोई भी शिकायत लंबित न रहे।

डीएम ने बताया कि मियागंज, हसनगंज व औरास में फल मंडी के लिए जगह चिन्हित कर ली गई है। इसके लिए ब्लॉकवार क्लस्टर बनाए जाएंगे। इस परियोजना की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए जिला उद्यान अधिकारी व विपणन अधिकारी की एक टीम गठित की गई है। जो हर मंगलवार इसकी समीक्षा करेगी। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए डीएम ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि खुरपका-मुंहपका व गलाघोंटू की बीमारी का टीकाकरण अभियान 22 जनवरी से शुरू हो रहा है। उन्होंने निर्देश दिये कि टीकाकरण से पूर्व ग्राम प्रधान व वीडीसी के माध्यम से गांव-गांव में सूचना दी जाए। ताकि कोई भी पशु छूटने न पाए। उप कृषि निदेशक ने बताया कि अब कृषि विभाग की

किसान दिवस पर किसानों व अधिकारियों के साथ बैठक करते डीएम गौरांग राठी।

योजनाओं जैसे कृषि यंत्र, सोलर पंप व निःशुल्क बीज मिनीकिट का लाभ लेने के लिए किसानों को जन सेवा केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग करानी होगी। इसके बाद लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से पारदर्शी तरीके से किया जाएगा।

बैठक में किसानों ने विद्युत विभाग द्वारा शाम को की जा रही कटौती का मुद्दा उठाया। वहीं, सफीपुर के किसान रामप्रताप ने घरेलू कार्यों और पशुओं के लिए एक-दो ट्रॉली मिट्टी की जरूरत पर विभागीय अनुमति में होने वाली दिक्कतों को साझा किया। किसानों ने मांग की कि दो ट्रॉली तक मिट्टी के लिए अनुमति की प्रक्रिया में छूट दी जाए।

बैठक में उप कृषि निदेशक रविचंद्र प्रकाश, जिला उद्यान अधिकारी, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, लघु सिंचाई, जल निगम, मत्स्य व लोक निर्माण विभाग के अन्य मौजूद रहे।

परिवार नियोजन कार्यक्रम प्रभावी बनाने को हुई बैठक

उन्नाव, अमृत विचार : परिवार नियोजन सेवाओं की पहुंच व गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की अगुवाई में संचालित उम्मीद परियोजना के तहत डिस्ट्रिक्ट वर्किंग ग्रुप की बैठक सीएमओ कार्यालय के सभागार में हुई। इसमें परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता व क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं व उनके समाधान पर चर्चा की गई। बैठक में सीएमओ डॉ. हरिनंदन प्रसाद ने अधिकारियों से कहा कि परिवार नियोजन से जुड़ी सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। पॉपुलेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया की प्रतिनिधि शिल्पा नायर ने परिवार नियोजन सेवाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी प्रभावी करने पर बल दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी इंतजार अहमद ने जिले में संचालित परिवार नियोजन सेवाओं व उम्मीद परियोजना के उद्देश्यों की जानकारी दी। बताया कि परियोजना के सीएचसी व पीएचसी में परिवार नियोजन कॉर्नर की स्थापना, आरोग्य मंदिरों व उपकेंद्रों को परिवार नियोजन किट उपलब्ध कराना, स्वास्थ्य प्रदाताओं, एएनएम व आशा कार्यकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं व परामर्श हेतु प्रशिक्षित करना है। बैठक में कम उम्र में विवाह की रोकथाम, नए गर्भ निरोधक साधनों की जानकारी व परिवार नियोजन कार्यक्रमों में पुरुष सहभागिता बढ़ाने पर चर्चा हुई। इसमें एसीएमओ डॉ. जेआर सिंह, ज्योति भूषण पांडेय, रानू कटियार, मनिंदर सिंह, कपिल श्रीवास्तव आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे

न्यूज ब्रीफ

महिला संबंधी अपराध में वांछित को दबोचा

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। मंगलवार शाम करीब 7 बजे मुखबिर की सूचना पर दरोगा प्रेम प्रकाश दीक्षित ने कांस्टेबल मनोज अत्री के साथ काली मिट्टी चौराहे के पास उन्नाव-हरदोई मार्ग पर हफीजाबाद की ओर महिला संबंधी अपराध में वांछित क्षेत्र के गांव महपरापुर के मजरा उधुमखेड़ा निवासी 24 वर्षीय घनश्याम पुत्र खेमराज को हिरासत में लिया। घनश्याम पॉक्सो एक्ट सहित कई अन्य मामलों में वांछित है। पुलिस ने उसके विरुद्ध कार्रवाई करने के बाद कोर्ट में पेश किया है।

शिविर में बुजुर्गों को बताए उनके अधिकार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। गांव तकिया निगोही स्थित वृद्धाश्रम में बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा साक्षरता व जागरूकता शिविर आयोजित हुआ। इसमें वृद्धजनों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। नायब तहसीलदार दिनेश कुमार ने 102 वृद्धजनों को कंबल दिए। वृद्धाश्रम के प्रबंधक पीएन सिंह ने सभी का आभार जताया। शिविर में डा. रूपेश कुमार, जितेंद्र कुमार, रिंकी, ब्रजेश कुमार, बबलू गौतम रहे।

दो दिन और बंद रहेगी करोवन क्रॉसिंग

उन्नाव, अमृत विचार। सीनियर सेक्शन इंजीनियर रेल पथ उत्तर रेलवे ने बताया रेलवे फाटक संख्या 36 ए (करोवन क्रॉसिंग) जो उन्नाव-मगरवारा रेलवे स्टेशन के बीच है उस पर मरम्मत कार्य किया जाएगा। इस दौरान यह फाटक 20 से 24 जनवरी तक सुबह 8 से शाम 8 बजे तक सभी वाहनों हेतु पूर्णतया बंद रहेगा। इस फाटक से गुजरने वाले वाहन फाटक संख्या 37-सी से आ जा सकेंगे।

बदहाली का शिकार श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम

सिकंदरपुर सरोसी विकासखंड के ग्राम सभा सरैयां में है स्थित

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

स्टेडियम में बैडमिंटन कोर्ट में सूखते कपड़े। अमृत विचार

अमृत विचार। सिकंदरपुर सरोसी विकास खंड के अंतर्गत ग्राम सभा सरैयां में स्थित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम देखरेख के अभाव में बदहाली का शिकार होता जा रहा है। कभी खेल गतिविधियों से गुलजार रहने वाला यह स्टेडियम आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। स्टेडियम में बना बास्केटबॉल कोर्ट पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है, जबकि उसकी फर्श भी उखड़ती नजर आ रही है। वहीं बैडमिंटन कोर्ट में खेल के बजाय कपड़े सुखाए जा रहे हैं, जो जिम्मेदारों की उदासीनता को साफ तौर पर दर्शाता है।

वर्ष 2023 में मनरेगा के तहत क्रिटिकल गैप्स योजना में 45.61 लाख से स्टेडियम का सौंदर्यीकरण हुआ था। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा कराए गए इस कार्य में दो चेंजिंग रूम, बास्केटबॉल कोर्ट, बैडमिंटन कोर्ट, 400 मीटर रनिंग ट्रैक, क्रिकेट पिच, मुख्य द्वार, हाईमास्ट लाइट व पेवेलियन का निर्माण शामिल था। निर्माण के समय ग्रामीणों में उम्मीद जगी थी कि युवाओं को खेल के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि नियमित देखरेख न होने के कारण स्टेडियम का उपयोग खेल के बजाय अन्य कार्यों के लिए होने लगा है। चारों ओर घास उग आई है और खेल सामग्री भी क्षतिग्रस्त होती जा रही है।

वहीं बैडमिंटन कोर्ट में खेल के बजाय कपड़े सुखाए जा रहे हैं, जो जिम्मेदारों की उदासीनता को साफ तौर पर दर्शाता है। ग्रामीणों और युवाओं ने प्रशासन से मांग की है कि स्टेडियम की समुचित देखरेख कराई जाए, ताकि सरकारी धन से बने इस खेल परिसर का सही उपयोग हो सके और क्षेत्र के खिलाड़ी लाभान्वित हो सकें।

बार काउंसिल का दो दिवसीय मतदान हुआ संपन्न

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश के सदस्य पद के लिए पिछले दो दिनों से न्यायालय परिसर में मतदान चल रहा था। बुधवार को मतदान के अंतिम दिन भी अधिवक्ताओं का उत्साह देखते बन रहा था। चुनाव प्रभारी न्यायाधीश मनमोहन सिंह ने बताया कि पहले दिन 848 तथा दूसरे दिन 1082 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बताते चले कि जिले में 2186 मतदाताओं को बार काउंसिल सदस्य पद के लिए मतदान करना था। जिले में 88.29 प्रतिशत अधिवक्ताओं ने वोट डाले।

एसडीएम ने सुनीं लोगों की समस्याएं

सफीपुर उन्नाव

किट वितरित करते एसडीएम सफीपुर शिवेंद्र वर्मा। अमृत विचार

अमृत विचार। विकासखंड सफीपुर अंतर्गत औझरपुर मजरा खोखापुर में बुधवार को ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ। इसमें एसडीएम शिवेंद्र वर्मा के सामने बड़ी संख्या में ग्रामीणों में अपनी समस्याएं रखीं। एसडीएम ने उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से त्वरित निस्तारण करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के भी निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि सरकार की मंशा है कि जन चौपाल के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर ही जनता का समस्याओं का समाधान हो ताकि लोगों को तहसील के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी शिकायत को लंबित न रखने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर मरीजों को पोषण किट का वितरण किया गया। शिक्षा विभाग की ओर से खंड शिक्षाधिकारी अनीता शाह ने परिषदीय विद्यालय में संचालित योजनाओं नामांकन अभियान छात्रवृत्ति व मध्यान भोजन की योजना के बारे में जानकारी दी। पंचायती राज विभाग द्वारा स्वच्छता, शौचालय निर्माण व ग्राम विकास से संबंधित योजनाओं पर चर्चा की गई। चौपाल में तहसीलदार देवेंद्र यादव, एडीओ पंचायत छोटेलाल, सचिव सिद्धांत वर्मा, ग्राम प्रधान अभिज्ञान तिवारी आदि कई विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

मरहला चौराहे पर आरओबी निर्माण से उन्नाव-शुक्लागंज लेन बंद

स्लैब ढालने को लेकर बंद किया गया उन्नाव-शुक्लागंज लेन। अमृत विचार

यातायात बाधित

संवाददाता शुक्लागंज, उन्नाव

अमृत विचार। मरहला चौराहे पर निर्माणाधीन आरओबी के चलते एक बार फिर यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई है। कार्यदायी संस्था द्वारा पिलर नंबर 26 पर स्लैब ढालने का कार्य किए जाने के कारण उन्नाव से शुक्लागंज की ओर जाने वाली लेन को बंद कर दिया गया है। इसके चलते वाहनों को शुक्लागंज से उन्नाव की एक ही लेन से दोनों दिशाओं में गुजरना पड़ रहा है, जिससे मार्ग संकरा हो गया और वाहनों की रफ्तार थम गई।

सेतु निगम की ओर से मंगलवार की रात से उन्नाव-शुक्लागंज लेन को पूरी तरह बंद कर दिया गया था। लेन बंद होने से दिनभर मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रही। खासकर सुबह व शाम के समय वाहनों का दबाव बढ़ने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अचानक लेन बंद होने और वैकल्पिक मार्ग की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यातायात बार-बार बाधित होता रहा। उन्नाव-शुक्लागंज लेन बंद होने से आवागमन करने वाले राहगीरों को काफी कठिनाइयों के दौर से भी गुजरना पड़ा है।

कार्यदायी संस्था के अनुसार पिलर पर स्लैब ढालने के लिए फार्मा लगाने सहित अन्य आवश्यक कार्य किए जा रहे हैं। सुरक्षा की दृष्टि से लेन को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। संस्था ने बताया कि कार्य को शीघ्र पूरा कर मार्ग को दोबारा यातायात के लिए खोल दिया जाएगा, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

बरकोता ड्रेन में उतराता मिला महिला का शव

संवाददाता, उन्नाव, अमृत विचार। माखी थानाक्षेत्र की बरकोता ड्रेन में महिला का शव पड़ा देख लोगों में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकलवाकर शिनाख्त का प्रयास किया। लेकिन सफलता नहीं मिली। माखी थानाक्षेत्र के कोरारी कलां गांव के बाहर से निकली बरकोता ड्रेन में बुधवार दोपहर एक महिला का शव औंधे मुंह पड़ा देख लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। जानकारी पर पहुंचे एसओ ने ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकलवाया। जांच में पुलिस को उसके शरीर में कोई जाहिरा चोट नहीं मिली। वहां मौजूद लोग उसे नहीं पहचान सके। जामातलाशी में भी उसके पास ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। पुलिस के मुताबिक महिला की उम्र करीब 22 है। शव के 8 से 10 दिन पुराना होने का अनुमान लगाया गया है। वह हरे रंग की हाफ टी-शर्ट, चौकोर खाने की हाफ नीली जैकेट व नीली लैगिंस पहने है। दोनों पैरों में पंजे के पास काला धागा बंधा है। एसओ प्रदीप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया शव पीछे से बहकर आया लग रहा है। पहचान के लिये शोसल मीडिया का भी सहारा लिया है। साथ ही आसपास के थानों में भी इसकी सूचना दी गई है।

पुलिस ने पशुओं से लदी डीसीएम पकड़ी, 2 गिरफ्तार

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली पुलिस ने एक डीसीएम पर क्रूरता पूर्वक लादे गये पशुओं सहित दो लोगों को पकड़ा है जिनके खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई है। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के नवनिर्मित बस स्टैंड के पास एक डीसीएम पर पशु लादे जाने की खबर मुखबिर से पुलिस को मिली। मुखबिर की सूचना पर जामा मस्जिद चौकी इंचार्ज अनिल कुमार सिंह, सरदारगंज चौकी इंचार्ज अतुल कुमार गुप्ता मौके पर पहुंचे और डीसीएम को पकड़ लिया। डीसीएम में कुल 21 पशु क्रूरता पूर्वक लादे गए थे। मौके से उवैस पुत्र खालिद निवासी मोहल्ला महमंद तथा इरफान पुत्र रफीउल्लाह सोरान पट्टी पश्चिमी थाना कांट जनपद शाहजहांपुर को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए लोगों ने बताया कि विभिन्न नखासों से पशुओं को कम दामों पर खरीद कर बरेली के बाजारों में ऊंचे दामों पर बेचकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की है।

राजपूतान व रूपपुर चंदेला पीएचसी में सांपों का डेरा, कर्मी व मरीज भयभीत

सफीपुर उन्नाव

पीएचसी में मौजूद सर्प। अमृत विचार

अमृत विचार। विकासखंड क्षेत्र के सकहन राजपूतान व रूपपुर चंदेला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सर्पों के निकलने से दहशत का माहौल है। अस्पताल परिसरों में फैली गंदगी व उगी झाड़ियों के कारण यह स्थिति बनी हुई है। इस संबंध में स्वास्थ्य कर्मियों ने सीएचसी अधीक्षक से शिकायत कर तत्काल सफाई कराने की मांग की है।

बता दें कि रूपपुर चंदेला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी चिकित्सक डॉ. नंदनी ने सीएचसी अधीक्षक डॉ. रामसहोदर को पत्र भेजकर बताया कि मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला के दौरान सफाई के समय वार्ड में दो काले सर्प मिलने से सुरक्षा कारणों के चलते संबंधित वार्ड को बंद कराना पड़ा था। वर्तमान में वहां किसी भी कर्मचारी या मरीज का प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित है। बताया कि अस्पताल परिसर में बड़ी-बड़ी घास उग आई है जिसे कटवाकर तत्काल सफाई कराना आवश्यक है। अन्यथा किसी भी समय कोई बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं सकहन राजपूतान अस्पताल के फार्मासिस्ट राज कुमार ने बताया कि अस्पताल का परिसर काफी विस्तृत है। जहां जगह-जगह घास झाड़ियों का रूप ले चुकी है। आएदिन सर्प दिखाई देते हैं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. रामसहोदर ने बताया कि दोनों अस्पतालों के परिसरों व अंदरूनी हिस्सों में शीघ्र ही सफाई कराई जाएगी।

किशोरी लापता आरोपी पर रिपोर्ट

शाहाबाद, हरदोई। कोतवाली क्षेत्र के एक गाँव से किशोरी को बहला फुसला कर भगा ले जाने के मामले में पुलिस ने किशोरी की माँ की लिखित तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता के अनुसार 19 जनवरी की रात उसकी 15 वर्षीय पुत्री को गाँव निवासी गिरिन्द पाल के साले महेश निवासी ग्राम बेहटा थाना पिहानी का पुत्र लालू बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। पुत्री को काफ़ी तलाश किया लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश की जा रही है।

पति की मौत के बाद महिला को पीटकर घर से निकाला

संवाददाता, टड़ियावां, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव ककरहा की विधवा चांदनी ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर चार ससुरालियों के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई है।

आरोप है कि 30 नवंबर वर्ष 2021 को हिंदू रीति रिवाज के अनुसार इसी थाने के गांव भौता कमालपुर के चंद्रप्रकाश के साथ हुई थी। आरोप है कि उसके पति चंद्रप्रकाश की वर्ष 2023 में दुर्भाग्यवश निधन हो गया। जिसके बाद उसकी ननद पूजा, ससुर सेवक राम, जेठ भानु प्रकाश उर्फ साहब लाल और सास तारा देवी उसको प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। आरोप है कि उसे खाना, कपड़ा, दवा आदि की तकलीफें देकर उसकी पिटाई करते हुए घर से बेघर कर दिया। आरोप है कि दोबारा उसके ससुराल जाने पर जान से मार डालने की धमकी दी। आरोपित सुलह समझौता के लिए राजी नहीं हुए। थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया हमलावरों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मामले की जांच करती पुलिस। अमृत विचार

मां दुर्गा की मूर्ति से मांगटीका और बिंदी चोरी

हरदोई, अमृत विचार। पिहानी के कटरा बाजार निजामपुर स्थित प्राचीन मनसा नाथ मंदिर मे बुधवार दिन दहाड़े तोड़ कर चोर मां दुर्गा के आभूषणों में मांगटीक, बिंदी चोरी कर ले गए। रविवार को सूचना मिलने पर पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई। दूसरी तरफ कोतवाल छोटेलाल का कहना है की मां दुर्गा की प्रतिमा के आभूषण पूरे हैं वहीं मोहल्ले में चोरी की घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है। बुधवार की शाम भक्त जब मंदिर में पूजा करने गए तो मंदिर का ताला टूटा था। मंदिर के अंदर सारा सामान बिखरा पड़ा था। पुजारी ने इसकी सूचना पिहानी पुलिस को दी। वहां पहुंची पुलिस घटना की छानीबन कर वापस लौट गई। मां के मंदिर से हुई चोरी को लेकर लोगों में रोष है। कस्बे के लोगों ने इस चोरी की घटना के खुलासे की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से प्रधान पति की गयी जान

संवाददाता बांगरमऊ, उन्नाव

अमृत विचार। कानपुर के नानामऊ गांव के प्रधान पति की देररात अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते परिजनों में चीखपुकार मच गई। बुधवार को बांगरमऊ पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

कानपुर नगर के बिल्हौर अंतर्गत नानामऊ गांव निवासी गुलाब सिंह (35) पुत्र स्व. करन बीती देररात किसी काम से बांगरमऊ जा रहा था। तभी रात करीब 11 बजे बांगरमऊ- बिल्हौर मार्ग स्थित भुड्डा गांव के चौराहा पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंचे पीआरवी कर्मियों ने उसे सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि गुलाब की पत्नी खुशबू नानामऊ गांव की प्रधान हैं। पति की मौत से वह रो-रोकर बेहाल है। उसके दो बेटों में युग (10) व युवराज (8) है।

वहीं प्रधान पति की आकस्मिक मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि प्रधान पति को अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। मार्ग पर स्थित मकानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाले वाहन को चिंहित किया जा रहा है। जल्द ही वाहन व चालक पर कार्रवाई की जाएगी।

तीन दिन से लापता युवक का सुखेता नदी में मिला शव

शाहाबाद, हरदोई। मंझिला थाना क्षेत्र में तीन दिन से लापता युवक विद्याप्रकाश उर्फ गेटी का शव सुखेता नदी में मिला है। वह सिकन्दरपुर मिश्र मजरा मंझिला का निवासी था। परिजनों ने उसकी हत्या का आरोप लगाया है। परिजनों के अनुसार विद्याप्रकाश तीन दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था, जिसकी गुमशुदगी मंझिला थाने में दर्ज कराई गई थी। मंगलवार को उसका शव सुखेता नदी में तैरता हुआ पाया गया। विद्याप्रकाश अविवाहित था और खेती-बाड़ी का काम करता था। परिजनों ने इसे सामान्य मौत मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। आरोप है कि कुछ दिन पहले विद्याप्रकाश का पड़ोस के गांव के कुछ लोगों से विवाद हुआ था, जिसमें उसे जान से मारने की धमकी मिली थी। परिजनों का मानना है कि पुरानी रंजिश के चलते उसकी हत्या कर शव को नदी में फेंका गया है। पोस्टमार्टम के बाद जब शव गांव पहुंचा, तो आक्रोशित परिजनों ने उसे मंझिला थाने के गेट पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे अधिसूचना सं. 06 / 2026

रेल यात्री बन्धुओं के लिए आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि यात्रियों को सुविधा प्रदान करने हेतु गाड़ी संख्या 15949 / 15950 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर -डिब्रूगढ़ अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित संचलन डिब्रूगढ़ से दिनांक 30.01.2026 एवं गोमतीनगर से दिनांक 01.02.2026 से निम्नानुसार किया जायेगा :-

गाड़ी संख्या 15949 / 15950 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक)

गाड़ी सं. 15949 - डिब्रूगढ़ से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 30.01.2026 से, **गाड़ी सं. 15950 -** गोमतीनगर से प्रत्येक रविवार को दिनांक 01.02.2026 से

15949 डिब्रूगढ़-गोमतीनगर अमृत भारत एक्सप्रेस			15950 गोमतीनगर-डिब्रूगढ़ अमृत भारत एक्सप्रेस	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	21.00	डिब्रूगढ़	12:40	---
21:35	21:37	मोरणहाट	11:00	11:02
22:23	22:25	शिमलुगुड़ी	10:10	10:12
23:15	23:25	मरियानी	08:40	08:50
00:40	00:42	फरकटिंग	08:00	08:02
02:35	02:40	दीमापुर	06:20	06:25
03:13	03:15	दिफू	05:30	05:32
04:00	04:10	लामडिंग	04:35	04:45
05:00	05:02	होजाई	03:25	03:27
05:35	05:37	चापरमुख	02:45	02:47
06:03	06:05	जागीरोड	02:13	02:15
07:35	07:45	गुवाहाटी	01:05	01:15
08:00	08:02	कामाख्या	00:45	00:47
08:50	08:52	रंगिया	23:50	23:52
09:08	09:10	नलबाड़ी	23:20	23:22
09:44	09:46	बारपेटा रोड	22:45	22:47
10:30	10:40	न्यू बंगाईगांव	22:00	22:10
11:20	11:22	कोकराझार	21:20	21:22
12:25	12:27	न्यू अलीपुरद्वार	20:03	20:05
12:45	12:47	न्यू कूच बिहार	19:40	19:45
15:00	15:10	न्यू जलपाईगुड़ी	17:30	17:40
15:52	15:54	अलुआबारी रोड	16:18	16:20
16:20	16:22	किशनगंज	15:50	15:52
17:20	17:22	बारसोई	15:08	15:10
19:20	19.30	कटिहार	14:15	14.25
20.13	20.15	नौगछिया	12.00	12.02
21.17	21.19	खगड़िया	10.23	10.25
21.49	21.51	बेगूसराय	09.31	09.33
22.25	22.35	बरौनी	09.05	09.15
00.18	00.23	हाजीपुर	06:55	07:00
00.31	00.33	सोनपुर	06:41	06:43
02:40	02:50	छपरा	05:15	05:20
03:45	03:50	सीवान	04:05	04:10
04:50	04:52	देवरिया सदर	02:58	03:00
06.50	07.00	गोरखपुर	01.50	02.00
07.39	07.41	खलीलाबाद	00.16	00.18
08.13	08.16	बस्ती	23.47	23.50
09.00	09.02	मनकापुर	22.56	22.58
10:05	10:10	अयोध्या धाम	22:00	22:05
10:30	10:40	अयोध्या कैंट	21:30	21:40
12:36	12:38	बाराबंकी	19:12	19:14
13:30	---	गोमतीनगर	---	18:40

रेक संरचना - शयनयान-7, सामान्य द्वितीय श्रेणी-10, एलएसएलआरडीपीपी-2, पैंट्री कार -1 = **कुल 22 कोच**

मुजाधि/टी- 97 मुख्य यात्री परिवहन प्रबन्धक, गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD AZEEM से बदलकर MOHAMMAD AZIM रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-SULEMAN ADD-GADIYA FARM, DIST-BARABANKI - 225003**

सूचना

मैंने अपने (माइनर) पुत्र का नाम DAKSH KAUSHAL से बदलकर DAKSH JEET KAUSHAL रख लिया है। भविष्य मे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O-Adarsh Kumar Kaushal ADD - A-945/3 INDIRA NAGAR DIST-LUCKNOW - 226016 (U.P)**

सूचना

मैंने अपना नाम KM. NASIMA BANO से बदलकर NASEEMA KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O-KAMRUL HASAN KHAN ADD-529/689KA, KHURRAM NAGAR VIKAS NAGAR DIST-LUCKNOW - 226022 (U.P)**

सूचना

मैंने अपनी पुत्री का नाम सफूरा (SAFOORAH) से बदलकर सफूरा तालिब (SAFOORAH TALIB) रख लिया है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **निदा गौरी पत्नी मोहम्मद तालिब निवासी –1/958, विशाल खन्ड, गोमती नगर लखनऊ**

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD NASIR KHAN से बदल कर MOHAMMAD NASEER KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: WAZIR KHAN R/O:268/48/1 TAKIYA CHAND ALI SHAH AISHBAGH LUCKNOW UTTAR PRADESH - 226004**

सूचना

मैंने अपना नाम ASHOK KUMAR से बदल कर ASHOK KUMAR SINGH रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O: JAGAT PAL SINGH R/O: 153,SARSAWAN ARJUNGANJ, LUCKNOW, UTTAR PRADESH - 226002**

सूचना

सूचित हो कि मेरे कुछ दस्तावेजों में मेरा नाम आयशा मंसूरी अंकित है और अन्य संबंधित दस्तावेजों में मेरा नाम प्रियंका कुशवाहा अंकित है। आयशा मंसूरी एवं प्रियंका कुशवाहा दोनों मेरे ही नाम हैं। अतः भविष्य में मुझे प्रियंका कुशवाहा के नाम से जाना व पहचाना जाये। **प्रियंका कुशवाहा पत्नी मो0 शाहिद मंसूरी निवासिनी– 46ए, गली नं0 –3, रजा नगर, राजाजीपुरम्, लखनऊ।**

सूचना

मैंने अपना नाम RAFIQ AHMAD से बदलकर RAFEEQ KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **RAFEEQ KHAN ADD-130/540 BAKERGANJ,TP NAGAR BABU PURWA, DIST-KANPUR NAGAR - 208023 (U.P)**

सूचना

मैंने अपना नाम MANSA RAM से बदलकर MANSA RAM GUPTA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/O - SIYA LAL GUPTA ADD-367/12 NEW No-367/18 FATUHABAD JAIN TEMPLE, SAADATGANJ DIST-LUCKNOW - 226003 (U.P)**

सूचना

पहले मेरा नाम ZULEKHA था अब मैने बदलकर अपना नाम JULEKHA रख लिया है भविष्य में मुझे JULEKHA के नाम से जाना व पहचाना जाए। **W/O-MOHAMMAD ASHFAQ R/O, MOHALLA UPARI MANDAI SANDILA, HARDOI**

सूचना

मैंने अपना नाम MAQBULAN से बदलकर AISA KHATOON रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **W/O - MOHD RAZA KAREEM ADD - 544B/099 KANHAI KHERA CAMPEL ROAD DIST - LUCKNOW (U.P)**

सूचना

पहले मेरा नाम ASHWAQ AHMAD ANSARI था अब मैने बदलकर अपना नाम MOHAMMAD ASHFAQ रख लिया है भविष्य में मुझे MOHAMMAD ASHFAQ के नाम से जाना व पहचाना जाए। **S/O, BABU R/O, 150, MOHALLA UPARI MANDAI SANDILA, HARDOI**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपना नाम वसीम अहमद से बदलकर वर्तमान में मोहम्मद वसीम रख लिया है। मेरे आधार कार्ड में भी मेरा नाम मोहम्मद वसीम अंकित है जो कि सत्य व सही है। भविष्य में मुझे मोहम्मद वसीम के नाम से जाना व पहचाना जाये। **मोहम्मद वसीम पुत्र मोहम्मद नसीम निवासी 336/133(336/75) मंसूर नगर लखनऊ 226003**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र रंजीत कुमार का चाल चलन ठीक नहीं है। वह गैर काम करता है। आसपास के लोगों से भी विवाद करता है। बेटे ने दूसरे समुदाय की युवती से विवाह कर लिया है। वह अलग पत्नी के साथ रहता है। ऐसे में मैं चल अचल संपत्ति से उसे बेदखल करता हूं। उसके द्वारा किए गए किसी भी कार्य का वह स्वयं जिम्मेदार होगा। परिवार से कोई लेना देना नहीं है। **दीना नाथ पुत्र राम तीरथ निवासी हटवा गोपाल तहसील पयागपुर बहराइच, उ0प्र0।**

सूचना

सूचित हो कि मैंने स्वेच्छा से एवं निजी कारणों से अपना नाम हुमा परवीन से बदलकर हुमा इमरान कर लिया है। हुमा परवीन व हुमा इमरान दोनों मेरे ही नाम हैं। अतः भविष्य में मुझे समस्त सरकारी, अर्द्ध सरकारी, गैर सरकारी, शैक्षिक, बैंकिंग व अन्य सभी अभिलेखों में हुमा इमरान के नाम से जाना व पहचाना जाये। **हुमा इमरान पत्नी मो0 इमरान, निवासिनी– 488/62, सीतापुर ब्रांच रोड, डालीगंज, निरालानगर, लखनऊ।**

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

हरदोई

न्यूज ब्रीफ

मां और बेटे के खिलाफ दर्ज हुई रिपोर्ट

टड़ियावां, हरदोई। क्षेत्र के गोपामऊ के मोहल्ला लालपीर के अनीश ने बताया कि 16 जनवरी को विपक्षी दानिश और उसकी मां सलमा ने गाली गलौज कर उसकी लात घूंसो से पिटाई करते हुए धमकी दी। आरोप है कि पीड़ित अनीश की पत्नी सीमा बीच बचाव के लिए पहुंची तो उसको पिटाई कर दी। पुलिस ने दोनों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

युवती को बहलाकर ले जाने का मामला दर्ज

टड़ियावां, हरदोई। थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बताया कि उसकी 20 वर्षीय पुत्री बीती नौ जनवरी की दोपहर घर से कहीं चली गई। जानकारी करने पर पता चला कि उसके गांव के मजरा इमामपुर निवासी नीरू उसे बहलाकर अपने साथ कहीं ले गया है। आरोप है कि युवती अपने साथ 20 हजार की नकदी और एक जोड़ी पायल साथ ले गई। थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

पिटाई करने वाले दो भाइयों पर रिपोर्ट दर्ज

टड़ियावां, हरदोई। गांव भूडवा मजरा गुरुसंडा के उत्तम कुमार सिंह ने बताया कि उसके पुत्र धर्मेंद्र और उपेन्द्र सिंह गुंडा प्रवृति के होने के चलते गांव में समूचे गांव उनकी काफी दहशत व्याप्त है। आरोप है कि उसके बेटों ने पीड़ित उत्तम सिंह को कमरे में बंद कर गालियां देते हुए बेरहमी से पिटाई की। पिटाई होते देख बचाने दौड़ी उसकी बहू को पीट दिया। उसने पुलिस को बताया कि आरोपितों पर उसे जानमाल का खतरा है। थाना प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि आरोपितों पर रिपोर्ट दर्ज की है। फिलहाल मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

ट्रक ने साइकिल सवार छात्रा को कुचला, मौत

बघौली-माधौगंज रोड पर लगा जाम, मनाने पहुंचे सीओ बघौली के छूटे पसीने, मौके पर पहुंचे डीएम व एसपी

रफ्तार की मार

संवाददाता, हरदोई

घटना की जांच करती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। डॉ. आंबेडकर इण्टर कालेज बघौली की छात्रा साइकिल से घर जा रही थी,उसी बीच बघौली-माधौगंज रोड पर भेलावां गांव के पास नशेड़ी ट्रक ड्राइवर ने उसे कुचल दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसा होते ही पीछे दौड़ पड़ी भीड़ ने ट्रक को पकड़ा और वहीं पर जाम लगा दिया इसका पता होने पर वहां पहुंचे सीओ बघौली प्रवीण कुमार भीड़ को मनाने पहुंचे लेकिन भीड़ डीएम-एसपी के आने तक जाम लगाने पर अड़ी रही। खबर लिखे जाने तक जाम लगा हुआ था।

बताया गया है कि बघौली थाने के ऊदनपुरवा मजरा बन्नापुर निवासी सर्वेश की 17 वर्षीय पुत्री शिखा डा.अम्बेडकर इण्टर कालेज में 12 वीं की छात्रा थी। बुधवार को कालेज से छुट्टी के बाद शिखा साइकिल से घर लौट रही थी। उसी बीच रास्तें में भेलावां गांव के पास सामने से आ रहे तेज़ रफ्तार ट्रक ने उसे कुचल दिया जिससे उसकी वहीं पर दर्दनाक मौत हो गई। हादसा होते देख भीड़ ट्रक के पीछे दौड़ पड़ी और बघौली चौराहे पर उसे पकड़ लिया।

शिखा के पिता सर्वेश ने पुलिस को दी तहरीर में ट्रक ड्राइवर राम नारायण पुत्र राम निवास आरोप लगाया कि वह नशे में था और उसी वजह से हादसा हुआ। हादसे की खबर सुन कर वहां काफी भीड़ इकट्ठा हो गई और शव रख कर सड़क पर जाम लगा दिया, इसका पता होने पर वहां पहुंचे सीओ बघौली प्रवीण कुमार ने जाम हटाने के लिए भीड़ को मनाया, सीओ को पसीना आ गया लेकिन गुस्साई भीड़ डीएम-एसपी को बुलाने की मांग पर अड़ी रही।

टेंपो से टकराया वाहन, वृद्ध गंभीर:बिलग्राम: बिलग्राम-कटरा बिल्हौर मार्ग पर रोशनपुर गांव के पास बुधवार को एक गंभीर सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार वाहन ने पहले एक टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही टेंपो सड़क पर ही पलट गया, जबकि टक्कर मारने वाला वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराया। हादसे में टेंपो सवार एक वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को टेंपो बिलग्राम की ओर जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक वाहन ने टेंपो में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद टेंपो सड़क पर पलट गया। हादसे के समय टेंपो में सवार करीब 60 वर्षीय शमसुद्दीन पुत्र लियाकत निवासी ग्राम हीरापुर गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल वृद्ध को टेंपो से बाहर निकाला और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिलग्राम पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए घायल को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

हादसे में बहन की मौत, भाई समेत दो घायल : हरदोई: बिल्हौर-कटरा हाई-वे ककरा तिराहे पर बेकाबू हुई गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण में लगी ट्रैक्टर-ट्राली मिठाई की दुकान में जा घुसी,जिससे वहां खेल रहे भाई-बहन समेत तीन ज़ख्मी हो गए जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर से मेडिकल कालेज रिफर कर दिया गया वहां बहन की मौत हो गई,जबकि उसके भाई और दूसरे युवक खा इलाज चल रहा है। बताया गया है कि हरपालपुर थाने के ककरा निवासी सचिन सक्सेना का 8 वर्षीय पुत्र केशव मंगलवार की शाम को अपनी 3 पुत्री बहन नैना 3 वर्ष मंगलवार की शाम घर के बाहर खेल रहा था,वहीं पर मिठाई की दुकान भी है। उसी बीच बिल्हौर-कटरा हाई+-वे पर गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण में लगी ट्रैक्टर-ट्राली बेकाबू होकर उसी मिठाई की दुकान में जा घुसी,दोनों भाई-बहन के अलावा वहां पास में खड़ा साण्डी थाने के भानपुर निवासी 28 वर्षीय इरशाद अली ज़ख्मी हो गया। हादसे में दुकान और वहां रखा काउंटर टूट गया,तीनों कोसीएचसी हरपालपुर ले जाया गया,जहां से नैना को मेडिकल कालेज के लिए रिफर कर दिया गया,जहां इलाज के दौरान नैना की मौत हो,जबकि उसके भाई केशव व इरशाद अली का इलाज चल रहा है।

ट्रैक्टर की टक्कर से पूर्व प्रधान की मौत

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के बासित नगर मार्ग पर भदासी गांव के निकट एक तेज रफ्तार आलू लदे ट्रैक्टर ट्राली ने मंगलवार की रात बाइक के टक्कर मार दी। बाइक पर सवार एक पूर्व प्रधान की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है। जिसका इलाज चल रहा है। पचदेवरा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरिया निवासी पूर्व प्रधान जगरूप राठौर 65 वर्ष पुत्र पुतूतल अपने परिवार के मेघनाथ पुत्र भोजा के साथ आंझी गांव होकर वापस बाइक से जा रहे थे। वह जैसे ही भदासी गांव के पास पहुंचे सामने से आ रहे आलू से लदे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में दोनों को सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने जगरूप राठौर को मृत घोषित कर दिया। मेघनाथ को प्राथमिक उपचार के बाद प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पाकर परिजन सीएचसी पहुंचे और की पुकार मच गई। पीआई सूचना पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ट्रैक्टर से गिरकर मजदूर की मौत

मोहम्मद नाजिम।

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। युवक अपने साथी के साथ ट्रैक्टर पर बैठ कर मज़दूरी करने जा रहा था। उसी बीच चपरतला रोड पर हरैया पुल के पास वह चलते हुए ट्रैक्टर से नीचे गिर कर बुरी तरह ज़ख्मी हो गया। उसे सीएचसी पिहानी पहुंचाया गया जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बताया गया है कि पिहानी कोतवाली के कुल्लही गांव निवासी 26 वर्षीय मोहम्मद नाजिम पुत्र हयात पेशे से मज़दूर था। बुधवार की सुबह वह और उसका साथी दोनों मज़दूरी करने पिहानी के लिए निकले,उसी बीच ट्रैक्टर मिल गया,जोकि पिहानी आ रहा था,नाज़िम और उसका साथी दोनों उसी ट्रैक्टर पर बैठ लिए। ट्रैक्टर पिहानी-चपरतला रोड पर हरैया पुल के पास पहुंचा,उसी बीच नाज़िम उससे नीचे गिर पड़ा,ड्राइवर ने ट्रैक्टर रोका और नाज़िम का साथी उसे उठा कर सीएचसी पिहानी पहुंचा,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। नाज़िम के परिवार में उसकी पत्नी के अलावा एक बेटा और एक बेटी है। पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया,साथ ही हादसे की जांच शुरु कर दी है।

दूसरे दिन भी जारी रहा इंजीनियरों का धरना

विरोध-प्रदर्शन करते इंजीनियर। अमृत विचार

हरदोई, अमृत विचार। नलकूप विभाग के अभियंताओं ने इलेक्ट्रिक एंड मैकेनिकल्स डिप्लोमा इंजीनियर संघ के तत्वावधान में जिलाध्यक्ष अवनीश सिंह के नेतृत्व में बुधवार को दूसरे दिन भी धरना दिया। खंड कार्यालय पर आयोजित धरने में जिलाध्यक्ष ने कहा विभाग लंबित सेवा नियमावली के निस्तारण में रुचि नहीं ले रही है। सेवानिवृत्त इंजीनियरों के देयकों का भुगतान नहीं हो रहा है। कार्यों का समान वितरण नहीं हो रहा है। जिला सचिव प्रमोद गुप्ता ने कहा पोर्टल पर चरित्र पंजिकाओं को अपलोड नहीं किया जा रहा है। मंडल अध्यक्ष इं. सुधांशु सहित अन्य नेताओं ने धरने को संबोधित किया। इस मौके पर इं. सुमित, शैलेंद्र, अशोक, नम्रता, अवधेश कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे।

पैथोलॉजी में लगी आग से लाखों का नुकसान

आग से जली पैथोलॉजी। अमृत विचार

कछौना, हरदोई। स्टेशन रोड पर सीएचसी के सामने स्थित वी केयर पैथोलॉजी लैब में बुधवार की सुबह अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग ने लैब में रखी कीमती मशीनों और सामानों को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया। लैब संचालक रोहित यादव ने बताया वे लैब खोलकर किसी काम से घर गए थे। तभी उन्हें जानकारी मिली कि आग लग गई है। मौके पर पहुंचे तो सब-कुछ राख हो चुका था। लैब में रखी मशीन की कीमत 12 लाख बताई जा रही है। दस हजार नकदी भी जली है। जानकारी मिलते ही राजस्व कर्मी अनिल शुक्ला भी पहुंचे।

कथा सुनने से मिलती है पापों से मुक्ति

लक्ष्मणाचार्य महाराज।

संडीला, हरदोई। ग्राम रैंसो में अस्थाना परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं श्रीराम कथा के 5वें दिन श्रीमदभागवत कथा व्यास श्री श्री लक्ष्मणाचार्य महाराज (विंध्याचल) ने श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी के विवाह का वर्णन किया। कहा कि जन्म जन्मांतर के पापों का नाश करने वाली भागवत कथा को सुनने का अवसर भी पुण्य प्रताप से मिलता है। कथा सुनने मात्र से ही पापों का नाश हो जाता है। सदस्य विधान परिषद अशोक अग्रवाल ने भी व्यास पीठ से आशीर्वाद लिया। कथा के द्वितीय चरण में श्रीराम कथावाचक श्री श्याम जी शास्त्री (विंध्याचल) ने श्रीराम के जन्म की कथा सुनाई। मुख्य यजमान गिरजाशंकर अस्थाना, पवन अस्थाना व राजीव अस्थाना ने बताया कि16 जनवरी से चल रही यह कथा 22 जनवरी तक चलेगी। 23 जनवरी को विशाल भंडारे के साथ पूर्ण होगी। अपरान्ह 1 बजेसे सायं 4 बजे तक कथा एवं सायं सात बजे से 10 बजे तक श्रीराम कथा प्रतिदिन हो रही है।

कलशयात्रा संग शुरू हुआ श्री शतचंडी महायज्ञ

संवाददाता, हरदोई

कलशयात्रा निकालतीं महिलाएं। अमृत विचार

अमृत विचार। हरियावां ब्लाक के पौराणिक बाराही देवी मंदिर पर बुधवार को 24 वीं श्री शतचंडी यज्ञ का शुभारंभ कलश यात्रा से हुआ। सुबह 10 बजे वाराही देवी मंदिर से भव्य कलश यात्रा का जल वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा शुभारंभ हुआ। विधिवत पूजन अर्चन हरियावां के सुप्रसिद्ध धार्मिक मंदिरों दूबर बाबा महाराज ठाकुर द्वारा,बाबा महाराज राधा कृष्ण मंदिर, सिद्धेश्वर नाथ बाबा, सदर बाजार में चौगुर्जी बाबा महाराज मंदिर होते हुए कस्बे के अन्य मंदिरों सिद्धनाथ बाबा मंदिर, सती मंदिर के निकट भैंसटा नदी से पूजन-अर्चन कर कलश में जल लेकर बाराही देवी मंदिर वापसी यज्ञशाला में कलशो को रखा गया। भव्य कलश यात्रा में गांव व आस पड़ोस की लगभग सैकड़ों महिलाएं व बालिकाएं व बालक वृद्ध जन धर्म अनुरागी भव्य कलश यात्रा में गांव के धार्मिक स्थलों की परिक्रमा व पूजन अर्चन करते हुए ढोल नगाड़ों पर बच्चे नृत्य करते हुए रंग और गुलाल उड़ाते हुए खुशी का इज़हार करते हुए नजर आए। कलश यात्रा के यज्ञ यजमान सुनील शुक्ला धर्मपत्नी सीमा शुक्ला हरियावां के धार्मिक स्थलों का पूजन अर्चन उनके द्वारा किया गया। श्रीमद भागवत परीक्षित सत्य प्रकाश शुक्ला व उनकी धर्मपत्नी रामदेवी शुक्ला के द्वारा भागवत कथा व्यास पंडित सूर्य प्रकाश पाठक के द्वारा श्रीमद भागवत पूजन संपन कराया गया। पण्डित शिवनंदन त्रिपाठी, महाभारत महारथी, पण्डित आशीष बाजपेई, मानस माधुर, प्रतिमा शुक्ला, मानस पियूषिका इन भक्तों के द्वारा श्रीमद्भागवत कथा व रामचरित मानस आदि के धार्मिक कथाओं का रसपान होगा। 29 जनवरी को पूर्ण आहुति होगी। कथा दिन में दोपहर 1 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी और रात में छह बजे से शुरू होगी। 30 जनवरी को कन्या भोज व विशाल भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। इस बीच रजनीश मिश्रा, संजय मिश्रा, पूर्व प्रधान पुनीत मिश्रा, कृष्ण कुमार मिश्र, डा. देवेंद्र शुक्ला, श्यामू मिश्रा अजय शुक्ला, राम लड़ैते शुक्ला, रानू मिश्र, देवेश, मधुर, पप्पू मिश्रा आदि मौजूद रहे।

ई-रिक्शा चालक ने की आत्महत्या, जांच शुरू

हरदोई, अमृत विचार। कमाई करने निकला ई-रिक्शा चालक शाम को घर पहुंचा,काफी देर बाद बाहर न आने पर पत्नी कमरें में पहुंची और पति के मुंह से झाग निकलती देख चीख पड़ी,उसे वहां से उठा कर मेडिकल कालेज पहुंचाया गया,लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। ई-रिक्शा चालक ने कोई ज़हरीली खा कर आत्महत्या की। पुलिस वजह का पता लगा रही है। बताया गया है कि सुरसा थाने के कहडरा मजरा तुंदवल निवासी 38 वर्षीय चंदन मिश्रा पुत्र बृजनंदन मिश्रा सेमरा चौराहा से खजुरमई तिराहा तक ई-रिक्शा चला कर उसी की कमाई से पत्नी शालिनी मिश्रा के अलावा एक बेटे और दो बेटियों के साथ गुज़र करता था। चंदन के चचेरे भाई राहुल मिश्रा ने बताया कि वह मंगलवार को ई-रिक्शा ले कर घर से निकला और शाम को वापस लौटा,उसके बाद सीधे कमरें में चला गया,इधर पत्नी शालिनी मिश्रा ने कई बार उसे आवाज़ दी,जब वह बाहर नहीं निकला तो वह कमरें में पहुंची,जहां चंदन के मुंह से झाग निकल रहा था और उल्टियां होते देख वह चीख पड़ी।

डीएम ने जनसुनवाई में सुनीं 94 शिकायतें

हरदोई, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई में बुधवार को कुल 94 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध और गुणावत्तापूर्ण पूर्ण हो। जनसुनवाई मे आज एक व्यक्ति का दिव्यांग पेशन योजना तथा एक राशन कार्ड के लिये सम्बन्धित को निर्देशित किया। उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये व पात्रो को योजनाओं का लाभ दिया जाये। इस अवसर पर नगर मजिस्टेट सुनील कुमार त्रिवेदी व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे।

ब्लैक आउट पर लाइटें बंद करने की अपील

हरदोई, अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि उक्त परिप्रेक्ष्य में 23 जनवरी को सांय छह बजे से मीरा टॉकीज कैनाल रोड हरदोई एवं उसके आस-पास के क्षेत्र में ब्लैकआउट एक्सरसाईज आयोजित की जायेगी, जिसमें बचाव सम्बन्धी आपातकालीन विधियों का अभ्यास/प्रदर्शन किया जायेगा। आस-पास के समस्त प्रतिष्ठान/ चेम्बर/कार्यालय एवं क्षेत्र की जनता से अपील है कि 23 जनवरी को सांय छह बजे से 06.12 तक अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों की लाईटों एवं इन्वर्टर को पूर्ण रूप से बन्द कर दें, जिससे बाहर प्रकाश दिखाई न दे तथा इस दौरान कृपया अपने घरों पर रहें, सभी लाईटों को बन्द कर दें, बाहर कोई माचिस, लाईट व टॉर्च एवं मोबाईल का प्रयोग न करें, यदि कहीं पर कोई लाईट निकल रही हो तो वहाँ पर काला कागज चिपकायें, घर से कोई भी लाईट बाहर न निकलने पाये, ध्यान से चले, भागें नहीं, धुम्रपान ना करें, कोई माचिस, मोबाईल व फ्लैश लाईट का इस्तेमाल ना करें। आयोजित होने वाले ब्लैकआउट को सिविलडिफेन्स, हरदोई के वार्डनों की सहायता से लागू किया जा रहा है।

महिला ने लगाया झाड़-फूंक कर ठगने का आरोप

सांडी, हरदोई। थाना क्षेत्र के एक गांव में झाड़ फूक कर बीमार महिला को ठीक करने का झांसा देकर घर में रखी नगदी जेवर ठगकर ठग फरार हो गया। पीड़िता ने मामले की शिकायत थाने पर की थाना क्षेत्र के लक्षन पुरवा गांव निवासी सिद्धाग्री पत्नी स्वर्गीय मिट्ठू की काफी समय से उनकी बहू की तबीयत खराब रहती थी, जिसका इलाज भी चल रहा था। पीड़िता अपनी बहू का आधार कार्ड बनवाने के लिए सवायजपुर कोतवाली के पदमलापुर गांव अपने रिश्तेदार राकेश पुत्र मसाल के घर गई थी, जहां पर राकेश के बड़े भाई हरीनाथ ने झाड़ फूंक कर महिला को ठीक करने की बात कही। इसके बाद झाड़ फूंक करने वाले को लक्षन पुरवा गांव में भेजो जहां पर ठग ने घर में एक गड्ढा खुदवाया, जिसमें नगदी जेवर रखवा दिए। इसके बाद सभी को कमरे से बाहर निकाल दिया और घर से 17 हजार की नगदी सोने के जेवर लेकर फरार हो गया है।

मारपीट की घटनाओं में आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद, हरदोई। थाना क्षेत्र में अलग अलग हुई मारपीट की घटनाओं में पीड़ितों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पिहानी थाना क्षेत्र के मोहल्ला मिश्राना निवासी आदेश कुमार के अनुसार 20 जनवरी को बच्चों के विवाद की रंजिश में गांव निवासी राहुल ने रामसिंह उसके पुत्र रमेश और अपनी पत्नी के साथ दरवाजे पर आकर गाली गलौज किया। उसकी बहन अंजलि, माधुरी और माँ कांति ने गाली देने से मना किया। मना करने पर आरोपियों ने उसकी बहनों और माँ को मारपीट कर घायल कर दिया। शोर सुनकर वह और उसका भाई योगेश बचाने गया तो आरोपियों ने मिलकर लाठी डंडों से मारपीट कर उन्हें भी घायल कर दिया। जान से मार डालने की धमकी देकर चले गए। कोतवाली शहर थाना क्षेत्र के मोहल्ला मन्ना पुरवा निवासी माधुरी पत्नी तुलसीराम के अनुसार उसके पिहानी थाना के निज़ामपुर में सुमन पत्नी रामनारायण के साथ साझे में कासिम पुत्र हाजी अली की जमीन खरीदी थी। 10 जनवरी को वह जमीन की सफाई करवा रही थी, तभी निजामपुर निवासी वकील अहमद पुत्र अब्बास अपने भाइयों मोहम्मद अहमद, मुईन अहमद और मुग्ले आजम के साथ मौके पर आकर उसे जाति सूचक गाली गलौज करने लगे। मना करने पर लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया।

मतदान केंद्रों पर होगी हेल्प डेस्क की व्यवस्था

हरदोई, अमृत विचार। उप जिला निर्वाचन अधिकारी प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि एक जनवरी के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी को किया गया है। आलेख्य प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार जनपद में मतदाताओं की कुल संख्या 2474733 है जिसमें 1357510 पुरुष मतदाता, 1117178 महिला मतदाता एवं 45 अन्य मतदाता है।

पुलिस हिरासत में आरोपी। अमृत विचार

अशोक हत्याकांड: दो नामजद आरोपी गिरफ्तार

हरपालपुर, हरदोई। बीते चार दिन पूर्व बीते रविवार को कोतवाली क्षेत्र के अर्जुनपुर गांव निवासी अशोक सिंह की हत्या के मामले में पुलिस ने दो नामजद अभियुक्तो को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।इस मामले में मृतक की बहू की तहरीर पर पुलिस ने 5 लोगो के खिलाफ़ अभियोग दर्ज किया था। बताते चलें कि बीते 4 दिन पूर्व बीते रविवार को अर्जुनपुर ग्राम पंचायत में फर्जी वोटों की जांच के दौरान चचेरे भाईयो में विवाद के बाद हुई मारपीट में अशोक सिंह की मौत हो गयी थी।हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अशोक के शरीर मे तीन चोटे मिली तथा सदमे (हृदयाघात) से उनकी मौत होने की पुष्टि हुई।उधर मृतक की पुत्रबधू खुशबू पत्नी गोविंद सिंह की तहरीर पर पुलिस ने प्रधान पति सामेन्द्र सिंह,रावेंद्र सिंह,अभय सिंह,शिवम सिंह,भानुप्रताप सहित 5 लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपियो की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने रावेंद्र सिंह पुत्र कैलाश सिंह व भानुप्रताप सिंह पुत्र अवधेश सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शेष अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी हैं।

फेसबुक पर की अभद्र टिप्पणी

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। हरदोई पुलिस को टैग कर ट्विट करने एवं अभद्र टिप्पणी करने वाले पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। बेहटा गोकुल के उपनिरीक्षक मुरली यादव के अनुसार ट्वीटर एकाउंट शिवेंद्र गौतम हरदोई द्वारा 20 जनवरी को हरदोई पुलिस को टैग कर बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम साबिरपुर निवासी कुलदीप सिंह पुत्र रामसागर सिंह द्वारा भीमराव अम्बेडकर बाबा साहब के विरुद्ध अभद्र टिप्पणी कर फेसबुक पर वायरल करने का जिक्र किया था। उनके द्वारा जाँच के उपरान्त आरोपी युवक के विरुद्ध बेहटा गोकुल थाने में प्रथम सुचना रिपोर्ट अंकित करवा कर जांच शुरू कर दी गयी है।

थाने से घर लौटे दहेज उत्पीड़न के आरोपी ने की आत्महत्या

हरदोई, अमृत विचार। दहेज़ उत्पीड़न का आरोपी पति नोएडा से घर पहुंचा और पत्नी को विदा कराने के लिए अपने पिता के पास रखे ज़ेवर मांगने लगा,उसी बात पर झगड़ा हुआ और पिता अपने पुत्र को थाने ले गया,जहां से वापस लौट कर उसने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। उधर पत्नी अपने सास-ससुर और ननद पर आरोप लगा रही है। बताया गया है कि पाली थाने के अहमदपुर निवासी 27 वर्षीय अमित कुमार पुत्र राम पुत्तू नोएडा में सिलाई करता था,मंगलवार को वह घर पहुंचा और मायके में बैठी अपनी पत्नी कविता को विदा कराने की बात कह कर पिता के पास रखे उसके ज़ेवर मांगे,जबकि पिता राम पुत्तू का कहना था कि बहू के घर आने पर वह उसका सारा ज़ेवर दे देगा,उसी बात पर दोनों में झगड़ा हो गया,पिता राम पुत्तू अमित को थाने ले गया,जहां से शाम को घर लौटे अमित ने कमरें के अंदर फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।बताते है कि अमित की शादी हरपालपुर थाने के खम्हौरा की सविता के साथ हुई थी। दोनों नोएडा में रहते थे,उसी बीच कविता ने सीओ हरपालपुर के आदेश पर 13 अक्टूबर को पति अमित कुमार के अलावा ससुर राम पुत्तू,सास सत्यवती और ननद शिल्पी व लक्ष्मी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

हत्यारोपी को उम्रकैद

हरदोई, अमृत विचार। करीब 25 वर्ष पूर्व एक बालक की हुई हत्या के मामले में आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश योगेंद्र चौहान ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है । जज ने आरोपियों 35000 के जुर्माना भी लगायाहै। शासकीय जनता संजीव कुमार सिंह ने बताया कि नगला भगवान निवासी विमलेश सिंह ने 28 जुलाई 2001 को एक बालक चंद्रप्रकाश पर तमंचा से फायर करके उसकी हत्या कर दी। इस मामले की रिपोर्ट मृतक के पिता रामरूप त्रिपाठी ने दर्ज कराई। कहा कि घटना के पूर्व उसकी पत्नी राधा अपने बेटे को बस पर बिठाने गई थी। बस पर चढ़ते समय आरोपी ने घटना को अंजाम दिया। घटना के कारणों में एक दिन पहले स्कूल में हुआ विवाद कहा गया।

किसान केले व ड्रैगन फ्रूट की खेती कर कमाएं लाभ

संवाददाता, हरदोई

किसानों के साथ बैठक करते डीएम अनुनय झा। अमृत विचार

अमृत विचार। विकास भवन के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किसान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अनुनय झा ने कहा कि जनपद के सभी किसान फार्मर रजिस्ट्री कराये, जिससे कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ मिल सकें।

उन्होंने किसानों की आय बढाने के लिये किसानों प्रेरित करते हुए कहा कि सभी किसान गौ आधारित प्राकृतिक खेती करे, तथा केले व डैगन फ्रूट की खेती कर इससे अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते है। उन्होंने खाद, बिजली तथा पानी जैसी जरूरी समस्या का समाधान संबंधित विभाग के अधिकारी अपने विभागीय संशाधनों के अनुसार निष्पक्ष एवं गुणवत्ता परक तत्काल करायें। जिलाधिकारी ने किसानों के अंश निर्धारण की समस्या के निस्तारण के लिये सम्बन्धित को निर्देशित किया।

बिजली की समस्या पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन क्षेत्रों के ट्रास्फारमर एवं विद्युत लाइन खराब है उन्हें ठीक कराकर किसानों को रोस्टर के अनुसार विद्युत आपूर्ति करायें। नहरों में पानी की शिकायत पर उन्होने नहर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि नहर चलने पर किसानों की फसलों के लिए टेल तक पहुंचाने का प्रबन्ध करायें। किसान दिवस के उपरान्त जिलाधिकारी ने विकास भवन परिसर व ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा संचालित कैंटीन का निरीक्षण किया व कैंटीन मे खान-पान के बारे मे जानकारी ली। इस अवसर पर सान्या छाबड़ा, उप निदेशक कृषि, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी आदि मौजूद रहे।

शेषनाग की प्रतिमा हुई चोरी

टड़ियावां, हरदोई, अमृत विचार। अहिरोरी के प्रसिद्ध महर्षि मंगल गिरी आश्रम के मंदिर में स्थापित शिवलिंग के ऊपर से शेषनाग की प्रतिमा को अज्ञात लोग चोरी कर ले गए। आश्रम संचालक रुद्रेश शुक्ल और समिति के पदाधिकारी श्याम चंदेल ने बताया कि मंगलवार की रात्रि पूजन अर्चन और आरती की गई। बुधवार की सुबह शिवलिंग की सफाई के लिए मंदिर में जाया गया तो प्रतिमा मौके से गायब मिली। श्री चंदेल ने अष्टधातु की प्रतिमा होना बताया है। थानाध्यक्ष कुलदीप सिंह ने बताया मामले में अभी तक लिखित प्रार्थना पत्र नहीं दिया गया है।

मुठभेड़ में गौ तस्कर गिरफ्तार

टड़ियावां, हरदोई। अपराध पर रोकथाम और गौ तस्करी पर अंकुश लगाने के मकसद से चल रहे अभियान के बीच पुलिस ने बीती 20 जनवरी की देर मुठभेड़ में एक गौ तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक तमंचा, एक बांका और गोवंश बरामदा किया है। क्षेत्राधिकारी हरियावां अजीत सिंह चौहान ने बताया कि टड़ियावां पुलिस को वाहन चेकिंग दौरान मुखबिर मिली कि कुछ व्यक्ति गोपामऊ मार्ग से शंकरपुर पुलिया की ओर गोकशी के उद्देश्य से पैदल जा रहे है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर पहुंच कर अभियुक्तों को रोकने का इशारा किया तो आरोपित भागने का प्रयास करने लगे। पुलिस ने घेराबंदी की, तो आरोपितों ने पुलिस टीम पर हमला करने के मकसद से फायर कर दी। सीओ श्री सिंह ने बताया कि पुलिस की जवाबी फायरिंग एक अभियुक्त के दाहिने पैर में गोली लगने से घायल हो गया। जिसकी पहचान पशु तस्कर गुड्डू पुत्र ईदद्दू निवासी गोपामऊ के रूप में की गई। उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। पुलिस ने अभियुक्त गुड्डू के आपराधिक रिकार्ड का चिट्ठा खंगाला तो पहले से जिले के विभिन्न थानों में 11 मुकदमें दर्ज हैं।

न्यूज ब्रीफ

श्यामनाथ फाटक 22 से 25 जनवरी तक बंद

सीतापुर। सीतापुर सिटी यार्ड स्थित श्यामनाथ फाटक रेलवे ट्रैक की मरम्मत कार्य के चलते आगामी चार दिनों के लिए बंद रहेगा। वरिष्ठ खंड अभियंता (रेलपथ) द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह फाटक 22 जनवरी की सुबह आठ बजे से 25 जनवरी की शाम छः बजे तक पूरी तरह बंद रहेगा। इस दौरान यहां से किसी भी वाहन का आवागमन नहीं हो सकेगा। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए वैकल्पिक मार्ग भी सुझाए हैं।

पुलिस का अभियान छह वांछित गिरफ्तार

सीतापुर। जनपद में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से छह वांछित और वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने मुकदमा में वांछित अभियुक्त अम्बुज उर्फ अमरसेन व राजा उर्फ तेजा को गिरफ्तार किया। इसके अतिरिक्त वारंटी देशराज को भी दबोचा गया। थाना रामपुर कलां में धारा वांछित चल रहे अभियुक्त पंकज गौतम को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया। उधर, थाना नैमिषारण्य व थानगांव में नैमिषारण्य पुलिस ने वारंटी भोलानाथ और थानगांव पुलिस ने पुराने मामले में वांछित वारंटी सघनलाल को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

बंद घर से चोरी किया बैटरा

सीतापुर। कमलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सरौरा खुर्द में देर रात चोरों ने धावा बोला। बंद घर से ट्रैक्टर का बैटरा चोरी कर लिया गया। बताते हैं कि वारदात के समय परिजन घायलों का इलाज कराने लखनऊ गए थे। कमलापुर थानाक्षेत्र के सरौरा खुर्द निवासी बनवारी लाल के मुताबिक, उनका बड़ा पुत्र अमित कुमार और भतीजा लवलेश कुमार रविवार को एलटी ग्रेड परीक्षा देने शाहजहांपुर गया था। सड़क हादसे में दोनों घायल हो गए। जिसका उपचार कराने परिवार के सभी लोग लखनऊ मेडिकल कॉलेज में थे। देर रात चोरों ने धावा बोलकर परिसर में खड़े ट्रैक्टर के बैटरे को चुरा लिया। घटना को लेकर पीड़ित पक्ष ने शिकायती पत्र दिया है।

खेत में खेल रहे मासूम पर कुत्ते का हमला

तालगांव। तालगांव क्षेत्र के ग्राम गुजिया में एक आवारा कुत्ते ने सात वर्षीय मासूम प्रशांत पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना उस समय हुई, जब प्रशांत अपनी मां के साथ खेत पर गया था और वहीं पास में खेल रहा था। तभी गन्ने के खेत से निकले एक कुत्ते ने अचानक प्रशांत पर झपट्टा मारकर उसका कान बुरी तरह नोच लिया। बच्चे की चीख सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने बमुश्किल उसकी जान बचाई। पिता अनूप कुमार ने बताया कि घायल बच्चे को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों ने उसकी स्थिति स्थिर बताई है।

शिक्षकों को मिला विशेष शिक्षा का प्रशिक्षण

लहरपुर। ब्लॉक संसाधन केंद्र में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत समेकित शिक्षा विषय पर पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को विभिन्न प्रकार की विशिष्ट आवश्यकताओं वाले दिव्यांग बच्चों को सिखाने और विद्यालय में उनके बेहतर समावेशन के लिए तैयार करना है। प्रशिक्षण के दौरान खंड शिक्षा अधिकारी सुरेंद्रनाथ प्रजापति ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे यहां सीखी गई तकनीकों को विद्यालयों में व्यवहार में लाएं, ताकि दिव्यांग छात्र भी मुख्यधारा की शिक्षा का लाभ उठा सकें। शिक्षक राजीव कुमार ने श्रवण बाधित बच्चों के लिए सांकेतिक भाषा के महत्व को समझाया। इस अवसर पर विशेष शिक्षक राजेश श्रीवास्तव, मनीष विश्वकर्मा सहित शिक्षक रईस अहमद, आशीष कुमार, जुबेर वारिस और बन्नो बेगम मौजूद रहीं। तकनीकी सहयोग कंप्यूटर ऑपरेटर सौरभ शुक्ला और पंकज वर्मा द्वारा प्रदान किया गया।

बजरंगबली की तस्वीर जलाई, ग्रामीणों में आक्रोश

सीतापुर। सदरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कटरा शेखपुर में अराजकतत्वों द्वारा धार्मिक सौहार्द बिगाड़ने का मामला सामने आया है। यहां संकट मोचन बजरंग धाम के नवनिर्मित गेट पर लगी भगवान बजरंगबली की तस्वीर को असामाजिक तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। यह गेट हाल ही में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिवकुमार गुप्ता द्वारा बनवाया गया था। घटना को लेकर आक्रोशित श्रद्धालु और ग्रामीणों ने सदरपुर थाने पहुंचकर तहरीर दी।

एएनएम का वेतन रोका, आंगनबाड़ी व आशा को सेवा समाप्ति की नोटिस

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर।

अमृत विचार: जिलाधिकारी राजागणपति आर. ने बिसवां स्थित प्राथमिक विद्यालय मझिगवां नसीरपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान भारी अनियमितताएं मिलने पर उन्होंने कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

विद्यालय में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र बंद मिलने पर डीएम ने नाराजगी जताई। उन्होंने एएनएम प्रतिभा राजवंशी का पंद्रह दिन का वेतन रोकने और आंगनबाड़ी कार्यकत्री अंकिता व आशा कार्यकर्ता की सेवा समाप्ति का नोटिस जारी करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान दो शिक्षामित्र अनुपस्थित मिले, जिनका एक दिन का मानदेय काटने के निर्देश दिए गए। बच्चों की कम उपस्थिति पर डीएम ने बीएसए और बीईओ को फोन पर कड़ी फटकार लगाई। सहायक अध्यापक अमित कुमार वर्मा को शैक्षणिक कार्य सुधारने की चेतावनी दी गई। जिलाधिकारी ने मिड-डे-मील की गुणवत्ता परखी और बच्चों की यूनिफॉर्म-जूते सही स्थिति में न होने पर असंतोष जताया। उन्होंने निर्देश दिया कि जो बच्चे स्कूल नहीं आ रहे, उनके अभिभावकों से संपर्क कर उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया जाए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण करते जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर.।

- बिसवां स्थित प्राथमिक विद्यालय का डीएम ने किया निरीक्षण बीएसए और बीईओ को फटकार

पुलिस लाइन में हेड कांस्टेबल की मौत

सीतापुर। पुलिस लाइन में तैनात मुख्य आरक्षी अनिल कुमार यादव की अचानक मौत से विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। मूल रूप से रायबरेली के डलमऊ निवासी अनिल कुमार बीते एक वर्ष से सीतापुर में तैनात थे। बताते हैं कि अनिल कुमार देर शाम खाना खाने के बाद बाथरूम की ओर जा रहे थे, तभी अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। सहकर्मी उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत का प्रारंभिक कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले ने बताया कि अनिल कुमार एक अनुशासित और मिलनसार पुलिसकर्मी थे। डॉक्टरों के पैनल द्वारा पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है, जिसे लेकर वे पैतृक गांव रवाना हो गए।

विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण।

एडीजी पीएसी ने किया 27वीं वाहिनी का निरीक्षण विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण

संवाददाता, सीतापुर। अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी मुख्यालय आर.के. स्वर्णकार ने 27वीं वाहिनी पीएसी, सीतापुर का वार्षिक भ्रमण एवं निरीक्षण किया। वाहिनी आगमन पर सेनानायक बबिता साहू ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान प्रमुख विकास कार्यों की सौगात मिली जिसमें एडीजी महोदय ने वाहिनी के आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए कई महत्वपूर्ण कार्यों का लोकार्पण भी किया। वाहिनी के नवीनीकृत एवं उच्चीकृत म्यूजियम का उद्घाटन किया और आरटीसी परिसर में नए आरओ प्लांट की शुरुआत, साथ ही परिसर में नवनिर्मित 3830 मीटर लंबी सड़क का लोकार्पण किया। एडीजी ने रिक्रूट आरक्षियों की रात्रि रोल कॉल गणना ली और प्रशिक्षुओं से सीधा संवाद किया। उन्होंने आईगॉट कोर्स और तकनीकी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जवानों को पूरी निष्ठा और मेहनत से प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सेनानायक ग्यारहवीं वाहिनी रवि कुमार, सेनानायक द्वितीय वाहिनी संतोष कुमार मीणा सहित सहायक सेनानायक श्री अवधेश कुमार विश्वकर्मा व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती पड़ी भारी किशोर से डेढ़ लाख की ठगी

संवाददाता, सीतापुर। सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से दोस्ती करना एक किशोर को बेहद महंगा साबित हुआ। पिसावां क्षेत्र के एक गांव में साइबर ठग ने तीन लाख रुपये का लालच देकर एक किशोर से डेढ़ लाख रुपये ठग लिए। ठग ने झांसा देकर बाइस किस्तों में यह रकम अपने खाते में ट्रांसफर करवाई। पीड़ित किशोर के पिता ने हाल ही में गेहूं और भैंस बेचकर मिली रकम बैंक खाते में जमा की थी। करीब पन्द्रह दिन पहले इंस्टाग्राम पर एक युवक से किशोर की दोस्ती हुई, जिसने उसे बड़ी रकम का लालच दिया। जब खाता पूरी तरह खाली हो गया, तब परिजनों को ठगी का पता चला।

वहीं, थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि शिकायत मिलते ही साइबर हेल्प डेस्क के मुनेन्द्र सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ठग के खाते में भेजे गए दस हजार रुपये होल्ड करा दिए हैं। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी साइबर ठगी की स्थिति में चौबीस घंटे के भीतर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचित करें ताकि समय रहते पैसा वापस मिल सके।

रिजवान ने राजू पहलवान को किया चित

संवाददाता, बिसवां।

अमृत विचार : हजरत गुलजार शाह मेला मैदान में आयोजित अखिल भारतीय कुश्ती दंगल के तीसरे दिन देश के नामी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। दंगल के तीसरे दिन की पहली कुश्ती में जम्मू के रिजवान गनी पहलवान और मेरठ के राजू पहलवान के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें रिजवान गनी ने राजू पहलवान को चित कर जीत दर्ज की।

दूसरी कुश्ती नेपाल के मेवा थापा पहलवान और पंजाब के शेरा पहलवान के बीच हुई, जिसमें मेवा थापा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। तीसरी कुश्ती देवा के सुल्तान वारसी पहलवान और उत्तराखंड के रंधावा पहलवान के बीच हुई, जिसमें सुलतान वारसी ने अपने प्रतिद्वंदी को पराजित किया। चौथी कुश्ती अयोध्या के बाबा बजरंगी पहलवान और उत्तराखंड के गुल्ला पहलवान के बीच हुई, जिसमें बाबा बजरंगी ने विजयी हासिल की। पांचवीं कुश्ती मुजफ्फरनगर के राजा कुरैशी पहलवान और बरेली के अर्जुन पहलवान के बीच हुई, जिसमें राजा कुरैशी विजयी रहे। छठी कुश्ती कलियर शरीफ के सलमान कुरैशी पहलवान और राजस्थान के हलचल पहलवान के मध्य हुई, जिसमें सलमान पहलवान ने जीत दर्ज की। दंगल में रेफरी की भूमिका शौकत पहलवान और सुल्तान पहलवान ने निभाई।

दंगल आयोजक शौकत पहलवान ने बताया कि गुरुवार को देश के मशहूर पहलवान नेपाल के हरिहर थापा पहलवान और अयोध्या के बाबा मारकुंडी पहलवान अपनी टीम के साथ दंगल में दांव पेंच अजमायेंगे। इस अवसर पर मेला अध्यक्ष मसर्रत अली, सेक्रेटरी सैयद हुसैन कादरी, कार्यवाहक अध्यक्ष महबूब अली, रेहान कादरी, राजकुमार रस्तोगी, बदर हयात खान, अन्नू, पप्पू सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दंगल में दांव लगते पहलवान। अमृत विचार

दंगल

उपद्रव करने के आरोपी नेता ने किया सरेंडर, भेजा गया जेल

संवाददाता, सीतापुर। महमूदाबाद कोतवाली में युवती की मौत के बाद हुए बवाल और आगजनी के आरोपी एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी अमरीश गुप्ता ने न्यायालय में सरेंडर किया। विधिक कार्यवाही के बाद आरोपी को जेल भेजा गया। सरेंडर करने से पहले अमरीश गुप्ता ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी जारी किया। बता दें कि महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र की सोनपुर निवासी जीनत को महमूदाबाद कोतवाली लाया गया। बाद में उसका शव शौचालय में लटका हुआ मिला। इसी खबर के बाद भीड़ आक्रोशित हो गई और विवाद पुलिस और आमजन के बीच हो गया। पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त होने के साथ पथराव भी हुआ। ऐसे में एसएचओ रघुवीर सिंह कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए। पुलिस ने हिंसक घटना को लेकर अमरीश गुप्ता, सईद कबड़िया, पुष्कर, बाबू कबड़िया, साजिद कबड़िया, मुन्ना दर्जी, सचिन वर्मा, विवेक सहित 67 ज्ञात और बड़ी संख्या में अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज हुआ था।

अमरीश गुप्ता।

नैमिषारण्य में कब्जा हटाती जेसीबी। अमृत विचार

प्लाजा के निर्माण में बाधक बने भवनों पर चला बुलडोजर

नैमिषारण्य। धार्मिक नगरी नैमिषारण्य के कायाकल्प की दिशा में बुधवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। ललिता देवी मंदिर चौराहे पर प्रस्तावित पंचमुखी प्लाजा के निर्माण में बाधा बन रही इमारतों को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। इस कार्रवाई के साथ ही कॉरिडोर के सौंदर्यीकरण और सड़क चौड़ीकरण का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। रजिस्ट्री के बाद हुई कार्रवाई तहसील प्रशासन पिछले एक साल से इन जमीनों के अधिग्रहण के प्रयास में जुटा था। हाल ही में भू-स्वामियों ललित यादव, हनुमान, भैनू, सत्रोहन और पुनीत यादव के साथ सहमति बनने के बाद बैनामा की प्रक्रिया पूरी की गई। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जमीन की निर्धारित धनराशि संबंधित स्वामियों के खातों में भेज दी गई है, जिसके बाद ही ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई।

कालाबाजारी में भाजपा ब्लॉक प्रमुख समेत तीन लोगों पर केस

संवाददाता, सीतापुर।

अमृत विचार : जिले में सरकारी खाद्यान्न की कालाबाजारी के खिलाफ जिलाधिकारी ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। शहर कोतवाली पुलिस ने भाजपा जिला उपाध्यक्ष की पत्नी व बेहटा ब्लॉक प्रमुख परिवहन ठेकेदार कल्पना वर्मा, उनके डीसीएम चालक नौशाद और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

बता दें कि कोतवाली नगर क्षेत्र के पुराना शहर में महिला कोटेदार शहरोज फातिमा ने सरकारी राशन से भरी डीसीएम को रंगे हाथ पकड़ा था। वायरल वीडियो में वाहन चालक नौशाद गाड़ी के केबिन और छत पर चावल की इक्कीस बोरियां छिपाकर ले जा रहा था। कोटेदार द्वारा बनाए गए इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया। जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने मामले को गंभीरता से लिया और जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। खाद विपणन निरीक्षक शांतनु मिश्रा की तहरीर पर यह केस दर्ज हुआ है। कोटेदार का आरोप है कि इस चोरी के पीछे एक बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा है और पूर्व में शिकायत के बावजूद ब्लैकलिस्टेड चालकों से ही सप्लाई कराई जा रही थी। जिलाधिकारी के आदेश पर हुई इस कार्रवाई के बाद पुलिस अब साक्ष्यों के आधार पर अगली विधिक कार्रवाई में जुट गई है। बता दें कि ब्लॉक प्रमुख कल्पना वर्मा के पति नीरज वर्मा झल्लर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हैं।

कल्पना वर्मा
ब्लॉक प्रमुख, बेहटा

- डीएम के निर्देश पर हुई कार्रवाई

लाइसेंस शुल्क को लेकर व्यापारियों से वार्ता करते नगर पालिका के चेयरमैन।

लाइसेंस शुल्क को लेकर चेयरमैन से मिले कारोबारी

संवाददाता, लहरपुर। नगर पालिका में जनसुनवाई के दौरान पालिका कार्यालय पहुंचे सर्राफा व्यापारियों ने नगर पालिका द्वारा दुकानों पर लगाए गए लाइसेंस शुल्क को लेकर नगर पालिका चेयरमैन हाजी जावेद अहमद से मुलाकात की और बढ़े हुए लाइसेंस शुल्क को वापस लिए जाने की मांग की। पालिका अध्यक्ष हाजी जावेद अहमद ने उनकी बात को सुनकर समस्या के जल्द ही निस्तारण का आश्वासन दिया। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी अनूप राय ने बताया कि लाइसेंस शुल्क को बढ़ाया गया है, जिसको लेकर सर्राफा व्यवसाई आए थे, उनकी बात को सुना गया है, विचार विमर्श कर निर्णय लिया जाएगा। इस अवसर पर पालिका के नीरज गौड़, व सर्राफा व्यापारी सोनू रस्तोगी, राकेश रस्तोगी, दीपक रस्तोगी, सरल रस्तोगी, सूरज दीन रस्तोगी, दिनेश रस्तोगी बबुआ रस्तोगी, लकी रस्तोगी सहित भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

स्वास्थ्य शिविर में ढाई सौ छात्र-छात्राओं का हुआ परीक्षण

संवाददाता, लहरपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा चलाए जा रहे युवा पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को अराइज इंडिया पब्लिक स्कूल में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सेवार्थ विद्यार्थी के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में विद्यालय के ढाई सौ छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाइयां वितरित की गईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अवध प्रांत के सेवार्थ विद्यार्थी संयोजक अलख कांत श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यार्थी परिषद स्थापना काल से ही छात्र शक्ति और राष्ट्र शक्ति के उत्थान के लिए समर्पित है। परामर्श विशेषज्ञ डॉ. सैयद राशिद अली, डॉ. खुशनूद आलम और डॉ. सरोज लता की टीम ने बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की। नगर मंत्री अभिजीत गौड़, अमित नाथ, सनी यादव, विकास मौर्य, शरद बाजपेई, सचिन अवस्थी और रोहित अवस्थी सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोग। अमृत विचार

हिन्दू सम्मेलन : एक साथ बैठने से जाग्रत होता है एकता का भाव

महोली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से हिन्दू समाज द्वारा हिन्दू सम्मेलन का आयोजन संघ के खंड निमचैना में किया गया। मुख्य वक्ता जिला विभाग बौद्धिक राज कुमार तिवारी ने कहा कि एक साथ बैठने तथा कार्यक्रम करने से एकता का भाव जाग्रत होता है। उन्होंने परिवार भाव के क्षीण होने से लोगों में बढ़ती अशान्ति और तनाव की चर्चा करते हुए कहा- आज धन सम्पदा सुख सुविधाओं के साधन होते हुए भी लोग वृद्धाश्रमों में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। ऐसा न हो इसके लिए बच्चों को पढ़ाने से अधिक उनको पढ़ने या समझने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बीडीओ सकरन ने टीकाकरण शिविर का किया निरीक्षण

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : सांडा-खंड विकास अधिकारी सकरन श्रीश गुप्ता ने सांडा के देवरी गांव में आयोजित टीकाकरण शिविर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 6 माह के दो बच्चों का अन्नप्राशन तथा एक गर्भधात्री महिला की गोद भराई भी कराई। टीकाकरण शिविर में 17 बच्चों का टीकाकरण हुआ। इस दौरान 6 गर्भधात्री महिलाओं की नियमित जांच के साथ टीकाकरण भी किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्री पूनम सैनी के द्वारा बच्चों तथा गर्भधात्री महिलाओं का वजन करने के साथ पोषाहार का वितरण भी किया गया। टीकाकरण का कार्य एएनएम रंजीता राय ने किया।

वहीं, सांडा में देखा विकास कार्य बीडीओ श्रीश गुप्ता ने सांडा में नवनिर्मित पंचायत भवन, सीएचसी सांडा का नवनिर्मित प्रवेश द्वार, सामुदायिक शौचालय व अस्पताल जाने वाली सड़क का निरीक्षण किया। अस्पताल में साफ सफाई की व्यवस्था को लेकर जिम्मेदारों को निर्देश दिए।

टीकाकरण के दौरान उपस्थित बीडीओ सांडा। अमृत विचार

सरेराह छात्रा के अपहरण का प्रयास, मां ने दी तहरीर

सीतापुर। जनपद के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक दुस्साहसिक वारदात होते-होते बची। एक गांव की 14 वर्षीय किशोरी का स्कूल जाते समय अपहरण का प्रयास हुआ। पुलिस आरोपों को संदिग्ध मानकर विधिक कार्रवाई के साथ जांच पड़ताल कर रही है। इमलिया सुल्तानपुर थानाक्षेत्र के एक गांव की चौदह वर्षीय छात्रा रोज की तरह सुबह विद्यालय जा रही थी। बताते हैं कि अर्जनपुर गांव के नजदीक पहुंचने पर वैन में सवार युवकों ने छात्रा को जबरन खींच लिया और लेकर भागने लगे। बताते हैं कि वैन पकरिया गांव स्थित पिपरिया पुल के नजदीक पहुंची, इसी दौरान किशोरी ने शोर मचाना शुरू कर दिया। छात्रा की चीख पुकार सुनकर ग्रामीणों ने वैन को घेर ली। घबराए अपहरणकर्ता किशोरी को छोड़कर मौके से फरार हो गए। पीड़िता की मां ने थाने पहुंचकर अज्ञात लोगों के विरुद्ध तहरीर दी। पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है। एसओ इमलिया सुल्तानपुर ने बयानों के आधार पर अरमान और बंटी को हिरासत में ले लिया। देर शाम तक मामले में पूछताछ की जा रही है।

डीएम ने परखी आचार्य नरेन्द्र देव पार्क की तैयारियां

संवाददाता, सीतापुर।

अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने निर्माणाधीन आचार्य नरेन्द्र देव स्मृति पार्क का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्था को कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पार्क की लाइट व्यवस्था पर असंतोष जाहिर करते हुए इसे तत्काल सुदृढ़ करने को कहा।

उन्होंने इंटरलॉकिंग की गुणवत्ता जांची और पार्क के सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि पार्क में अधिक से अधिक फूलों वाले पौधे लगाए जाएं, बाउंड्रीवॉल की मरम्मत कर उस पर आकर्षक वॉल पेंटिंग और टैटू बनवाए जाएं, वाटर पॉन्ड में पानी भरने और निकासी की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। डीएम ने स्पष्ट किया कि सभी कार्य गुणवत्तापरक और समयबद्ध तरीके से पूरे होने चाहिए। इस मौके पर प्रभागीय निदेशक (वन प्रभाग) नवीन खंडेलवाल सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आचार्य नरेन्द्र देव पार्क की तैयारियों का जायजा लेते डीएम।

गौशालाओं में व्यवस्थाएं दुरुस्त करें अधिकारी : जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर, अमृत विचार : जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने विकास भवन सभागार में गौआश्रय स्थलों और विकास योजनाओं की गहन समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनपद में निराश्रित गौवंशों के संरक्षण में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, साथ ही बताया कि गौशालाओं में संरक्षित गौवंशों को ठंड से बचाने के पुख्ता इंतजाम हों। साथ ही, पर्याप्त हरा चारा और पौष्टिक आहार सुनिश्चित किया जाए। खण्ड विकास अधिकारी और पशु चिकित्सा अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण करें और बीमार गौवंशों का तत्काल उपचार कराएं। चारा परिक्षेत्र के लिए एसडीएम से समन्वय कर भूमि चिन्हित की जाए। बैठक में जिला विकास अधिकारी संतोष नारायण गुप्त, डीसी मनरेगा चंदन देव पाण्डेय सहित मुख्य पशु चिकित्साधिकारी उपस्थित रहे।

मल्लापुर की बंजर भूमि पर कब्जा हटा

संवाददाता, लहरपुर। अमृत विचार : तहसील प्रशासन का एक बार फिर बुलडोजर चला। देर शाम क्षेत्र के ग्राम मल्लापुर में राजस्व अभिलेखों में दर्ज बंजर भूमि पर संगम व सुमित पुत्र गण बनवारी, शिवम पुत्र रामाधार, विकास पुत्र राम सेवक द्वारा बाउंड्री बनाकर कब्जा कर लिया गया था। इसे राजस्व टीम व पुलिस बल की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर हटाया गया। इस मौके पर लेखपाल मानवेंद्र, अनुज, अनुराग व पुलिस बल मौजूद रहा। इस संबंध में नायब तहसीलदार अशोक यादव ने बताया कि मुक्त कराई गई भूमि लगभग 8 लाख रुपए मूल्य की है।

किसानों की समस्याओं का हो समयबद्ध निस्तारण: एडीएम

संवाददाता, सीतापुर।

अमृत विचार : विकास भवन सभागार में बुधवार को अपर जिलाधिकारी नीतीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों की समस्याओं को सुनते हुए एडीएम ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शिकायतों का निस्तारण केवल समय पर ही नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण ढंग से होना चाहिए। अपर जिलाधिकारी ने किसान भाइयों को सुझाव दिया कि वे गन्ने की फसल के साथ दलहनी फसलों की अन्तः फसली खेती अपनाएं, जिससे उनकी आय में वृद्धि हो सके। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने वर्तमान मौसम में फसलों को कीटों और रोगों से बचाने के उपाय साझा किए। लापरवाही पर जवाबदेही तय किसान दिवस में कुल उन्तालीस समस्याएं प्राप्त हुईं। जिला विकास अधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसानों की समस्याओं का समाधान शासन की शीर्ष प्राथमिकता है। निस्तारण की सूचना संबंधित किसान और उप कृषि निदेशक को अनिवार्य रूप से दी जाए। बैठक में उप कृषि निदेशक सहित किसान संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

फंदे पर लटकता मिला युवक का शव, हड़कंप

ऊंचाहार : ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के गांव मिर्जापुर ऐहारी निवासी देशराज का बेटा विकास कुमार (28) बुधवार की सुबह अपने कमरे में था। जब वह काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकला, तो परिजन उसके कमरे में पहुंचे। जहां का नजारा देखकर परिवार के लोग दंग रह गए। उसका शव रस्सी के सहारे फंदे पर लटका हुआ था। इस घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। घटना की खबर फैलते ही पूरे गांव में सनसनी फैल गई और मौके पर ग्रामीणों की काफी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को फंदे से नीचे उतरा और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कोतवाल अजय कुमार राय ने बताया कि युवक ने आत्महत्या की है, आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

गैंगस्टर का आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

रायबरेली : पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ अभियन चला कर भदोखर थाने की पुलिस ने गैंगस्टर के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक राकेश चंद्र ने बताया कि मुखबिर खास की सूचना पर अभिषेक यादव पुत्र शमशेर बहादुर निवासी गोसाई का पुरवा मजरे बसाड़ को परमानपुर मोड के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आरोपी पर भदोखर समेत अन्य थानो को मिलाकर लगभग आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

पोलिंग बूथ बदले जाने के विरोध में प्रधान ने उठाई आवाज

ऊंचाहार : तहसील क्षेत्र के गांव सिंगापुर भटौली के मतदाताओं का पोलिंग बूथ बदले जाने का ग्राम प्रधान ने विरोध किया है। महिला प्रधान श्यामकली ने एसडीएम को दिए गए पत्र में कहा कि लोकसभा और विधान सभा चुनाव में उनके गांव में दो बूथ बनते थे। अब इसमें परिवर्तन करके मेरे गांव का बूथ बिछियावादी गांव के बूथ में जोड़ दिया गया है। जिसकी दूरी हमारे गांव से घूमकर करीब सात किमी है। जो निर्वाचन आयोग की मंशा के विपरीत है। इससे गांव के मतदाताओं को परेशानी होगी और मतदान प्रतिशत पर असर पड़ेगा। एसडीएम को दिए गए प्रार्थना पत्र में ग्राम प्रधान ने लोकहित में इस परिवर्तित व्यवस्था को रद्द करके पूर्व की भांति गांव में ही बूथ बनाने की मांग की है।

प्रतिमा तोड़े जाने के विरोध में दिया ज्ञापन

रायबरेली : महारानी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर फाउंडेशन (एमएलए फाउंडेशन) के बैनर तले पाल समाज के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौपा। इसमें काशी के मणिकर्णिका घाट पर देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा और मंदिरों को तोड़े जाने के आरोप लगाया है। राम सजीवन पाल एवं पुष्कर पाल एडवोकेट ने बताया कि मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होल्कर ने सम्पूर्ण भारतवर्ष में 12 हजार से अधिक मंदिरों का निर्माण व जीर्णोद्धार कराया, जिससे सनातन धर्म की नींव मजबूत हुई। इन्हीं मंदिरों में से काशी स्थित मणिकर्णिका घाट पर प्रशासन द्वारा कथित रूप से तोड़-फोड़ की गई। वहां स्थापित देवी अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया गया, जिससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंची है। इस मौके पर पुष्कर पाल एडवोकेट, राम सजीवन पाल, शारदा बघेल, राम विलास यादव, सुशील धनगर, शिवम पाल, राहुल निर्मल, अरविंद पाल, देशराज पाल, राजेन्द्र पाल, रंजीत पाल आदि उपस्थित रहे।

डीईओ ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक सम्पन्न हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जनपद में प्रत्येक बीएलओ के पास पर्याप्त संख्या में फॉर्म 06, फॉर्म 07 तथा फॉर्म 08 उपलब्ध है। जनपद के समस्त पात्र नागरिकों से अपील की है कि वह अपना नाम आलेख्य मतदाता सूची में अवश्य चेक करें यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है तो वह फॉर्म 6 ऑफलाइन बीएलओ के पास अथवा ऑनलाइन भर कर अपना नाम मतदाता सूची में सम्मिलित करवा सकते हैं, जिससे 06 मार्च, 2026 को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में सभी पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में अवश्य शामिल हो जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी विवेक राजपूत आदि उपस्थित रहें।

सड़क सुरक्षा व जागरूकता के संबंध में शिक्षकों को दी गई ट्रेनिंग

संवाददाता, रायबरेली

आयोजन

- एआरटीओ अरविंद कुमार यादव बोले-बच्चों को करें जागरूक

अमृत विचार। सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों व घटनाओं को रोकने के लिए बुधवार को सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिला बेसिक शिक्षा कार्यालय के सभागार में आयोजित प्रशिक्षण में प्रत्येक ब्लॉक से दो शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

इससे पहले एआरटीओ अरविंद कुमार यादव का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह ने पुष्प देकर स्वागत किया। एआरटीओ ने कहा कि शिक्षक विद्यालयों में बच्चों को सुरक्षा संबंधी नियमों व हेलमेट और सीट बेल्ट कितना हमारे लिए अनिवार्य है उसके संबंध में विस्तृत जानकारी दें। सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी ही बचाव हैं। शिक्षकों को सड़क सुरक्षा संबंधी आदेशआत्मक ,चेतावनी एवं सूचनात्मक संकेतों के माध्यम से अवगत कराया गया कि इन का ध्यान हम लोग सड़क पर चलते समय अवश्य रखें, जिससे कि कम से कम सड़क दुर्घटना हो सकें।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह ने मानवीय संसाधन की कम से कम क्षति हो इसको हम लोग इस ट्रेनिंग के माध्यम से लोगों को जागरूक करके काम कर सकते हैं। सभी प्रतिभागियों को पूरे उत्साह से प्रशिक्षण में प्रतिभा करने के लिए प्रेरित किया गया। यातायात विभाग से इंस्पेक्टर अरिमर्दन सिंह ने बताया कि यातायात चिन्ह का क्या तात्पर्य है और हम इन को बच्चों को और युवकों को तथा समुदाय को कैसे प्रेरित करते हुए अवगत करा करके सड़क दुर्घटना को कम कर सकते है। प्रशिक्षक शिव शरण सिंह ने विद्यालय स्तर पर गठित होने वाली सड़क सुरक्षा क्लब की विस्तृत संरचना के साथ ही कार्य और दायित्व से अवगत कराया। प्रशिक्षक सूर्य प्रकाश, राजेश कुमार यादव और सुरेश सिंह ने भी जानकारी दी।

जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण के दौरान मौजूद एआरटीओ प्रशासन अरविंद यादव और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह। अमृत विचार

छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

महराजगंज। सरकार के महत्वपूर्ण अभियान 'मिशन शक्ति फेज-5 के तहत स्थानीय कोतवाली की एंटी रोमियो पुलिस टीम ने बुधवार को राजापुर स्थित डीपीआरके पब्लिक में बालिकाओं के साथ संवाद स्थापित किया। इस दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों, एंटी रोमियो स्क्वॉड की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जागरुकता टीम में कोतवाल जगदीश यादव, हेड कांस्टेबल शत्रु जीत राय, ज्ञानेंद्र तिवारी, उपनिरीक्षक टीन एन तिवारी, राधेश्याम वर्मा, कांस्टेबल नेहा राठौर सहित विद्यालय के प्रधानाध्यापक मनोज त्रिवेदी, रुबी सिंह, सुनीता पाण्डेय, अल्पना सिंह, सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति रही।

अतिक्रमण पर चला चाबुक, 30 वाहनों पर कार्रवाई

अभियानः बड़े वाहनों से लगातार हो रहे हादसों पर जिम्मेदार हुए सख्त, सड़क से बाजार को हटवाया

संवाददाता, डलमऊ (रायबरेली)

अमृत विचार। तहसील क्षेत्र में लगातार हो रहे हादसों के बाद जिम्मेदारों ने सख्त रूख अपनाना शुरू कर दिया है। बुधवार को तहसील और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए कस्बे में अतिक्रमण हटवाए। इस दौरान कई जगह बुलडोजर भी गरजा। इससे अतिक्रमणकारियों में अफरा-तफरी मच गई। वहीं 30 छोटे-बड़े वाहनों का चालान भी किया। इस कार्रवाई से कस्बे से होकर गुजरने वाले डंपरों की रफ्तार थम सी गई।

डलमऊ क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों से सड़क हादसे बढ़ गए हैं। जनवरी माह में ही आधा दर्जन लोगों की सांसे थम गई। इसकी सबसे बड़ी वजह डंपर समेत बड़े वाहनों की तय सीमा से अधिक रफ्तार का होना। हादसों में स्थानीय लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ऐसे में बुधवार को तहसीलदार मंजरी सिंह, कोतवाल डलमऊ राघवन कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और सड़क की पटरी पर किए गए अतिक्रमण को सख्ती के साथ हटवाने की कार्रवाई की। इस दौरान व्यापारियों से कुछ कहासुनी भी हुई, लेकिन प्रशासन के आगे एक न चली और अतिक्रमण पर बुलडोजर कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि मुराई बाग मुख्य चौराहे से लालगंज, रायबरेली, ऊंचाहार एवं डलमऊ की तरफ जाने वाली सड़कों पर व्यापारी व दुकानदारों द्वारा सड़क की पटरी तक दुकानों को बढ़ाकर अतिक्रमण किया गया था, जिसके चलते सड़क से गुजरने वाले वाहनों को परेशानी होती थी। साथ ही राहगीर जाम की समस्या से जूझते थे। इसके समाधान के लिए कार्रवाई हुई।

शंकर नगर बाजार को पड़वा नाला के पास किया शिफ्टः प्रशासन के जिम्मेदारों की व्यापार मंडल के साथ बैठक हुई। इसमें अतिक्रमण हटाने के साथ ही लालगंज रोड पर लगने वाली बाजार को पड़वा नाला में शिफ्ट किए जाने की सहमति बनाई। शंकर नगर बाजार पिछले 50 वर्षों से लग रहा है। बुधवार को अभियान चलाकर सड़क की पटरी पर लगने वाली बाजार को पड़वा नाला के पास शिफ्ट कर दिया गया। इसके हटने के साथ ही व्यस्त इलाका अब शांत हो गया है।

> तहसीलदार की अगुवाई में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान घुरवारा चौकी से डलमऊ कोतवाली तक अभियान चलाते हुए दो डंपर ओर एक ई रिक्शा को सीज करने के साथ 30 वाहनों का चालान किया गया।
>
> -राघवन कुमार सिंह, कोतवाल डलमऊ।

मुराई बाग चौराहे पर अतिक्रमण हटाती जेसीबी। अमृत विचार

अतिक्रमण को हटवातीं तहसीलदार मंजरी सिंह व कोतवाल राघवन कुमार सिंह।

गिरफ्तारी न होने से सड़क पर शव रखकर परिजनों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

- ट्रैक्टर की टक्कर से किशोरी की मौत का मामला

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गुमावां पुलिस चौकी अन्तर्गत कोनी मोड़ के पास ट्रैक्टर की टक्कर से किशोरी की मौत के मामले में आरोपी चालक की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया।

नाराज परिजनों एवं ग्रामीणों ने बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद गुमावां चौकी से करीब 200 मीटर की दूरी पर शव हैदरगढ़- महराजगंज हाईवे पर रखकर जाम कर दिया। पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। मामले की जानकारी होते ही भारी संख्या में पुलिस फोर्स के साथ ही मौके पर महराजगंज उप जिलाधिकारी गौतम सिंह, क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार पहुंच गये। जिनके द्वारा परिजनों एवं ग्रामीणों को काफी समझाया बुझाया गया, लेकिन सभी आरोपी चालक की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। 24 घण्टे के अन्दर आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन के बाद परिजन माने और पुलिस की मौजूदगी में मृतका का अन्तिम संस्कार किया। गौरतलब हो कि मंगलवार की शाम गन्ना लादकर पोखरा चीनी मिल जा रहे ट्रैक्टर ने शिवगढ़ थाना क्षेत्र गुमावा पुलिस चौकी के पूरे सतन मजरे नेरथुआ अन्तर्गत कोनी मोड़ के पास बाइक में सामने से टक्कर मार दी थी। पूरे पण्डित मजरे गुमावां गांव के रहने वाले सुरेश कुमार द्विवेदी की बेटी लक्ष्मी मंगलवार की शाम करीब 6 बजे चौकी क्षेत्र के बसन्तपुर सकतपुर अपनी सहेली के यहां बर्थडे पार्टी में जा रही थी। तभी सकतपुर से गन्ना लादकर पोखरा चीनी मिल के लिए जा रहे ट्रैक्टर ने बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक पर पीछे बैठी 12 वर्षीय किशोरी सेजल पुत्री बृजेश कुमार बाइक से उछलकर दूर जा गिरी। वहीं लक्ष्मी की ट्रैक्टर की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी।

वहीं शिवगढ़ थाना प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि बुधवार की सुबह चचेरे भाई सुरेश कुमार की तहरीर पर चालक महेंद्र सिंह के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया था। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

प्रदर्शन करते ग्रामीण। अमृत विचार

कार्यशाला में शिक्षकों और छात्रों को वायु स्वच्छता की दिलाई गई शपथ

नगर पालिका की ओर से आयोजित कार्यक्रम में जानकारी देते प्रशिक्षक।

संवाददाता, रायबरेली, अमृत विचार। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में नगर पालिका परिषद की ओर से राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जन भागीदारी एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बच्चों के योगदान पर चर्चा किया गया। नगर पालिका से आए आशीष ने वायु प्रदूषण के कारण, उसके दुष्प्रभाव एवं उसकी रोकथाम एवं निवारण पर विस्तृत व्याख्यान दिया। छात्रों और अध्यापकों को वायु - स्वच्छता शपथ दिलाई। प्राचार्य संजय कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन, प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार के मार्गदर्शन और प्रथम पाली प्रधानाध्यापक आरबी शर्मा शर्मा के समन्वय में यह कार्यक्रम सफल रहा। यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि शिक्षा संस्थान पर्यावरणीय संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं एवं छात्रों को भारत के विकास और पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्रिय भागीदार बना सकते हैं। यह एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम था, जिसका मुख्य विषय वायु को स्वच्छ रखने में कैसे योगदान दे सकते हैं। इसका उद्देश्य वायु प्रदुषण कारण, प्रभाव, महत्व एवं प्रदुषण नियंत्रण के उपाय पर बच्चों को जागरूक किया जाना है। प्रधानाध्यापक कमलेश कुमार ने भी विचार व्यक्त किए।उन्होंने यह संदेश भी दिया कि बच्चों को न केवल जागरूक होना चाहिए बल्कि अपने परिवारों और समाज में भी यह संदेश फैलाना चाहिए एवं पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए सभी को अधिक से अधिक पेड़ -पौधें लगाना चाहिए। इस मौके पर नगर पालिका कर्मी विराट त्रिवेदी, रितिक आदि मौजूद रहे।

घर से निकले युवक की ट्रेन से कटकर मौत

डलमऊ (रायबरेली), अमृत विचार। डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के सिरीस्तापुर तेरुखा निवासी अखिलेश पुत्र विनोद (30) मंगलवार को घर से खेत के लिए निकला था। रात को ऊंचाहार लालगंज रेलखंड पर भीमगंज के पास प्रयागराज से कानपुर जाने वाली इंटरसिटी ट्रेन से काटकर उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर डलमऊ पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। पुलिस के अनुसार मृतक के भाई देवेंद्र ने इसकी शिनाख्त की है। मृतक के भाई ने मामले की जांच कराने की मांग की है। कोतवाल राघवन कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों के द्वारा किसी भी प्रकार की तहरीर नहीं दी गई है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

एसडीएम व नायब तहसीलदार का स्थानांतरण न होने पर आक्रोश

- वादकारियों की फाइलों को लंबित करने व अभद्रता का मामला

संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली

अमृत विचार। नायब तहसीलदार सत्या राज के खिलाफ चल रही हड़ताल का संज्ञान न लेने पर बुधवार को वकीलों ने एसडीएम के खिलाफ भी नारेबाजी शुरू कर दी। अधिवक्ता ने तहसील परिसर में घूम-घूम कर एसडीएम गौतम सिंह व नायब तहसीलदार बछरावां सत्या राज के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। हड़ताल पर रहे अधिवक्ताओं ने नायब तहसीलदार बछरावां सत्या राज पर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनके द्वारा न्यायालय में अनावश्यक रूप से फाइलों को लंबित रखा जा रहा है। इस संबंध में जब-जब उनसे वार्ता करने का प्रयास किया तो उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया। वरिष्ठ अधिवक्ता विद्यासागर अवस्थी का कहना है कि उपरोक्त मामले को संज्ञान में लाने के बाद एसडीएम द्वारा भी अधिवक्ता व वादकारियों के हितों को ध्यान में रखने व नायब तहसीलदार को खुला संरक्षण प्रदान किए जाने से अधिवक्ता कई दिनों से नाराज चल रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं ने नायब तहसीलदार व एसडीएम का स्थानांतरण न होने पर आरपार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है।

इस मौके पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामसनेही यादव, महामंत्री पंकज प्रकाश श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद, मनीष तिवारी, ज्योति प्रकाश अवस्थी, सियाराम, सतीश चंद द्विवेदी, राधेश्याम, अमित शुक्ला, अमित श्रीवास्तव सहित सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे।

मंदिर की जमीन पर कब्जा का आरोप, बछरावां: थाना क्षेत्र के अंतर्गत गजफ़्फ़र खेड़ा मजरे थुलेडी गांव में मंदिर की जमीन पर कब्जे का आरोप लगाया गया है। मंदिर समिति ने भाजपा कार्यकर्ता हरिओम चतुर्वेदी के नेतृत्व में थानाअध्यक्ष को प्रार्थना पत्र दिया है। मां काली शिवमुनीदास बाबा मंदिर सेवा समिति अध्यक्ष दिनेश पुत्र बाबूलाल ने बताया कि हमेशा की तरह इस वर्ष भी समिति द्वारा मंदिर प्रांगण में भंडारे मेले का आयोजन 24 जनवरी से 1 फरवरी तक होना है। मंदिर की भूमि पर कुछ लोगों द्वारा कब्जा किया जा रहा है। भाजपा कार्यकर्ता हरिओम चतुर्वेदी ने बताया कि पिछले 100 वर्षों से मेले का आयोजन किया जाता है।

तहसील परिसर में प्रदर्शन करते आक्रोशित अधिवक्ता। अमृत विचार

कार्यक्रम | आरएसएस की ओर से संत रविदास बस्ती में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन को प्रांत प्रचारक ने संबोधित किया

जीना है तो जग में गरजे, हिंदू हम सब एक हैं : कौशल किशोर

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

अमृत विचार। कस्बे के संत रविदास बस्ती में आरएसएस द्वारा विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। संघ के अवध प्रांत विचारक कौशल किशोर ने कहा कि जीना है तो जग में गरजे, हिंदू हम सब एक हैं। हिंदू समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने जात-पात की भावना को समाप्त करने का आह्वान किया और पंच परिवर्तन - कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक शिष्टाचार और स्वदेशी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संघ समाज के बीच पंच परिवर्तन के लक्ष्य को लेकर शताब्दी वर्ष पर काम कर रहा है।

इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की प्रतिमा पर माला पहनाकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे बड़ा मठ डलमऊ के महंत देवेंद्रानंद गिरि ने कहा कि संघ हिंदू सम्मेलनों के माध्यम से हिंदू संस्कृति को जागृत करने का काम कर रहा है। उन्होंने लोगों से समाज में व्याप्त कुरीतियां तलाक ,शराब और दहेज से दूर रहने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि अयोध्या धाम बावन मंदिर से आए संत वैदेही वल्लभ शरण जी महाराज ने कहा कि पूर्ण परमात्मा की आत्मा ही हिंदू समाज है। सनातन हिंदू समाज विशाल सिंधु है। उन्होंने माता शबरी और निषाद राज की उपमा देते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम को सबसे बड़ा समरसता का पुजारी बताया और कहा कि आज के हिंदुत्व विरोधी उनमें भी दोष निकालते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को जाति-पात से दूर रहना चाहिए बांग्लादेश में जाति नहीं पूछते हैं, केवल हिंदू जानकार मार रहे हैं। संघ की महिला समन्वय प्रांत संयोजिका प्रो. मंजुला उपाध्याय ने कहा कि सामाजिक समरसता के साथ-साथ जब परिवार और समाज मजबूत होगा, तभी हमारी अखंड भारत की परिकल्पना साकार साबित होगी। हिंदू सम्मेलन में आरएसएस के अखिल भारतीय अधिकारी अशोक बेरी, पूर्व मंत्री मनोज पांडे, पूर्व एमएलसी राजा राकेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी सहभागिता की।

कार्यक्रम में बालिका विद्या मंदिर प्रधानाचार्य ममता सिंह के नेतृत्व में स्कूल की बालिकाओं ने समरसता गीत का भी शानदार मंचन किया। कार्यक्रम में संघ के सह प्रांत कार्यवाह संजय सिंह, विभाग संघचालक अमरेश सिंह, जिला प्रचारक अजीत, नगर प्रचारक पुष्पम, अनंत बाजपेई, अभय, नीलेश शुक्ला, मीना शुक्ला ,अंजली शुक्ला, इंदू बाजपेई, धर्म जागरण के जिला सहसंयोजक सुशील शुक्ला, अनूप पांडे, दीप प्रकाश शुक्ला, कैलाश बाजपेई, बृजेश दत्त गौड़, उधम जायसवाल, इंद्रेश सिंह ,सचिन रस्तोगी ,राजेश सोनी, रामप्रताप सिंह, पूर्व प्रधान रवींद्र सिंह।

हिंदू सम्मेलन में बोलते प्रांत प्रचारक कौशल किशोर। अमृत विचार

गौरक्षा, हिंदू जागरूकता पदयात्रा संपन्न

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

अमृत विचार। भारत को हिन्दू राष्ट्र व गौ माता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने को लेकर हिन्दुत्व वादी संगठनों ने कुम्भी बॉर्डर से लेकर कस्बे तक गौरक्षा एवं भव्य हिन्दू जागरूकता पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा के समापन पर शिवगढ़ कस्बे में विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। पदयात्रा कुम्भी बॉर्डर से होते हुए भवानीगढ़ चौराहे पर पहुंची, जहां मौजूद लोगों ने पुष्प वर्षा कर पदयात्रा का स्वागत किया। कार्यक्रम में कहा गया कि जातिवाद भूल करके हम सभी हिन्दुओं को अपनी संख्या बढ़ानी होगी, आज हम लोग नहीं जागे तो निश्चित रूप से हर हिन्दू खतरा महसूस करेगा।

इस मौके पर अंकुल महाराज, डॉ. प्रकाश, गौरव राजपूत चंबल, रितिका शर्मा, अक्कू पंडित, शिवम गौड़, युधिष्ठिर राणा, दक्ष चौधरी, आकाश सिसोदिया, जीबी सिंह, नन्द किशोर तिवारी, अजय पाण्डेय, आलोक त्रिवेदी, धर्मेंद्र मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

हिंदू सम्मेलन का हुआ आयोजन, सलोनः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों के तहत बुधवार को रामलीला मैदान में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। संघ के विभाग प्रचारक अमित ने कहा कि हिंदू समाज आज जाति, पंथ और वर्गों में बंटता जा रहा है, जबकि संगठित हिंदू समाज से ही समर्थ भारत का निर्माण संभव है। नगर प्रचारक मनीष ने कहा कि भारत ही एकमात्र देश है जहां हिंदू सुरक्षित रह सकता है, इसलिए भारत माता को शक्तिशाली बनाना प्रत्येक हिंदू का दायित्व है। सम्मेलन में नगर पंचायत अध्यक्ष चंद्रशेखर रस्तोगी, नगर प्रचारक मनीष, संचालक विजय प्रकाश सिंह, गौरव रस्तोगी, राम सजीवन गौड़, नागार्जुन प्रसाद गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

हिंदू सम्मेलन में मौजूद लोग। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

सभी वर्ग को साथ लेकर कार्य कर रही सरकार : डॉ. मनोज

जगतपुर (रायबरेली) : बुधवार को चिचौली ग्राम सभा के गूंझी गांव में ब्लॉक प्रमुख दल बहादुर सिंह एवं पूर्व ब्लाक प्रमुख विश्वनाथ प्रताप सिंह द्वारा बृहद कंबल वितरण, सम्मान समारोह व समरसता भोज का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. मनोज कुमार पांडे ने की। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार सभी वर्ग को एक साथ लेकर कार्य कर रही है तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रहीहै। पूर्व की सरकार में यही एक सप्ताह दिन व एक सप्ताह रात ऊंचाहार की जनता को बिजली मिलती थी। इस मौके पर कृष्णा पटेल, अमरेश सिंह, संतोष तिवारी, रवीन्द्र पांडे, आदर्श बाजपेई, सुमित सिंह रहे।

अशोक शुक्ला बने नोटरी अधिवक्ता

लालगंज (रायबरेली) : बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक कुमार शुक्ला को भारत सरकार द्वारा नोटरी वकील नामित किया गया है। वह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित सुलह अधिकारी भी हैं। नोटरी वकील बनने पर सुशील शुक्ला, विवेक शर्मा, अनूप पांडे, दीप प्रकाश शुक्ला, शैलेश त्रिवेदी, केडी त्रिवेदी, सुंदरलाल बाजपेई, शिव शंकर पांडे,नीरज बाजपेई, दल बहादुर सिंह, अभिषेक तिवारी, कामता प्रसाद यादव आदि अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर की है।

युवती को फुसला कर भगाने का आरोप

सिंहपुर (अमेठी) : शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ने गांव के ही युवक पर अपनी बेटी को बहला फुसला कर ले जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पीड़ित ने तहरीर में लिखा हैं कि 19 जनवरी को उसकी 27 वर्षीय बेटी स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी। तभी गांव का ही एक युवक उसे बहला फुसला कर बाइक से अपने साथ लेकर कहीं चला गया। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष दया शंकर मिश्रा ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सास और ससुर ने मिलकर बहू को पीटा

तिलोई (अमेठी) : थाना मोहनगंज के अन्तर्गत ग्राम पूरे रानी मजरे असनी निवासिनी गुड़िया पत्नी आशीष कुमार ने बताया कि हमे सास ससुर ने अलग कर दिया हमारे दो बच्चे हैं मेहनत मजदूरी कर अपना तथा बच्चों का पेट पालती हूं बुधवार की सुबह सास गाली गलौज करने लगी जिसका विरोध किया तो सास ससुर ने मिलकर जमकर लाठी डंडे से मारा पीटा जिससे पीड़िता को काफी गंभीर चोटें लगी उन्होंने थाना मोहनगंज में लिखित प्रार्थनापत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर मेडिकल परीक्षण हेतु तिलोई सीएचसी भेज दिया गया है।

खेल किट का किया गया वितरण

ऊंचाहार (रायबरेली) : गांवों में छिपी खेल प्रतिभाओं को तराशने और युवाओं को नई दिशा देने के लिए क्षेत्र के खुर्रमपुर गांव के पूर्व प्रधान विदुर तिवारी ने गांव के युवाओं को खेल किट का वितरण किया। उन्होंने कहा कि आज के गांवों से निकली ऊर्जा ही कल प्रदेश और देश का भविष्य तय करेगी। गांव की प्रतिभाएं राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर चमक सकें। इसके लिए युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किट का वितरण किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि खेल किट मिलने से युवा खिलाड़ी नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे।

निर्धारित समय में नहीं हुआ सड़क का निर्माण

लापरवाही: टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के एक साल बाद भी बदहाल भवानीगढ़-सूरजपुर सम्पर्क मार्ग

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

अमृत विचार। भवानीगढ़-सूरजपुर सम्पर्क मार्ग क्षेत्र की सबसे बड़ी ज्वलंत समस्या है। पीएमजीएसवाई विभाग की लापरवाही एवं कार्यदाई संस्था की मनमानी से सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण टेण्डर प्रक्रिया पूरी होने के एक साल बाद अधर में लटका हुआ है। जिसकी हालत बद से बद्तर हो गई है।

गौरतलब हो कि 7.3 किलोमीटर लम्बे भवानीगढ़-सूरजपुर सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण एक करोड़ 87 लाख की लागत से होना है। जिसके नवीनीकरण के लिए जनवरी 2025 माह में टेण्डर हुआ था और हर हाल में मई 2025 तक कार्यदाई संस्था को नवीनीकरण कार्य पूरा करना था। टेंडर प्रक्रिया पूरी हुए एक साल बीत गया किन्तु अभी तक नवीनीकरण का कार्य शुरू नहीं कराया गया। सम्पर्क मार्ग जर्जर एवं गड्ढों में तब्दील होने से स्कूली छात्र- छात्राएं एवं

शिवगढ़ क्षेत्र का बदहाल भवानीगढ़-सूरजपुर सम्पर्क मार्ग। अमृत विचार

लोगों में आक्रोश

राहगीर आए दिन दुर्घटनाएं का शिकार हो रहे हैं। जिसको लेकर ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है। सपा जिला उपाध्यक्ष मुनेश्वर पासी, जिला पंचायत सदस्य अंजली पासी, कांग्रेस जिला सचिव एडवोकेट गौरव मिश्रा, रामकिशोर मौर्य, संगीत मिश्रा आदि लोगों ने जल्द से जल्द इस सम्पर्क मार्ग का नवीनीकरण कराने की मांग की है। इस संबंध में पीएमजीएसवाई विभाग के जेई ओपी वर्मा ने बताया कि मिक्स फार्मूला बदल कर आ गया है फरवरी माह से नवीनीकरण कार्य शुरू हो जाएगा।

जर्जर बड़गांव-शीतला गंज मार्ग के जीर्णोद्धार की उठी मांग, संग्रामपुर (अमेठी): बीते कई वर्षों से अमेठी-किठावर मार्ग से बड़गांव बाजार को जोड़ते हुए शीतला गंज बाजार के रास्ते प्रतापगढ़ जाने वाला संपर्क मार्ग अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच चुका है। इस महत्वपूर्ण मार्ग के जीर्णोद्धार को लेकर विकास खंड संग्रामपुर के बड़गांव निवासियों ने बुधवार को प्रशासन से मांग की।बड़गांव बाजार में एकत्रित होकर दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि यह संपर्क मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे प्रतापगढ़ की

जर्जर सड़क की जीर्णोद्धार की मांग करते ग्रामीण। अमृत विचार

दूरी लगभग 10 किलोमीटर कम हो जाती है। इसके बावजूद मार्ग की बदहाली से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्थानीय निवासी पप्पू सिंह ने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है, लेकिन सड़क इतनी उबड़-खाबड़ हो चुकी है कि पैदल चलना भी दूभर हो गया है। गज्जे सिंह ने कहा कि किसान, आम नागरिक और स्कूली बच्चे इसी मार्ग से प्रतिदिन आते-जाते हैं, लेकिन सड़क की जर्जर हालत के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।शक्ति जायसवाल ने बताया कि बरसात के दिनों में यह सड़क नदी का रूप ले लेती है, जबकि अन्य दिनों में सड़क पर पानी फैला रहता है, जिससे यह नाले जैसी प्रतीत होती है। उबड़-खाबड़ सतह के कारण कई बार वाहन फिसलने और पलटने की घटनाएं हो चुकी हैं।ग्रामीणों शुबम सोनी, रामराज मौर्य, विक्रम कनौजिया, ननके कोरी, प्रकाश कोरी, कल्लू कोरी और तीर्थ यादव सहित अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से प्रशासन से मांग की कि लगभग 500 मीटर लंबी इस सड़क का शीघ्र जीर्णोद्धार कराया जाए, ताकि आवागमन सुगम व सुरक्षित हो सके और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

समाधि स्थल पर विशेष समुदायों का कब्जा हटाने को लेकर सौंपा ज्ञापन

संतों से बातचीत करते थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा व मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

संवाददाता, शुकुल बाजार (अमेठी)

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के जैनबगंज में बाबा फूलदास की समाधि स्थल पर अतिक्रमण किए जाने को लेकर साधु में आक्रोश था। इसी मामले में कई बार शिकायत के बाद भी अतिक्रमण मुक्त न होने पर बुधवार को सुबह 10 बजे साधु-संत व ग्रामीण अनशन करने जा रहे थे। वहीं पुलिस को इसकी सूचना मिली तो शुकुल बाजार, जगदीशपुर, भाले सुल्तान के तीन थानों की पुलिस ने पहुंचकर साधुओं व ग्रामीणों को रोक कर न्याय का भरोसा दिलाते हुए राममिलन के घर पहुंचे। वहीं आक्रोशित संतों व ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा को सौंपा।

जानकारी के मुताबिक मामला जैनबगंज में स्थित बाबा फूलदास की समाधि को मुक्त कराने की मांग का है। उनकी समाधि पर लंबे समय से विशेष समुदाय का कब्जा है। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरु बक्श दास ने बताया कि सुजान पुर में सिद्ध बाबा फूलदास की सामधि करीब 40 साल पहले बनाई गई थी। जहां पर गांव के लोग रोज पूजा-पाठ करते थे, जबकि अन्य समुदाय के लोगों के द्वारा पूजा-पाठ में दिक्कत आ रही है। ट्रस्ट के लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बाबा फूलदास की सामाधि स्थल पर हिंदुओं को फिर से नियमित पूजा-पाठ करने की अनुमति दी जाए। साथ ही आक्रोशित ग्रामीणों व साधुओं ने समाधि स्थल के बगल में बनी एक कब्र को हटाए जाने की भी मांग की गई है।

वहीं थाना अध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि लोगों का शिकायत पत्र उपजिलाधिकारी को दे दिया गया है। जल्द ही समस्या का समाधान निकाला जाएगा।

मुख्यमंत्री के निर्देशों को ठेंगा दिखाते नजर आए अधिकारी

संवाददाता, अमेठी

- ब्लॉक दिवस पर आम जनता की सुनने वाला कोई नहीं

खाली पड़ी बीडीओ की कुर्सी।

अमृत विचार। मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रत्येक बुधवार को आयोजित होने वाले ब्लॉक दिवस का उद्देश्य आम जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करना है, लेकिन अमेठी विकासखंड में यह व्यवस्था कागजों तक ही सिमट कर रह गई है। बुधवार को अमेठी ब्लॉक कार्यालय पूरी तरह से सुनसान नजर आया, जिससे प्रशासनिक लापरवाही एक बार फिर उजागर हो गई। सुबह निर्धारित समय पर जब ग्रामीण अपनी शिकायतें और समस्याएं लेकर ब्लॉक कार्यालय पहुंचे तो उन्हें निराशा हाथ लगी। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) अपनी कुर्सी से नदारद मिले, वहीं अन्य वरिष्ठ अधिकारी और एडीओ प्रभारी भी कार्यालय में उपस्थित नहीं थे। पूरे ब्लॉक परिसर में सन्नाटा पसरा रहा और अधिकांश कमरों में कुर्सियां खाली पड़ी दिखीं। ग्रामीणों का कहना है कि वे दूर-दराज के गांवों से समय और पैसा खर्च कर ब्लॉक कार्यालय आते हैं, लेकिन अधिकारियों की गैरहाजिरी के कारण उन्हें बिना काम लौटना पड़ता है। ब्लॉक दिवस जैसे महत्वपूर्ण आयोजन में अधिकारियों का अनुपस्थित रहना सीधे तौर पर मुख्यमंत्री के आदेशों की अवहेलना माना जा रहा है।ब्लॉक कार्यालय में केवल कुछ गिने-चुने कर्मचारी ही मौजूद पाए गए, जो स्वयं भी किसी निर्णय की स्थिति में नहीं थे। इससे साफ है कि जब ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी ही समय पर उपस्थित नहीं होंगे तो कर्मचारियों से अनुशासन की उम्मीद करना बेमानी है।

आक्रोशित ग्रामीणों और शिकायतकर्ताओं ने इस लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए उच्चाधिकारियों से मामले का संज्ञान लेने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह ब्लॉक दिवस की अनदेखी होती रही तो आम जनता का प्रशासन से विश्वास उठ जाएगा।

भाजपा नेता ने खोली विकास कार्यों की पोल

तिलोई (अमेठी)। तहसील क्षेत्र के ब्लाक तिलोई के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बारकोट निवासी भाजपा नेता गणेश शंकर मिश्रा ने अमेठी डीएम सहित प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री को प्रार्थनापत्र देकर अवगत कराया की ग्राम सभा बारकोट में हुए विकास कार्यों में भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि ग्राम प्रधान जयराम पूर्ण रूप से निरक्षर हैं। जिसका फायदा ग्राम सभा के रोजगार सेवक संजय मौर्य उठा रहे हैं। उन्होंने अपने शिकायती प्रार्थनापत्र में लिखा है की ग्राम सभा के खराब इंडिया मार्का नलों की मरम्मत करवा कर कागजों पर मरम्मत हुए नालों का रिबन दर्ज करवा कर बड़ी रकम सरकारी खाते से निकालते हैं। जिसमें ग्राम प्रधान, रोजगार सेवक से लेकर उच्च अधिकारी भी संलिप्त होते हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से किशोर की मौत

सिंहपुर (अमेठी)। इन्होंना थाना क्षेत्र अंतर्गत लखनऊ वाराणसी रेल खंड पर अकबरगंज रेलवे स्टेशन(माँ अहोरवा धाम) के पूर्वी केबिन के निकट बीती रात एक किशोर की ट्रेन की चपेट में आने से कटकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेजा है। थाना क्षेत्र के श्रीराम नगर मजरे इन्होंना निवासी मिट्ठू ने बताया कि उसका 13 वर्षीय पुत्र चिलम की स्टेशन की पूर्वी केबिन के निकट ट्रेन की चपेट में आने से कटकर मौत हो गई हैं। उन्होंने बताया कि उनके बेटे चिलम का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। थानाध्यक्ष विवेक सिंह ने बताया कि शव को पीएम के लिए भेजा गया है।

संदिग्ध हालात में विवाहिता ने घर में लगाई फांसी

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। थाना संग्रामपुर क्षेत्र के ग्राम सभा सरैया कनू में विवाहिता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान चांदनी (26 वर्ष) पत्नी गुलाब चंद, पुत्र छोटेलाल, निवासी सरैया कनू के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चांदनी ने बुधवार को सुबह लगभग 10 बजे के बीच अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। जब परिजनों की नजर चांदनी पर पड़ी तो वह फंदे से लटकी हुई मिली। परिजन उसे आनन-फानन में निजी साधन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र संग्रामपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।बताया जा रहा है कि इसके बाद परिजन शव को अस्पताल से वापस घर ले आए। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची थाना संग्रामपुर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए पंचायतनामा भरकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतका के दो छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक की उम्र लगभग 3 वर्ष है, जबकि दूसरा बच्चा मात्र 1 माह का है। घटना के समय घर में मृतका की सास, ननद और पति मौजूद बताए जा रहे हैं।इस संबंध में थाना संग्रामपुर प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि ग्राम सभा सरैया कनू में महिला द्वारा फांसी लगाने की सूचना प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पतंग की डोर मोटरसाइकिल में फंसने से हुई दो पक्षों में हुई मारपीट, युवक घायल

तिलोई (अमेठी)अमृत विचार। कोतवाली मोहनगंज क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम बैरी का पुरवा मजरे भदमर निवासी मुकेश कुमार प्रजापति मौजूदा प्रधान रामवती का भतीजा है गांव में पतंग उड़ा रहा था जहां रास्ते से एक बाइक पर सवार कौशल किशोर तिवारी (45) पुत्र राधेश्याम निवासी ग्राम भदमर तथा आशीष मिश्रा (43) पुत्र साधू मिश्रा निवासी ग्राम शिवपुर मजरे भदमर बैरी का पुरवा गांव गये थे। तभी मुकेश के पतंग की डोर कौशल कुमार तिवारी की मोटरसाइकिल में फस गई जिससे दोनों में विवाद शुरू हो गया और मारपीट शुरू हो गई। जिसमे कौशल किशोर तिवारी को गंभीर चोटें लग गई, घायल ने थाना मोहनगंज में मुकेश कुमार प्रजापति के खिलाफ शिकायती तहरीर दिया है इस संबंध में थानाध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया की मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है मेडिकल परीक्षण हेतु तिलोई सीएचसी केंद्र भेजा गया है जांचों उपरांत आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

परीक्षा देने घर से निकली छात्रा हुई लापता

तिलोई (अमेठी)अमृत विचार। कोतवाली मोहनगंज क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव की रहने वाली करीब 20वर्षीय छात्रा गायब हो गई। बीते दिन मंगलवार को वह परीक्षा देने अपने घर से तिलोई स्थित बीएमएस डिग्री कालेज को निकली थी। लेकिन कालेज नहीं पहुंची जिससे कॉलेज में गैर हाजिर होने पर शिक्षक ने छात्रा के परिजनो से जानकारी लिया तो पूरा मामला उजागर हो गयाप। छात्रा की मां ने मोहनगंज पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया और उसमें एक मोबाइल नंबर भी साझा किया। और बताया कि मुझे आशंका है कि इस मोबाइल नबर से उसकी बेटी की फोन पर बातचीत और व्हाट्सएप पर भी मैसेज के माध्यम से बातचीत होती थी। उसने ही उसकी बेटी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया होगा। इस संबंध में थाना प्रभारी राकेश सिंह ने बताया कि मां की तहरीर पर केस दर्ज कर लड़की की खोजबीन जारी हैं।

चोरी के 12 ड्रम केमिकल व अवैध हथियार समेत दो अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता, जगदीशपुर (अमेठी)

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

अमृत विचार । चेकिंग के दौरान बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने एक पिकअप वाहन पर लदे चोरी के केमिकल से भरे 12 ड्रम बरामद करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान एक अभियुक्त के कब्जे से अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान जितेन्द्र कुमार पुत्र राजकुमार चौहान, निवासी रायपुर मजरे पलिया चंदापुर, थाना मुसाफिरखाना, जनपद अमेठी व नीरज पाण्डेय पुत्र चन्द्र नारायण पाण्डेय, निवासी जेनपुर, थाना जामो, जनपद अमेठी के रूप मे हुई है,

पुलिस तलाशी में अभियुक्त नीरज पाण्डेय के कब्जे से एक तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ। वहीं पिकअप वाहन पर लदे केमिकल के संबंध में पूछे जाने पर अभियुक्त वाहन के वैध कागजात भी प्रस्तुत नहीं कर सके। पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे लोग डीजल चोरी के कार्य में संलिप्त हैं। आरोपियों ने बताया कि टैंकरों से डीजल चोरी कर उसमें विशेष केमिकल मिलाया जाता है। इस अवैध कारोबार की मुख्य डीलिंग धीरेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र दूधनाथ सिंह, निवासी रामपुर चौधरी, थाना जामो, जनपद अमेठी द्वारा की जाती थी। उसी के द्वारा केमिकल के ड्रम उपलब्ध कराए गए थे और अंडरपास के पास टैंकर से डीजल उतारकर उसमें केमिकल मिलाने की योजना थी।

सिटी डायरी

सभागार एवं मनरेगा पार्क का लोकार्पण करते क्षेत्रीय विधायक अशोक कुमार, मौजूद अन्य। अमृत विचार

पारदर्शिता के साथ कराए जा रहे विकास कार्य : अशोक

सलोन (रायबरेली)। क्षेत्र के ग्राम केवलपुरमाफी में संकुल स्तरीय संघ के लिए निर्मित कक्ष/सभागार एवं मनरेगा पार्क का क्षेत्रीय विधायक अशोक कुमार कोरी ने गुरुवार को लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा है कि गांवों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ रोजगार और सामाजिक गतिविधियों के लिए स्थायी ढांचा विकसित किया जाए। विधायक ने कहा कि भाजपा सरकार में गांव, गरीब, किसान और मजदूर को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में विकास कार्य पारदर्शिता के साथ कराए जा रहे हैं, जिससे आम जन को सीधा लाभ मिल रहा है। इस दौरान ग्राम प्रधान कमलेश कुमार ने विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। यहां खंड विकास अधिकारी शशि कुमार तिवारी, ग्राम विकास अधिकारी केके पांडेय, प्रधान संघ अध्यक्ष रामकुमार जायसवाल रहे।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु।।

कलश यात्रा का हुआ स्वागत

सलोन (रायबरेली)। नगर के रामलीला मैदान में बुधवार को आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ कलश शोभायात्रा एवं आकर्षक झांकियों के साथ हुआ। भक्तिमय वातावरण में निकली कलश यात्रा का नगरवासियों ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कथा स्थल पर पहुंचने पर कथाव्यास आचार्य प्रद्युम्न जी महाराज का श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर अभिनंदन किया। कथा के प्रथम दिवस आचार्य प्रद्युम्न जी महाराज ने शुकदेव जी के जन्म, नारद चरित्र, श्रीमद्भागवत की रचना सहित विभिन्न प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कथा श्रवण के लिए गुड्डू पांडेय, नगर अध्यक्ष चंद्रशेखर रस्तोगी, नागार्जुन गुप्ता, बिपिन कौशल, मुरारी लाल साहू, सुभाष जायसवाल, अनूप गुप्ता, अमन जायसवाल सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष मौजूद रहे।

अध्यक्ष को प्रमाण पत्र देते बृजेश सिंह।

बाल गोविंद निर्विरोध शाखा प्रतिनिधि निर्वाचित

अमेठी। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड की अमेठी शाखा के चुनाव में बाल गोविंद द्विवेदी लगातार नौवीं बार निर्विरोध शाखा प्रतिनिधि निर्वाचित हुए। अमेठी ब्लॉक सभागार में संपन्न निर्वाचन प्रक्रिया के बाद निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार सिंह ने उन्हें विजय प्रमाण-पत्र सौंपा। नौवीं बार निर्विरोध चुना जाना उनकी लोकप्रियता और सहकारिता क्षेत्र में किए गए कार्यों के प्रति विश्वास को दर्शाता है। द्विवेदी ने इसे सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि वे किसानों को आसान ऋण सुविधा, पारदर्शी सेवाएँ और सहकारी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे।

धरना-प्रदर्शन करतीं आशा बहुएं, मौजूद पूर्व विधायक व अन्य। अमृत विचार

मांगों को लेकर आशा बहुओं ने किया प्रदर्शन

सरेनी (रायबरेली)। बुधवार को अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आशा बहू वर्कर्स यूनियन के नेतृत्व में आशा बहुओं ने धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक धीरेंद्र बहादुर सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया कि आशा बहुओं को प्रतिमाह पंद्रह से बीस हजार एक मुश्त मानदेय दिया जाए। इसके अलावां राज्य कर्मचारी का दर्जा प्राप्त होने की मांग की गई। इस मौके पर नीता रानी मौर्य, शिव कांति, संतोष कुमारी, मंजरी देवी, लक्ष्मी कुमारी, रेनू, विमला, सुमन आदि मौजूद रहीं।

आयोजन | अमेठी से डॉ. संजय सिंह ने फूंका 'पूर्वांचल राज्य संयुक्त संकल्प मंच' का बिगुल

पूर्वांचल राज्य की उठी मांग, चलेगा जनजागरण

संवाददाता, अमेठी

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉक्टर संजय सिंह व मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश की राजनीति के केंद्र अमेठी में बुधवार को एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक आंदोलन की आहट सुनाई दी। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजय सिंह और पूर्व प्राविधिक शिक्षा मंत्री डॉ. अमीता सिंह द्वारा आयोजित 'खिचड़ी भोज एवं स्नेह मिलन' कार्यक्रम में पृथक पूर्वांचल राज्य के गठन की जोरदार मांग उठाई गई। इस दौरान डॉ. संजय सिंह ने 'पूर्वांचल राज्य संयुक्त संकल्प मंच' के माध्यम से एक बड़े अभियान की घोषणा की।

जनसभा को संबोधित करते हुए डॉ. संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की विशाल जनसंख्या के कारण सुशासन और लोकतंत्र का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं है। उन्होंने प्रस्ताव रखा कि 8 मंडलों के 28 जिलों को मिलाकर पूर्वांचल राज्य बनाया जाए। इसमें वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, गोरखपुर, आजमगढ़, मिर्जापुर, बस्ती, गोंडा, सुल्तानपुर, अमेठी सहित कुल 28 जिले होंगे। अनुमानित आबादी लगभग 7.98 करोड़, जो इसे देश का 14वां सबसे बड़ा राज्य बनाएगी। उन्होंने राज्य गठन के लिए संघर्ष कर रहे सभी संगठनों और सेनानियों को एक मंच पर आने के लिए आमंत्रित किया।

पूर्व मंत्री डॉ. अमीता सिंह ने पूर्वांचल की सांस्कृतिक और आर्थिक शक्ति का उल्लेख करते हुए प्रशासनिक ढांचे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाषाई और सांस्कृतिक पहचान होने के बावजूद प्रशासनिक उपेक्षा के कारण यह क्षेत्र आर्थिक रूप से पिछड़ गया है। जब मुंबई, सूरत, लुधियाना, सिंगापुर, दुबई और सिलिकॉन वैली को हमारे लोगों ने अपने श्रम से सींचा है, तो हमें अपना राज्य दे दीजिए। हम पूर्वांचल को जापान बनाने की शक्ति और संकल्प रखते हैं। डॉ. अमीता सिंह ने क्षेत्र की समस्याओं और संसाधनों पर विस्तार से चर्चा की। कहा कि मिर्जापुर-सोनभद्र की खनिज संपदा और बिजली उत्पादन केंद्र,अयोध्या, काशी, प्रयागराज का आध्यात्मिक सर्किट और बुद्ध सर्किट से विदेशी मुद्रा की संभावना है।नेपाल से आने वाली नदियों के जल प्रबंधन का अभाव, बाढ़ की समस्या और उच्च शिक्षा व चिकित्सा सुविधाओं की कमी है।कार्यक्रम के अंत में उन्होंने आह्वान किया कि यदि पूर्वांचल के सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन एकजुट हो जाएं, तो इस मांग को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि पृथक प्रशासनिक ढांचा ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने का एकमात्र रास्ता है।

अमृत विचार

गुरुवार, 22 जनवरी 2026

जिस तरह से विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न धाराएं अपना जल समुद्र में मिला देती हैं, उसी प्रकार मनुष्य द्वारा चुना हर मार्ग, चाहे अच्छा हो या बुरा भगवान तक जाता है।

–स्वामी विवेकानंद

भाजपा में नवीन युग

पार्टी के पैदा होने के बाद जन्म लेने वाले 45 साल के नितिन नवीन भाजपा यानी दुनिया की सबसे बड़ी और भारत की सबसे अमीर राजनीतिक पार्टी 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बनना केवल एक व्यक्ति का उदय नहीं, बल्कि राजनीति की कार्यशैली में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत है। स्वाभाविक है कि इसका असर अन्य दलों पर भी पड़ेगा और वहां भी युवा नेतृत्व को आगे लाने का दबाव बनेगा। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल या अन्य तमाम क्षेत्रीय दलों में भी यह सवाल उठ सकता है कि क्या वे भी नेतृत्व की बागडोर नई पीढ़ी को सौंपने का साहस कर सकते हैं। यदि वास्तव में युवाओं को निर्णायक जिम्मेदारी मिलती है, तो पार्टी व राजनीति दोनों में कुछ सकारात्मक बदलाव दिख सकते हैं। युवाओं की सोच अपेक्षाकृत अधिक तकनीक-संवेदी, डेटा-आधारित और परिणामोन्मुख होती है। संगठन में पारदर्शिता, जवाबदेही, सोशल मीडिया व जमीनी नेटवर्क का बेहतर तालमेल और जाति-गणित से आगे बढ़कर विकास व अवसर की राजनीति को प्राथमिकता मिलने की संभावना बढ़ेगी। हालांकि अनुभव की कमी एक चुनौती रहेगी, लेकिन सही मार्गदर्शन के साथ यह कमजोरी ताकत में बदली जा सकती है। संभव है संसदीय बोर्ड और राष्ट्रीय महासचिव जैसे शीर्ष निकायों में भी युवा बदलाव आए। कार्यकारिणी में 60-70 प्रतिशत युवाओं को शामिल करने का वादा कठिन जरूर है, पर असंभव नहीं। इसके लिए संगठन को वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा के संतुलन का मॉडल अपनाना होगा। नए अध्यक्ष के सामने तात्कालिक चुनौती संगठनात्मक अनुशासन यथावत रखने और आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदर्शन सुधारने की होगी, जबकि दीर्घकालिक चुनौती 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है, जो परिसीमन के बाद होंगे। सरकार, संघ और संगठन के बीच तालमेल बैठाना उनकी सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

यूपी की राजनीति नितिन नवीन के लिए निर्णायक साबित होगी। 2027 में सत्ता की हैट्रिक का लक्ष्य संगठन पर भारी दबाव डालेगा। लोकसभा चुनाव में पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक समीकरण का असर दिख चुका है, जिसकी काट के लिए सामाजिक प्रतिनिधित्व, स्थानीय नेतृत्व और कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावी डिलीवरी पर जोर देना होगा। दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में भी परीक्षा कम नहीं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी के चुनाव भाजपा के लिए अलग-अलग तरह की चुनौतियां पेश करते हैं। असम में वापसी और बंगाल में जीत संभव है, लेकिन तमिलनाडु व केरल में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना दीर्घकालिक रणनीति मांगता है। महिला आरक्षण लागू होने की स्थिति में 33 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों का चयन संगठनात्मक ढांचे को नए सिरे से गढ़ने की मांग करेगा। परिसीमन के बाद उत्तर-दक्षिण संतुलन और 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर सहमति बनाना भी नवीन के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियां होंगी। साथ ही 2029 तक नरेंद्र मोदी के बाद के नेतृत्व को लेकर चलने वाली अटकलों के बीच उन्हें आलाकमान के फैसलों और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। नए पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे युवा ऊर्जा को संस्थागत अनुशासन और वैचारिक निरंतरता के साथ कितनी कुशलता से जोड़ पाते हैं।

प्रसंगवश

संघ का सतत सेवा कार्य

भारतीय समाज अपनी सहनशीलता और समन्वय की क्षमता के लिए विश्वविख्यात है। इस विशाल समाज के बीच यदि कोई संस्था अपने ध्येय, अनुशासन और सात्विक सेवा के कारण जनमानस के हृदय में स्थान बनाए हुए है, तो वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 1925 में डॉ. हेडगेवार द्वारा मात्र एक शाखा से रोपित यह बीज आज विश्व के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन के रूप में वटवृक्ष बन चुका है। संघ का लक्ष्य राजनीतिक लाभ या प्रचार नहीं, बल्कि एक संगठित, सशक्त और स्वाभिमानी राष्ट्र का निर्माण है, जिसे वह चरित्र निर्माण और सतत सेवा के जरिए पूरा करता है। संघ की सेवा-परंपरा "सबका हित, सबका उन्नयन" के मूल चिंतन का विस्तार है। संघ मानता है कि समाज तभी प्रगति कर सकता है, जब प्रत्येक नागरिक एक-दूसरे के प्रति उत्तरदायी बने। यही कारण है कि शाखा-व्यवस्था में शारीरिक और बौद्धिक संस्कारों के साथ-साथ 'सेवा' को प्रमुख स्थान दिया गया। आज संघ और उसके प्रेरित संगठनों द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामविकास और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हजारों प्रकल्प सक्रिय हैं, जो किसी प्रचार के बिना मौन तपस्या की तरह कार्य कर रहे हैं। संघ के सेवा-कार्य का आधार उसका स्वयंसेवक है, जो किसी वेतन या पुरस्कार की अपेक्षा के बिना राष्ट्र-समर्पण के भाव से कार्य करता है। शाखाओं में यह भाव जागृत किया जाता है कि "समाज की पीड़ा मेरी पीड़ा है।" इसीलिए संघ का कार्य राजनीतिक परिस्थितियों से प्रभावित हुए बिना निरंतर और आत्मनिष्ठा पर आधारित रहता है। आज सुदूर ग्रामीण इलाकों, जनजातीय क्षेत्रों और शहरी मलिन बस्तियों तक सेवा भारती, विद्या भारती, वनवासी कल्याण आश्रम और राष्ट्रीय सेवा भारती जैसे संगठन सक्रिय हैं।

प्रो. विवेकानंद तिवारी

अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

शिक्षा और स्वास्थ्यः शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती और एकल विद्यालय न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं, बल्कि उसे भारतीय मूल्यों और सामाजिक समरसता से जोड़ रहे हैं। स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा भारती के चल चिकित्सा केंद्र, निःशुल्क अस्पताल और रक्तदान शिविर समाज के कमजोर वर्गों तक पहुंच रहे हैं। कोरोना महामारी के दौरान स्वयंसेवकों ने भोजन वितरण से लेकर अंतिम संस्कार तक के कार्यों को जिस निष्ठा से संपन्न किया, उसने इस सेवा-तंत्र की सक्षमता को सिद्ध कर दिया। ग्रामविकास और आपदा प्रबंधनः दीनदयाल शोध संस्थान जैसे प्रकल्पों ने 'समग्र ग्राम विकास' का मॉडल प्रस्तुत किया है, जो आत्मनिर्भर ग्रामों का निर्माण करता है। इसी प्रकार वनवासी कल्याण आश्रम जनजातीय समाज के उत्थान और संस्कृति-संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आपदा प्रबंधन में भी संघ के स्वयंसेवक सबसे पहले पहुंचने वाली टोली होते हैं। भूकंप, बाढ़ या महामारी हर संकट में स्वयंसेवकों ने बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास के कार्य किए हैं।

संघ के सेवा-कार्य का सबसे अद्भुत पक्ष यह है कि ये कार्य किसी एक केंद्रीय आदेश से नियंत्रित नहीं होते। प्रत्येक स्वयंसेवक, प्रत्येक शाखा, प्रत्येक विभाग और प्रत्येक आनुषंगिक संगठन सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए स्वयं ही प्रकल्प प्रारंभ करता है। संघ की रचना लोकतांत्रिक, विकेंद्रित और आत्मनिर्भर है। इसीलिए यह सेवा-कार्य लंबी अवधि तक स्थिर, प्रभावी और सतत बना रहता है। संघ अपने स्वयंसेवकों को केवल सेवा का नहीं, बल्कि सहअस्तित्व, समरसता, स्वावलंबन और संस्कारयुक्त समाज के निर्माण का मार्ग दिखाता है। संघ का सेवा-कार्य किसी एक व्यक्ति, संगठन या नेतृत्व पर आधारित नहीं है, यह समाज की अपनी शक्ति, समाज की अपनी संवेदना और समाज की अपनी रचनात्मकता का विस्तार है। सेवा केवल सहायता नहीं, बल्कि परिवर्तन का माध्यम है और यही परिवर्तन संघ के कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

आरएसएस के पंच परिवर्तन से समाज में आएगा बदलाव

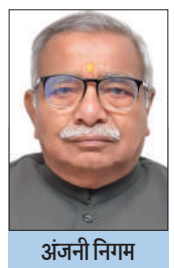

अंजनी निगम

वरिष्ठ पत्रकार, कानपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ देश ही नहीं विश्व का सबसे बड़ा गैर-सरकारी स्वयंसेवी सामाजिक संगठन है, जो कहीं से भी अनुदान नहीं लेता, बल्कि अपने स्वयंसेवकों के माध्यम से देश के लोगों में राष्ट्र सर्वोपरि की भावना बीते सौ सालों से जगा रहा है। विक्रम संवत 1982 में विजयादशमी अर्थात 27 सितंबर 1925 को नागपुर में संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करने के उद्देश्य से इस कार्य की शुरुआत हुई थी और अपनी शाखाओं के माध्यम से और समाज की सहभागिता से संगठन सौ वर्षों से निरंतर इस कार्य को कर रहा है।

संघ की स्थापना डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार ने की थी। वर्ष प्रतिपदा अर्थात पहली अप्रैल 1889 को जन्मे केशव बचपन में एक स्कूल में पढ़ते थे, जहां निरीक्षण के लिए अंग्रेज इंस्पेक्टर आया, तो उसके स्वागत में अपने साथियों के साथ वंदेमातरम् का गायन किया और परिणामस्वरूप उन्हें स्कूल से निकाल दिया गया। डॉक्टरी की पढ़ाई करने कोलकाता गए, तो वहां क्रांतिकारियों के संगठन से जुड़ गए और 1921 में महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरु हुए असहयोग आंदोलन में सत्याग्रह कर जेल गए जहां एक साल रहे। कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना होने के बाद वे जीवनपर्यंत इसी कार्य में लगे रहे। उनकी ध्येय निष्ठा और लगन का ही परिणाम है कि इस समय देश के 924 जिलों में से 98 फीसद से अधिक में संघ की शाखाएं चल रही हैं।

इन सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है। अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में संघ ने संगठन को समाज व्यापी बनाने के लिए कई कार्यों का प्रारंभ किया है, जिनमें सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कार्य है पंच परिवर्तन। संघ मानता है कि राजनीतिक सत्ता पर आश्रित न रहकर समाज आधारित रचनाएं खड़ी करने के आग्रह के कारण परिवर्तन शास्वत परिणाम में परिवर्तित होता है। संघ की शाखाओं में इस बात को लेकर एक गीत "केवल सत्ता से मत करना परिवर्तन की आस, जागृत जनता के केन्द्रों से होगा अमर समाज" गाया जाता है। बस इसी गीत को चरितार्थ करने और समाज के स्वभाव में समरस करने के भाव से संघ ने पांच विशिष्ट कार्य अपने हाथ में लिए हैं, जिनमें सबसे पहला है "सामाजिक समरसता"।

देश की स्वतंत्रता के बाद बने संविधान में राजनीतिक समानता और सामाजिक समरसता को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। सामाजिक समानता बंधुता के बिना नहीं आ सकती है, भेदभाव की भावना से मुक्त हुए बिना समानता बहुत ही कठिन कार्य है। सामाजिक समरसता हिंदू समाज की स्वाभाविक विशेषता है, लेकिन विभिन्न कारणों से सामाजिक भेदभाव और कुरीतियों का लंबे समय तक प्रचलन रहा, जिसके परिणामस्वरूप समाज के कुछ अंगों को लगातार प्रताड़ना झेलनी पड़ी। इस सामाजिक बुराई को समाप्त करना अति आवश्यक है। भगवान श्रीकृष्ण भी गीता में कहते हैं कि चारो वर्ण गुण और कर्म पर आधारित हैं, न कि जन्म पर।

किसी भी धर्मग्रंथ में भी जन्म आधारित भेदभाव का जिक्र नहीं है और कोई भी कार्य ऊंचा या नीचा नहीं होता है। धर्म के अनुरूप समाज के हित में किया गया हर कार्य सत्कर्म होता है। शारीरिक कार्य भी उतना ही अधिक महत्व रखता है जितना बौद्धिक कार्य, लेकिन बीच के काल में हमारे समाज में यह बुराई आ गई कि जो जिस परिवार में जन्मा उसे उसी कार्य को करने का अधिकार है। संघ कहता है "हिन्दवः सोदरा सर्वे, न हिन्दु पतितो भवेत" अर्थात सारे हिन्दू भाई हैं और कोई भी पतित नहीं है। समरसता के भाव से ही समाज में समानता आती है। मंदिर में प्रवेश, जल के स्रोत, श्मशान व सार्वजनिक क्षेत्र सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हों, यह कार्य सभी को मिलकर सुनिश्चित करना होगा। संघ के पंच परिवर्तन का दूसरा आयाम पर्यावरण संरक्षण है। पर्यावरण असंतुलन आज विश्व की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। पर्यावरणीय असंतुलन के परिणाम स्वरूप "ग्लोबल वार्मिंग" का खतरा हर ओर मंडरा रहा है, जिसे ठीक करने के लिए सबको मिलकर आगे आना होगा। जंगलों के महत्व को समझने के साथ ही पानी का संतुलित उपयोग करना होगा।

पंच परिवर्तन में तीसरा कार्य कुटुंब प्रबोधन का है। भारतीय दर्शन में परिवार को समाज की सबसे छोटी इकाई माना गया है। हमें अपने परिवारों में पुत्र-पुत्रियों, नाती-पोतों के साथ आनंद के संग रहना चाहिए। घर में यदि रोज न संभव हो, तो सप्ताह में एक दिन सब मिलकर मोबाइल और टीवी से दूरकर साथ भोजन और भजन करें। एक दूसरे के साथ मधुर संवाद करते हुए मातृशक्ति का सम्मान करें और समाज के सामने आदर्श हिंदू परिवार का उदाहरण प्रस्तुत करें।

स्व की भावना का संचार करना चौथा परिवर्तन है। आर्थिक हों या सांस्कृतिक हर क्षेत्र में हमें स्व की भावना को सर्वोपरि रखते हुए अपने पैरों पर खड़े होना है। स्वदेशी जीवनशैली न केवल आर्थिक, बल्कि व्यापक और व्यावहारिक बदलाव लाएगी। स्वभाषा, स्वभूषा और स्वसंस्कृति को समझने के साथ ही उसे अपनाते हुए गर्वानुभूति होना चाहिए। पांचवां और अंतिम परिवर्तन नागरिक कर्तव्यबोध और शिष्टाचार है। प्रत्येक नागरिक में यह बोध जगाना होगा कि वे अपने देश के संविधान, प्रतीकों और राष्ट्रीयता का सम्मान करें। चुनावों को देशहित में मानते हुए मतदान अवश्य करें। सड़क पर चलते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें। व्यक्तिगत रूप से नागरिक कर्तव्यों का पालन करने से ही जागृत समाज का निर्माण हो सकेगा।

सौ वर्षों में संघ के कार्य ने इतना अधिक विस्तार किया है कि हर कोई उसे जानता समझता है, कुछ लोग संघ की आलोचना भी करते हैं, लेकिन संघ उन बातों की परवाह न करते हुए अपने कार्य को करता चला जा रहा है।

आमने

नई भाजपा के अंदर अब मजबूत व्यक्तित्व वाले और अपनी ख़ुद की राजनैतिक जमीन वाले नेताओं के लिए क्या बचा है? नितिन को बॉस कहकर वो अपने अहम को आश्वस्त कर रहे हैं कि उनको "संजय जोशी" या "नितिन गडकरी" को बॉस कहने में कितनी तकलीफ होती। मोदी ने अपने पीएम बनने के बाद किसी भी महत्वपूर्ण पद पर किसी मजबूत व्यक्तित्व को नहीं बैठने दिया। – **सौरभ भारद्वाज**

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, आप

सामने

जिस पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है और जो केवल एक व्यक्ति के इशारों पर चलती है, उसे दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक राजनीतिक संगठन पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। आप चार लोगों का गैंग है, उन्हें राजनीतिक पार्टी कोई मानता नहीं है और उनसे ये आशा करना कि पीएम मोदी के बयान की गरिमा समझ आएगी ऐसी हम उनसे आशा भी नहीं करते हैं।

– **कपिल मिश्रा**, बीजेपी उपाध्यक्ष, दिल्ली

नारी शक्तिः भारत @2047 की आधार स्तंभ

डॉ सुनिधि मिश्रा

स्वतंत्र लेखिका

भारत @2047 का विजन केवल तेज आर्थिक वृद्धि, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर या वैश्विक शक्ति बनने तक सीमित नहीं है। यह सपना एक समावेशी, न्यायपूर्ण और मानव-केंद्रित विकास की कल्पना करता है, जिसमें महिलाओं की भूमिका केंद्रीय हो। आज की भारतीय महिलाएं अब केवल बदलाव की प्रतीक नहीं रहीं, वे बदलाव की दिशा और गति दोनों तय कर रही हैं। हाल के वर्षों के सर्वे, रिपोर्ट और आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि महिला शक्ति भारत के भविष्य की सबसे मजबूत नींव बन सकती है। शिक्षा इस परिवर्तन की पहली और सबसे मजबूत कड़ी है।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (2021-22) के अनुसार, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन लगभग 49–50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। यह अपने आप में ऐतिहासिक बदलाव है, क्योंकि कुछ दशक पहले तक उच्च शिक्षा पर पुरुषों का वर्चस्व माना जाता था। आज महिलाएं न केवल कला और सामाजिक विज्ञान, बल्कि विज्ञान, चिकित्सा, प्रबंधन और तकनीकी विषयों में भी आगे बढ़ रही हैं। यह बदलाव केवल डिग्रियों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि आने वाले वर्षों में एक कुशल, आत्मनिर्भर और जागरूक महिला कार्यबल की नींव रख रहा है, जो किसी भी विकसित राष्ट्र की बुनियादी आवश्यकता है।

शिक्षा के बाद अगला महत्वपूर्ण चरण आर्थिक भागीदारी का है। पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (2023-24) बताता है कि भारत में महिलाओं की श्रमबल भागीदारी दर बढ़कर लगभग 37 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो 2017-18 के मुकाबले एक उल्लेखनीय वृद्धि है। यह दर्शाता है कि महिलाएं धीरे-धीरे कार्यबल में अपनी जगह बना रही हैं। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि अधिक दिखाई देती है, जहां महिलाएं कृषि, पशुपालन, लघु उद्योग और स्वयं सहायता समूहों के जरिये आर्थिक गतिविधियों से जुड़ रही हैं। हालांकि यह भी सच है कि अभी बड़ी संख्या में महिलाएं अनौपचारिक और असुरक्षित कामों में लगी हैं, लेकिन यह बढ़ती भागीदारी भविष्य के औपचारिक व गुणवत्तापूर्ण रोजगार की दिशा में पहला कदम है।

स्वयं सहायता समूह आंदोलन भारत में महिला सशक्तिकरण की सबसे सफल कहानियों में से एक बन चुका है। विश्व बैंक और ग्रामीण विकास मंत्रालय के आंकड़े बताते हैं कि करोड़ों महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़कर माइक्रो-क्रेडिट, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इन समूहों ने महिलाओं को केवल आय का साधन नहीं दिया, बल्कि निर्णय लेने की शक्ति और सामाजिक सम्मान भी दिया है। यह नीचे से ऊपर आने वाला विकास मॉडल भारत @2047 के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह विकास को केवल शहरों तक सीमित नहीं रखता।

डिजिटल इंडिया ने महिला शक्ति को एक नया आयाम दिया है। आईएमएआई और अन्य डिजिटल सर्वेक्षणों के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी अब लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है और यह लगातार बढ़ रही है। डिजिटल भुगतान, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शिक्षा ने महिलाओं के लिए नए अवसर खोले हैं। आज एक ग्रामीण महिला भी मोबाइल फोन के जरिए बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकती है, ऑनलाइन प्रशिक्षण ले सकती है और अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंचा सकती है। यह डिजिटल सशक्तिकरण भारत @2047 के उस सपने को मजबूत करता है, जहां विकास समावेशी और तकनीक-आधारित हो। स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में महिलाएं विकसित भारत की आधारशिला हैं। एनएफएचएस-5 के अनुसार, भारत में अभी भी लगभग 57 प्रतिशत महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं-यह एक बड़ी चुनौती है, लेकिन साथ ही यह भी सच है कि मातृ स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। महिलाएं अब केवल परिवार की देखभाल करने वाली नहीं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को लेकर निर्णय लेने वाली बन रही हैं। स्वस्थ महिला का अर्थ है स्वस्थ परिवार और स्वस्थ भविष्य की पीढ़ी, जो भारत @2047 के मानव संसाधन को मजबूत बनाएगा।

नेतृत्व और शासन में महिलाओं की बढ़ती भूमिका भी भारत के विकास की दिशा बदल रही है। पंचायत स्तर पर महिला प्रतिनिधित्व कई राज्यों में लगभग 50 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। इससे शिक्षा, जल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिकता मिली है। शोध बताते हैं कि महिला नेतृत्व वाले क्षेत्रों में सामाजिक सूचकांक बेहतर होते हैं।

नई पीढ़ी की महिलाएं भारत @2047 की सबसे बड़ी शक्ति हैं। वे परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रही हैं। वे करियर, परिवार, स्वास्थ्य और आत्मसम्मान सबको एक साथ महत्व देना चाहती हैं। यह सोच भारत के विकास को अधिक मानवीय और टिकाऊ बना सकती है। चुनौतियां अब भी मौजूद हैं- समान वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, डिजिटल सुरक्षा और सामाजिक सोच में बदलाव,लेकिन सकारात्मक संकेत यह है कि दिशा स्पष्ट है और गति भी।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा, क्योंकि महिलाओं पर किया गया हर निवेश शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता के रूप में कई गुना लौटता है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो केवल वे ही नहीं बढ़तीं, पूरा देश आगे बढ़ता है।

विकसित भारत @2047 का सपना किसी एक योजना या नीति से पूरा नहीं होगा। यह सपना तभी साकार होगा, जब महिला शक्ति को निवेश की तरह देखा जाएगा।

सोशल फोरम

किताबों की ड्रॉइंग नहीं सड़कें

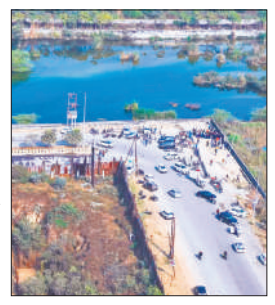

इस इंजीनियरिंग मार्वल को देखिए, नब्बे डिग्री का सीधा मोड़। यह नोएडा की वही जगह, वही सड़क, जहां बीते दिनों कोहरे भरी रात में इंजीनियर युवराज इस मोड़ को देख नहीं पाए। सच कहें तो सिर्फ कोहरा ही वजह नहीं था। साफ रात में भी यहां हादसा होना तय था। इतनी तीखी मोड़ वाली सड़क और सामने गड्ढा, यह किसी दुर्घटना का इंतजार नहीं, उसका न्योता है। पिछले कई सालों से इंटरनेट पर इन "इंजीनियरिंग चमत्कारों" पर बहस होती रही है। हर बार लोक निर्माण विभाग के तेज-तर्रार इंजीनियर पूरी आत्मविश्वास से समझाते रहे कि ऐसे नब्बे डिग्री मोड़ क्यों जरूरी हैं। तर्क इतने तकनीकी होते हैं कि आम आदमी चुप हो जाए। इसी सड़क की तस्वीरें अमेरिका के सोशल मीडिया पर मीम बनकर भारत और उसकी तकनीक का मजाक उड़ाते हुए घूमती रहीं हैं। भारतीय होने के नाते खून खौलता है, लेकिन उससे ज्यादा गुस्सा तब आता है, जब अपने ही लोग इन्हें गर्व से "इंजीनियरिंग" कहते हैं। इसी जगह कुछ दिन पहले एक ट्रक ड्राइवर भी कोहरे में यह मोड़ नहीं देख पाया। कोहरा हो या न हो- ऐसी सड़क बनाना ही अपराध है। ट्रक अस्थायी बैरिकेड तोड़ते हुए नीचे गड्ढे में जा गिरा। किस्मत अच्छी थी, लोगों ने बचा लिया, वह जिंदा निकल गया। प्रशासन ने क्या किया? कुछ नहीं। वही टूटा बैरिकेड, वही अंधेरा, वही गंदा पानी।

नितिन त्रिपाठी

लेखक, लखनऊ

कुछ दिन बाद उसी जगह युवराज पहुंचा, लेकिन तब तक अस्थायी बैरिकेड पहले ही टूट चुका था। इस बार किस्मत ने साथ नहीं दिया। हमारे यहां सिस्टम को जगाने के लिए हमेशा एक मानव बलि चाहिए। इस बार वह बलि एक युवा इंजीनियर युवराज के रूप में मिली। अब देखिए, वही विभाग हरकत में आ गया है। गड्ढा भरेगा, सीवेज साफ होगा, पानी निकलेगा, स्थायी बैरिकेड लगेंगे, तेज रोशनी होगी, चेतावनी बोर्ड लगेंगे। सब कुछ होगा, क्योंकि अब एक जान जा चुकी है, लेकिन यह भी स्थायी समाधान नहीं है। स्थायी समाधान यह नहीं कि हादसे के बाद मरम्मत की जाए। स्थायी समाधान यह है कि ऐसी सड़कें बनाई ही न जाएं और अगर किसी मजबूरी में बनानी ही हों, तो मोड़ से बहुत पहले स्पीड कंट्रोल की व्यवस्था हो, रोड डिजाइन ऐसा हो कि गाड़ी की रफ्तार अपने आप 30-35 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा न हो। सड़कें किताबों की ड्रॉइंग नहीं होतीं। उन पर इंसान चलते हैं, जब इंजीनियरिंग संवेदनहीन हो जाती है, तब हर मोड़ पर कोई न कोई युवराज इंतजार कर रहा होता है, सिस्टम को जगाने के लिए।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

नवीन की वरिष्ठों संग समन्वय बिठाने की रहेगी चुनौती

नितिन नवीन को पार्टी की कमान सौंपकर भारतीय जनता पार्टी ने सियासी पटल पर एक नई इबारत लिखी है। पार्टी में वरिष्ठों और अनुभवी नेताओं की लंबी कतार होने के बावजूद एक युवा नेता को अध्यक्ष बनाने का सीधा-सीधा मतलब है कि भारतीय राजनीति में नई संस्कृति को बढ़ावा देना। दरअसल, ये ऐसा सियासी संदेश है, जिसे दूसरे दलो को भी सीखना चाहिए। देश में तमाम दल ऐसे हैं, जो परिवार से घिरे हैं। उनके यहां अध्यक्ष पार्टी से किसी सामान्य कार्यकर्ताओं को बनाने की रत्ती भर भी परंपरा नहीं है। कोई सोच भी नहीं सकता कि टीएमसी, शिवसेना, सपा, बसपा, टीडीपी जैसी पार्टियों में कोई सामान्य पार्टी का कार्यकर्ता अध्यक्ष भी बने, लेकिन भाजपा ने नितिन नवीन को अपना अध्यक्ष बनाकर ऐसे दलों को सोचने पर विवश कर दिया है। इस परंपरा को कोई अपनाए या नहीं? लेकिन दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं में चेतनाएं जरूर जग गई हैं। वह भी अपने दल में ऐसे उच्च पदों पर आसीन होने की कल्पनाएं करेंगे। हालांकि ऐसा दूसरे दलों में भी होगा, संभव नहीं?

डॉ .रमेश ठाकुर

वरिष्ठ पत्रकार

नवीन की ताजपोशी किसी चमत्कार से कम नहीं? देशवासी भाजपा के इस कदम को राजनीति में बदलती हुई नई तस्वीर के रूप में देख रहे हैं। बीते 14 दिसंबर को उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और 20 जनवरी को पूर्णकालिक औहदे पर बिठा दिया गया। वह भी निर्विरोध? ये अकल्पनीय है और चमत्कारी फैसले जैसा है। नवीन का कार्यकारी अध्यक्ष का प्रोबेशन समय एक महीना ही रहा। हालांकि तमाम राजनीतिक पंडित नवीन के सामने पार्टी की लय को बरकरार रखने की चुनौती देख रहे हैं। निश्चित रूप से ऐसा देखा जाएगा, कयास भी लगाए जाएंगे, लेकिन संगठन बड़ा है, टीम वर्क बेहतरीन है, साथ ही उन्हें वरिष्ठों की सपोर्ट मिलेगी। इसलिए हो सकता है वह प्रेसर न लें। वैसे, नितिन नवीन की संगठनात्मक क्षमता का आकलन पार्टी अगले एकाध साल में ही कर लेगी, जिसमें बंगाल विधानसभा चुनाव पहली परीक्षा होगी। बंगाल को जीतना पार्टी का न सिर्फ सपना है, बल्कि मोदी-शाह के लिए प्रतिष्ठा का सवाल भी बन हुआ है। नवीन के समक्ष एक सबसे बड़ी चुनौती तो 2014 से भारतीय जनता पार्टी ने जो विस्तार किया है, उसे यथावत रखने की रहेगी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के आगमन के बाद पार्टी में सदस्यों की संख्या पिछले सालों के मुकाबले आधे से ज्यादा बढ़ी। दक्षिण भारत को भेदना अब भाजपा के लिए अंतिम लक्ष्य हो गया है। वह हिस्सा उनसे अभी भी अभेद है। कर्नाटक में पार्टी सरकार बना चुकी है। आंध्र प्रदेश में टीडीपी के गठबंधन में है, लेकिन तेलंगाना, तमिलनाडु में सफलता नहीं मिली है। हालांकि केरल में पहली बार भाजपा का एक इकलौता सांसद बना और तिरुवनंतपुरम में मेयर बनाने में सफल हो चुकी है, पर पूर्णरूपी कब्जा करने की कसक अभी बाकी है। नवीन को इन्हीं चुनौतियों से जूझना पड़ेगा। भाजपा नवीन में संगठनात्मक मजबूती पहले देख चुकी है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत को नितिन नवीन के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्णमोड़ माना जाता है। तब, उनकी बड़े नेताओं ने प्रशंसाएं भी की थी। नवीन तभी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के चहेते बनें। पद को संभालने वाले अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं नवीन, लेकिन उनके करियर को असली रफ्तार साल 2019 में मिली थी, जब उन्हें सिक्किम विधानसभा चुनाव में भाजपा के अभियान की कमान सौंपी गई थी। फिलहाल, भाजपा के नए बॉस अब नितिन नवीन बनें हैं। कैसे होंगे अगले कुछ महीने उनके लिए, पहले से गठित टीम में बदलाव होगा या फिर पुरानी टीम के साथ ही आगे बढ़ेंगे। आगे लगातार चुनाव हैं, किन रणनीतियों पर करेंगे काम, इसका अंदाजा कुछ समय बाद लग जाएगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

करियर के नए विकल्प

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी

पिछले दो दशकों में भारतीय रोजगार व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आया है। एक समय स्थायी नौकरी को ही सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक माना जाता था, लेकिन वैश्वीकरण, डिजिटलीकरण और तकनीकी नवाचार ने करियर की पारंपरिक अवधारणा को चुनौती दी है। भारतीय जेन-जी यानी 18 से 27 वर्ष की उम्र के युवाओं का करियर को लेकर नजरिया तेजी से बदल रहा है। लिंक्डइन और रैंडस्टैड के संयुक्त अध्ययन पर आधारित हालिया रिपोर्ट बताती है कि आज का युवा वर्ग पारंपरिक नौकरियों से ज्यादा साइड इनकम और फ्रीलांसिंग को प्राथमिकता दे रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जेन-जी अब केवल स्थिर नौकरी या तयशुदा करियर पाथ पर भरोसा नहीं कर रही, बल्कि वह अपनी स्किल, आजादी और डिजिटल प्लेटफॉर्म की ताकत पर दांव लगा रही है। आज स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी केवल वैकल्पिक रोजगार नहीं, बल्कि मुख्यधारा के करियर विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। सफलता उसी युवा को मिलेगी, जो इन विकल्पों को ट्रेंड नहीं, बल्कि सोच-समझकर चुना गया रास्ता माने। हालांकि इस क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। आइए आज इसके पहलुओं पर विस्तृत विश्लेषण करते हैं।

सत्यदत्त शुक्ला
चार्टर्ड अकाउंटेंट, लखनऊ

अवसरों का विस्तार

भारत आज दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम में गिना जाता है। सरकारी और निजी रिपोर्टों के अनुसार देश में लगभग दो लाख पंजीकृत स्टार्टअप सक्रिय हैं, जो सीधे और परोक्ष रूप से लाखों युवाओं को रोजगार प्रदान कर रहे हैं। स्टार्टअप संस्कृति युवाओं को पारंपरिक पदानुक्रम से अलग, नवाचार और जिम्मेदारी का अवसर देती है। यहां कार्यक्षेत्र सीमित नहीं होता। एक कर्मचारी को कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं, जिससे सीखने की गति तेज होती है। इसके साथ ही स्टार्टअप संस्कृति अपने आसपास के युवाओं को रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करती है।

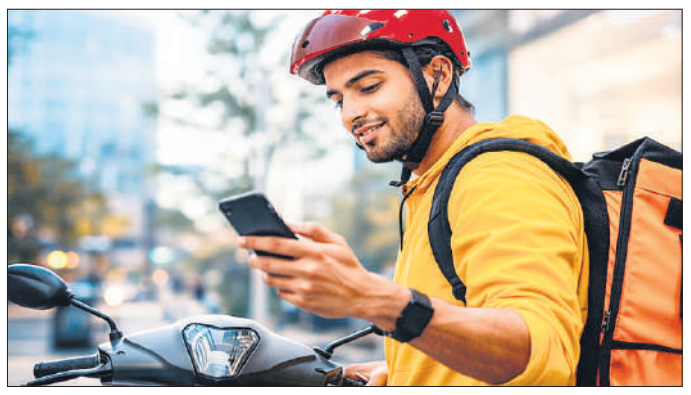

फ्रीलांस अर्थव्यवस्था: कौशल का बाजार

डिजिटल प्लेटफॉर्म के विस्तार के साथ फ्रीलांसिंग तेजी से बढ़ी है। विभिन्न आकलनों के अनुसार भारत में दो करोड़ से अधिक लोग किसी न किसी प्रकार से फ्रीलांस काम से जुड़े हैं। कंटेंट लेखन, डिजाइन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन शिक्षण इस क्षेत्र के प्रमुख हिस्से बनकर उभरे हैं। फ्रीलांसिंग में डिग्री से ज्यादा महत्व कौशल और अनुभव का है। यही कारण है कि पारंपरिक शिक्षा से बाहर रह गए युवा भी इस मॉडल के जरिए आय अर्जित कर पा रहे हैं।

गिग इकोनॉमी: त्वरित आय

गिग इकोनॉमी का दायरा अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे शहरों और कस्बों तक तेजी से फैल चुका है। कैब सेवाएं, फूड और ई-कॉमर्स डिलीवरी प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन ट्यूटरिंग, डिजिटल मार्केटिंग और कंटेंट क्रिएशन जैसे क्षेत्रों में आज करोड़ों युवा अल्पकालिक अनुबंधों पर काम कर रहे हैं। विभिन्न आकलनों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत की गिग वर्कफोर्स कुल श्रम शक्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बन सकती है। यह मॉडल बेरोजगारी के दबाव को कुछ हद तक कम करने के साथ-साथ युवाओं को वैकल्पिक आय के अवसर भी प्रदान कर रहा है।

क्या संकेत देते हैं आंकड़े

आर्थिक सर्वेक्षण और श्रम अध्ययनों से संकेत मिलता है कि भविष्य में रोजगार सृजन का बड़ा हिस्सा पारंपरिक उद्योगों के बजाय सेवा, तकनीक और प्लेटफॉर्म आधारित कार्यों से आएगा। वहीं यह भी सच है कि इन क्षेत्रों में काम करने वाले युवाओं की औसत आय और कार्य-स्थिरता में भारी अंतर है। यानी नए करियर विकल्प अवसर तो दे रहे हैं, लेकिन समानता और सुरक्षा की गारंटी नहीं।

शिक्षा व्यवस्था और कौशल अंतर

विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था और रोजगार बाजार के बीच की खाई इन नए मॉडलों में और स्पष्ट हो गई है। स्कूल और कॉलेज आज भी छात्रों को स्थायी नौकरी की तैयारी कराते हैं, जबकि बाजार लचीले, बहु-कौशल वाले और तकनीक-सक्षम युवाओं की मांग कर रहा है। इसका परिणाम यह है कि बड़ी संख्या में डिग्रीधारी युवा या तो बेरोजगार हैं या अपनी योग्यता से कम काम करने को मजबूर हैं।

मानसिक और सामाजिक प्रभाव

स्टार्टअप, फ्रीलांस और गिग इकोनॉमी में काम करने वाले युवाओं में तनाव और असुरक्षा की भावना अधिक देखी जा रही है। आय की अनिश्चितता, सामाजिक दबाव और भविष्य की चिंता मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रही है। यह पहलू अक्सर करियर चर्चा में उपेक्षित रह जाता है।

संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता

यह स्पष्ट है कि नए करियर विकल्प न तो पूरी तरह समाधान हैं और न ही पूरी तरह संकट। वे अवसर भी हैं और चुनौती भी। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन क्षेत्रों में प्रवेश से पहले कौशल, वित्तीय योजना और मानसिक तैयारी करें। साथ ही नीति-निर्माताओं और शिक्षा संस्थानों को भी चाहिए कि वे करियर गाइडेंस, कौशल प्रशिक्षण और सामाजिक सुरक्षा के नए मॉडल विकसित करें।

जॉब अलर्ट

एम.पी. राज्य सहकारी बैंक मर्यादित

- पद का नाम-कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा), सोसायटी मैनेजर, ऑफिसर
- कुल रिक्तियां-(1763 क्लर्क + 313 ऑफिसर) 2076 पद
- वेतन/पे स्केल-क्लर्क: लेवल-4 (रु. 19,500-62,000) 7 वां वेतनमान / लेवल-7 (रु. 28,700-91,300) / 6 वां वेतनमान (रु. 5,200-20,200 + 1900 GP)
- शैक्षणिक योग्यता-स्नातक
- आयु सीमा-18 से 35 वर्ष (छूट के साथ 40 वर्ष) कंप्यूटर ऑपरेटर (संविदा): 18 से 55 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-05/02/2026
- वेबसाइट-www.apexbankmp.bank.in

नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD)

- पद का नाम-डेवलपमेंट असिस्टेंट / डेवलपमेंट असिस्टेंट (हिंदी)
- पदों की संख्या-162 (159 DA + 3 DA हिंदी)
- वेतन-20,700 - 55,700 (लगभग 46,500/- सकल शुरुआती वेतन)
- योग्यता-50% अंकों के साथ बैचलर डिग्री + कंप्यूटर का ज्ञान
- आयु सीमा-21 से 35 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-03/02/2026
- वेबसाइट-www.nabard.org

यूको बैंक

- पद का नाम-जर्नलिस्ट और स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- पदों की संख्या-173
- वेतन- 48480-93960
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट / बी.ई./बी.टेक./एम.सी.ए./एम.एससी. कंप्यूटर साइंस / चार्टर्ड अकाउंटेंट सर्टिफिकेशन / फुल टाइम दो साल का एमबीए या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा
- आयु सीमा-20 से 35 वर्ष
- आवेदन अंतिम तारीख-02-02-2026
- वेबसाइट-https://uco.bank.in

सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया

- पद का नाम-लॉ क्लर्क कम-रिसर्च एसोसिएट
- पदों की संख्या-लगभग 90
- वेतन-1,00,000/- प्रति माह (समेकित पारिश्रमिक)
- योग्यता कानून में स्नातक डिग्री (कानून में इंटीग्रेटेड डिग्री कोर्स सहित)
- आयु सीमा-20 से 32 वर्ष
- आवेदन की अंतिम तारीख-07/02/2026
- वेबसाइट-www.sci.gov.in

करंट अफेयर्स

- हाल ही में संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की जनवरी 2026 में भारत यात्रा के दौरान भारत और UAE के बीच एक महत्वपूर्ण दीर्घकालिक ऊर्जा समझौता संपन्न हुआ। इस समझौते के तहत UAE भारत को हर वर्ष 0.5 मिलियन मीट्रिक टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की आपूर्ति करेगा। इस करार के बाद UAE, कतर के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा LNG आपूर्तिकर्ता बन गया है, जिससे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए हैं। इसके अलावा दोनों देशों ने वर्ष 2032 तक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 200 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति व्यक्त की।
- हाल ही में जारी नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार चीन एक गहराते जनसांख्यिकीय संकट का सामना कर रहा है। वर्ष 2025 में चीन की जनसंख्या में लगातार चौथे वर्ष गिरावट दर्ज की गई, जबकि सरकार परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और नीतिगत उपाय लागू कर रही है।
- बीती 17 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का शुभारंभ किया है, जो कोलकाता (हावड़ा) को गुवाहाटी (कामाख्या) से जोड़ती है। इस ट्रेन को पश्चिम बंगाल के मालदा से हरी झंडी दिखाई गई। यह ओवरनाइट सेमी-हाई-स्पीड सेवा आधुनिक रेल यात्रा के एक नए चरण की शुरुआत है और पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत के बीच लंबी दूरी की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी।
- भारत ने अपनी विदेश नीति को सशक्त करने की दिशा में हाल ही में दो महत्वपूर्ण राजनयिक नियुक्तियों की घोषणा की है। विदेश मंत्रालय ने वरिष्ठ भारतीय विदेश सेवा (IFS) अधिकारियों मुआनपुई सायावी और अमित कुमार मिश्रा को क्रमशः न्यूजीलैंड में भारत का अगला उच्चायुक्त और जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया है। ये नियुक्तियां विभिन्न क्षेत्रों में भारत के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रयासों को दर्शाती हैं।

नोटिस बोर्ड

- रुहेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार 23 जनवरी को वसंत पंचमी के अवसर पर अवकाश घोषित होने के चलते विश्वविद्यालय से संबद्ध विभिन्न महाविद्यालयों में बीए पंचम सेमेस्टर (मुख्य एवं बैक) की अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा की तिथि में संशोधन किया गया है। 23 जनवरी को प्रस्तावित परीक्षा अब 2 फरवरी को आयोजित की जाएगी। शेष परीक्षा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित तिथियों के अनुसार ही रहेगा।
- उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा सहारनपुर की गिल कॉलोनी में 28 जनवरी को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले के अंतर्गत संविदा के आधार पर परिचालकों की भर्ती की जाएगी। उक्त रोजगार मेले में संविदा पर चालकों के आबद्धीकरण हेतु आर्हताएं पूर्वत: (न्यूनतम कक्षा 8 पास लंबाई न्यूनतम 5 फुट 3 इंच, भारी वाहन चलाने का लाइसेंस अवधि न्यूनतम 02 वर्ष पुराना, न्यूनतम 23 वर्ष 06 माह और कार्य करने की अधिकतम आयु 60 वर्ष) ही रहेगी।

कॉलेज जाना भी किसी मोर्चे पर जाने जैसा लगा

कैंपस में पहला दिन

वर्ष 1999 का जुलाई महीना था। देश ऑपरेशन विजय के दौर से गुजर रहा था। कारगिल युद्ध की खबरें सुबह-शाम टीवी पर छाई रहती थीं। सड़कों पर सेना के ट्रक, रेलवे स्टेशनों पर जवानों से भरी रेलगाड़ियां और हर घर में युद्ध की चर्चाएं, पूरा माहौल रोमांच और तनाव से भरा हुआ था। उसी समय मुझे लखनऊ के IET में जून की काउंसलिंग के लगभग एक महीने बाद झांसी स्थित बुंदेलखंड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (BIET) की मैकेनिकल ब्रांच में प्रवेश लेना था।

शिव मोहन
मुख्य इंटीग्रेशन अधिकारी, रेलवे परिवहन व्यवसाय, लार्सन एंड टुब्रो, यूएई

इंजीनियरिंग में दाखिले की खुशी थी, लेकिन फर्स्ट ईयर में होने वाली रैगिंग की कहानियों ने मन में डर भी भर रखा था। एक तरफ नए जीवन की शुरुआत का उत्साह था, तो दूसरी तरफ अनजाने माहौल का भय। ऊपर से पूरे परिवार की उम्मीदों का बोझ भी सिर पर महसूस हो रहा था। IIT में चयन न होने का मलाल था, लेकिन उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में एडमिशन मिलने का गर्व भी कम नहीं था। जैसे-जैसे 9 जुलाई नजदीक आ रहा था, घर में तैयारियां तेज हो गईं। कुछ कपड़े, बिस्तर और रोजमर्रा का जरूरी सामान समेटकर बड़े भाई के साथ कानपुर से होते हुए झांसी की यात्रा शुरू हुई। जुलाई का महीना और उत्तर भारत की बारिश, उस दिन भी मूसलाधार वर्षा हो रही थी। रास्ते में पहली बार छोटे-छोटे पथरीले पहाड़ दिखे। भले ही वे सिर्फ पठार थे, लेकिन मेरे लिए वे शोले फिल्म के पहाड़ों जैसे ही रोमांचक थे, क्योंकि इससे पहले पहाड़ मैंने कभी नहीं देखे थे।

BIET का कैंपस अपने आप में एक दुनिया था। पूरे उत्तर प्रदेश के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में सबसे बड़ा IIT कानपुर को छोड़कर। कानपुर रोड से कॉलेज के मुख्य प्रशासनिक भवन तक लगभग एक किलोमीटर का रास्ता, चारों तरफ खुले मैदान और बारिश से नहाई हरियाली। मन प्रसन्न हो गया। ऐसा लग रहा था, जैसे कुछ-कुछ होता है फिल्म के कॉलेज कैंपस में प्रवेश कर रहा हूं। संयोग से वह फिल्म भी उसी दौर में रिलीज हुई थी। पहले वृंदावन हॉस्टल में सामान रखा और फिर प्रवेश प्रक्रिया के लिए सिविल डिपार्टमेंट पहुंचे, जहां पूरे फर्स्ट ईयर की काउंसलिंग और एडमिशन हो रहे थे। सीनियर्स अभिभावकों के सामने बेहद विनम्र और सहयोगी थे, लेकिन हमें देखकर उनकी आंखों में एक अलग ही संदेश झलक रहा था- मानो कह रहे हों, "अब आ गए हो, अब यहीं के तौर-तरीके सीखने होंगे।" अभिभावक भी अपने-अपने जिले या आसपास के इलाके के सीनियर्स खोज रहे थे, ताकि आगे बच्चों का ख्याल रखा जा सके। कन्नौज से कोई सीनियर नहीं मिला, लेकिन फर्रुखाबाद के एक सीनियर से भाई ने बात की। उन्होंने न सिर्फ भरोसा दिया, बल्कि पूरे चार साल सचमुच अभिभावक की तरह ध्यान भी रखा। सच ही कहा गया है, घर से दूर अपने जिले का कोई मिल जाए, तो वह परिवार जैसा हो जाता है।

शाम तक सभी छात्रों को कमरे आवंटित कर दिए गए। हॉस्टल वार्डन और शिक्षकों ने ध्यान रखा कि कोई क्षेत्रीय गुट न बने। हमारे कमरे में तीन तखत थे, लेकिन उस शाम सिर्फ दो ही छात्र आए। मैं और फैजाबाद से आया मेरा एक सहपाठी, जिसे बाद में सब प्यार से "पप्पू" कहने लगे। पूरे बैच में लगभग 180 छात्र थे और हर किसी का कोई न कोई उपनाम उसकी आदत, बोली या स्वभाव के आधार पर रख दिया गया था, जो पहचान आज भी सिर्फ बैच के लोगों के बीच जीवित है।

शाम ढलते ही सीनियर्स की पूरी फौज हॉस्टल पहुंच गई। परिचय का पहला दिन था। अलग-अलग वर्षों के सीनियर्स के लिए अलग-अलग तरह से अभिवादन करना होता था। कहीं 90 डिग्री, कहीं 120 डिग्री और फाइनल ईयर के लिए पूरा साष्टांग प्रणाम। कॉलेज का परिचय गीत, बोलने का तरीका सब कुछ नया और रोमांचक था। राहत इस बात की थी कि यह सब मौज-मस्ती तक सीमित रहा, कोई प्रताड़ना जैसी घटना नहीं हुई। इन्हीं सीनियर्स में से कुछ से ऐसे गहरे रिश्ते बने, जो 27 साल बाद भी कायम हैं। इंजीनियरिंग के चार सालों में हमने सिर्फ तकनीकी शिक्षा ही नहीं सीखी, बल्कि लोगों से जुड़ना, परिस्थितियों के अनुसार ढलना, नेतृत्व करना और खुद को समझना भी सीखा। कॉलेज के पहले दिन जीवन का जो मूलमंत्र मिला, वह आज भी हर मोड़ पर काम आता है।

ड्रोन प्रोग्रामिंग : टेक्नोलॉजी में रोजगार का नया रास्ता

तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में आज ड्रोन केवल उड़ने वाली मशीन नहीं रह गए हैं। इन्हें प्रोग्राम करना, ऑटोमेट करना और अलग-अलग कामों के लिए तैयार करना एक नई और अहम स्किल बन चुकी है। यही वजह है कि 12 वीं के बाद टेक्नोलॉजी में करियर बनाने वाले युवाओं के लिए ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स एक उभरता हुआ विकल्प बनकर सामने आया है।

ज्ञानेंद्र कुमार दीक्षित
असिस्टेंट प्रोफेसर, बीबीडी यूनिवर्सिटी, लखनऊ

क्या है ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स में यह सिखाया जाता है कि ड्रोन को कोड के जरिए कैसे नियंत्रित किया जाए? ड्रोन किस दिशा में उड़ान भरे, कितनी ऊंचाई पर जाए, कैमरा कब एक्टिव हो और सेंसर से मिलने वाला डेटा कैसे इस्तेमाल किया जाए। ये सभी काम प्रोग्रामिंग से तय होते हैं। इस कोर्स में Python, C++, ROS और मिशन प्लानर जैसे सॉफ्टवेयर और टूल्स की ट्रेनिंग दी जाती है। आसान शब्दों में कहें, तो यह कोर्स ड्रोन उड़ाने से ज्यादा, उसे सोचने और निर्देश समझने की क्षमता देता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

ड्रोन प्रोग्रामिंग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे 12 वीं पास छात्र भी कर सकते हैं। साइंस स्ट्रीम से पढ़ाई करने वालों को इसमें थोड़ी बढ़त मिलती है, लेकिन आर्ट्स और कॉमर्स के छात्र भी बुनियादी कंप्यूटर ज्ञान के साथ इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। जिन युवाओं को टेक्नोलॉजी, मशीनों और नई चीजें सीखने में रुचि हैं, उनके लिए यह कोर्स खास तौर पर उपयुक्त माना जाता है।

क्या-क्या सिखाया जाता है कोर्स में

ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स पूरी तरह प्रैक्टिकल आधारित होता है। इसमें ड्रोन हार्डवेयर की बुनियादी जानकारी, फ्लाइट कंट्रोल सिस्टम, ऑटोमेटेड मिशन प्लानिंग, GPS और सेंसर प्रोग्रामिंग, कैमरा और डेटा प्रोसेसिंग, लाइव प्रोजेक्ट और फील्ड ट्रेनिंग जैसी स्किल्स पर फोकस किया जाता है, जिससे छात्र इंडस्ट्री की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो सकें।

जॉब और कमाई के अवसर

इस कोर्स के बाद रोजगार के कई विकल्प खुलते हैं। युवा ड्रोन प्रोग्रामर, ड्रोन ऑपरेटर, UAV इंजीनियर, ड्रोन मैपिंग स्पेशलिस्ट, सर्वे इंजीनियर या ड्रोन टेक्नीशियन के रूप में काम कर सकते हैं। शुरुआत में 25 से 50 हजार रुपये तक मासिक आय संभव है। अनुभव बढ़ने पर यही कमाई से 2 लाख रुपये प्रति माह तक पहुंच सकती है। फ्रीलांस और प्रोजेक्ट आधारित काम में इससे भी अधिक कमाई के अवसर मिलते हैं।

भविष्य के लिहाज से अहम

ड्रोन टेक्नोलॉजी को खेती, पुलिस, सर्वे, इंफ्रास्ट्रक्चर, फिल्म इंडस्ट्री, डिलीवरी और स्मार्ट सिटी जैसे कई क्षेत्रों में तेजी से अपनाया जा रहा है। आने वाले समय में ड्रोन एक्सपर्ट्स की मांग और बढ़ने की संभावना है। ऐसे में ड्रोन प्रोग्रामिंग कोर्स युवाओं के लिए न केवल नई तकनीक सीखने का अवसर है, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत और आधुनिक करियर की नींव भी रखता है।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,909.63	25,157.50
गिरावट	270.84	75.00
प्रतिशत में	0.33	0.30

सोना 1,57,697 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,33,900 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

अटल पेंशन योजना 2030-31 तक जारी रखने की दी मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सरकार की प्रमुख अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने को बुधवार को मंजूरी दे दी। इसके साथ प्रचार, विकासात्मक गतिविधियों और गैप फंडिंग के लिए वित्तीय सहायता के विस्तार को भी स्वीकृति दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद जारी आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, असंगठित क्षेत्र के कामगारों के बीच पहुंच बढ़ाने के लिए जागरूकता एवं क्षमता निर्माण जैसी गतिविधियों को सरकारी समर्थन मिलता रहेगा।

दीपिंदर गोयल छोड़ेंगे इटर्नल के समूह सीईओ-एमडी के पद

नई दिल्ली। जोमैटो और ब्लिंकिट का संचालन करने वाली इटर्नल ने बुधवार को कहा कि दीपिंदर गोयल समूह के सीईओ और एमडी का पद छोड़ेंगे। उनकी जगह ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा एक फरवरी से समूह के नए सीईओ के रूप में जिम्मेदारी संभालेंगे। शेयरधारकों को लिखे एक पत्र में गोयल ने कहा कि वह नए विचारों पर काम करने के लिए अपने वर्तमान पद से हट रहे हैं और अब वाइस-चेयरमैन की भूमिका निभाएंगे। इटर्नल ने शेयर बाजारों को सूचित किया कि बोर्ड में वाइस चेयरमैन और निदेशक के रूप में गोयल की नियुक्ति पांच साल के कार्यकाल के लिए होगी।

नवी मुंबई हवाई अड्डे पर नेटवर्क स्थापना की ट्राई कर रहा जांच

नई दिल्ली। दूरसंचार नियामक ट्राई अदाणी समूह-समर्थित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास दूरसंचार नेटवर्क तैनात करने के लिए दूरसंचार कंपनियों को पेश आ रही मूल्य-निर्धारण संबंधी समस्या की जांच कर रहा है। एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के चेयरमैन अनिल कुमार लाहोटी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों के निकाय सीओएआई ने इस मुद्दे पर नियामक से हस्तक्षेप की मांग की है।

अदाणी समूह ने दावोस में पेश की भारत के लिए 66 अरब डॉलर के निवेश की योजना

विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में निवेश का लक्ष्य

दावोस, एजेंसी

अदाणी समूह ने विमानन, स्वच्छ ऊर्जा, शहरी अवसंरचना, डिजिटल मंचों और उन्नत विनिर्माण क्षेत्रों में 66 अरब डॉलर के निवेश की रूपरेखा पेश की है जो भारत की वृद्धि प्राथमिकताओं के अनुरूप निजी पूंजी के बड़े पैमाने पर निवेश के नए चरण का संकेत है। अपनी योजनाएं प्रस्तुत करते हुए समूह ने कहा कि यह निवेश महाराष्ट्र, असम और झारखंड में किया जाएगा।

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की 56वीं वार्षिक बैठक में समूह ने असम में गुवाहाटी के लोकप्रिया गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को केंद्र में रखते हुए विमानन एवं वैमानिकी परिवेश के विस्तार की जानकारी दी। इसका परिचालन अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है। योजनाओं में आतिथ्य एवं खुदरा अवसंरचना, ''लेवल-डी फुल-फ्लाइट सिमुलेटर'' के साथ विमानन प्रशिक्षण अकादमी तथा चौड़े व संकीर्ण विमानों के लिए रखरखाव, मरम्मत (एमआरओ) सुविधाएं शामिल हैं। इससे गुवाहाटी को पूर्वोत्तर के लिए क्षेत्रीय विमानन केंद्र के रूप में विकसित किया जा सकेगा। समूह ने असम के कार्बी आंगलोंग और दीमा हसाओ जिलों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की भी घोषणा की जिनसे 2,700 मेगावाट से अधिक सौर क्षमता जुड़ेगी। इसके पूरक निवेशों में सीमेंट विनिर्माण एवं 'ग्राइंडिंग' इकाइयां शामिल हैं जिनका उद्देश्य पूर्वी तथा पूर्वोत्तर भारत में निर्माण आपूर्ति शृंखला को मजबूत करना है।

महाराष्ट्र में अदाणी समूह के प्रस्तावित निवेश शहरी पुनर्विकास, डिजिटल अवसंरचना और अगली पीढ़ी की ऊर्जा प्रणालियों पर केंद्रित हैं। इनमें मुंबई की धारावी पुनर्विकास परियोजना, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा इससे जुड़े लॉजिस्टिक्स, वाणिज्यिक एवं आतिथ्य परिवेश शामिल है।

भारत के कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दावोस में जमाया डेरा

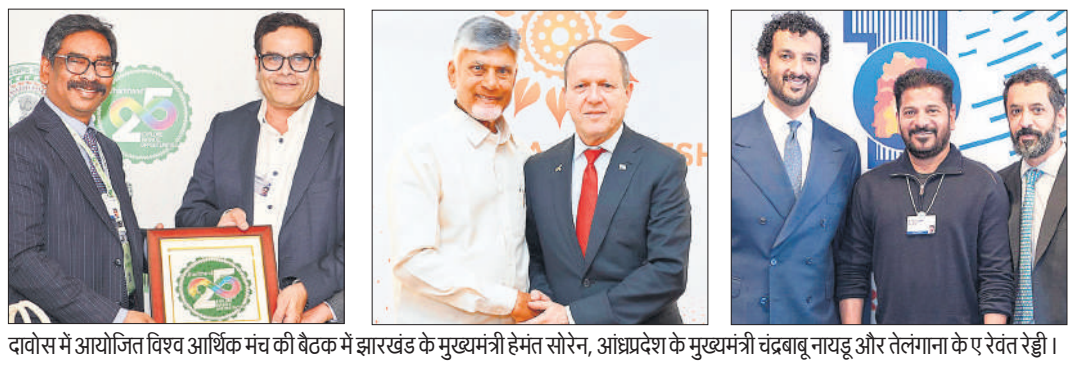

दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच की बैठक में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के ए रेवंत रेड्डी।

तेलंगाना ने रखा 25 अरब डॉलर निवेश का लक्ष्य

तेलंगाना सरकार ने अपनी जीवन विज्ञान के लिए अगली पीढ़ी की नीति 2026-30 के तहत वर्ष 2030 तक इस क्षेत्र में 25 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करने और पांच लाख नए रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। दावोस में जारी डब्ल्यूईएफ की बैठक के दौरान बुधवार को अलग से इस नीति को पेश किया गया। इस नीति के माध्यम से तेलंगाना का लक्ष्य दुनिया के शीर्ष तीन जीवन विज्ञान केंद्रों में शामिल होना है। दुनिया भर के कुल टीके का एक-तिहाई हिस्सा अकेले तेलंगाना में बनाया जाता है जहां 2,000 से अधिक जीवन विज्ञान से जुड़ी कंपनियां काम कर रही हैं। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए इस नीति के तहत निवेशकों को कई रियायतें दी गई हैं। इनमें बिक्री और पट्टे पर स्टांप शुल्क तथा हस्तांतरण शुल्क की शत-प्रतिशत वापसी, बिजली सब्सिडी और औद्योगिक पार्क में जमीन की लागत पर 25 प्रतिशत छूट शामिल है। इसके अलावा, वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच साल तक शुद्ध एसजीएसटी की पूरी वापसी का भी प्रावधान है।

फडणवीस ने 15 लाख करोड़ के समझौतों पर किए साइन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दावोस में राज्य के लिए 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इनके जरिए 13 लाख लोगों को रोजगार का दावा किया गया है। महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा के मीडिया सेल प्रमुख नवनाथ बान ने कहा कि विदेशी निवेश लाने के लिए कौशल की आवश्यकता होती है। मुख्यमंत्री ने दावोस दौरे के दौरान विदेशी निवेश को महाराष्ट्र में लाने के लिए कड़ी मेहनत की है।

रुपये को तगड़ा झटका, 67 पैसे टूटकर डॉलर के मुकाबले 91.64 पर आकर गिरा

मुंबई, एजेंसी

इस महीने अब तक 1.5% की गिरावट

- वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता ने भारतीय मुद्रा को अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचाया

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया बुधवार को 67 पैसे लुढ़ककर अब तक के सबसे निचले स्तर 91.64 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में बढ़ती अनिश्चितता और विदेशी संस्थागत निवेशकों के जोखिम लेने से बचने के कारण लगातार पूंजी निकासी की गई, जिससे रुपया और धराशायी हो गया।

इससे पहले रुपया 16 दिसंबर 2025 को 91.14 के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचा था। इस महीने अब तक रुपये में 1.50 प्रतिशत की गिरावट आई है जिसका कारण बढ़ती भूराजनीतिक अनिश्चितता को बताया जा रहा है। अंतरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.05 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 91.74 के कारोबार के निचले स्तर पर आ गया। कारोबार के अंत में रुपया 91.64 के सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 67 पैसे कम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार के मुताबिक 21 नवंबर 2025 के बाद यह एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है।

शेयर बाजार में गिरावट जारी, सेंसेक्स 82,000 के नीचे

मुंबई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 271 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 75 अंक की गिरावट रही। डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी और वित्तीय, बैंकिंग एवं उपभोग से जुड़े शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक भारी उतार-चढ़ाव के बाद 270.84 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 81,909.63 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 1,056.02 अंक टूटकर 81,124.45 तक आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 75 अंक यानी 0.30 प्रतिशत फिसलकर 25,157.50 अंक पर बंद हुआ।

आईएलएंडएफएस के निदेशकों पर अभी कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने कर्ज में डूबे समूह आईएलएंडएफएस के नए निदेशक मंडल में शामिल पेशेवर निदेशकों को बैंकों द्वारा इरादतन चूककर्ता घोषित किए जाने से दी गई संरक्षण अवधि को आगे बढ़ा दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एक फैसले में यह भी स्पष्ट किया कि बैंक नए बोर्ड के पेशेवर निदेशकों के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई से पहले एनसीएलएटी से अनुमति लेंगे।

- एनसीएलएटी ने बढ़ाया संरक्षण बैंकों को किसी भी कार्रवाई से पहले पूर्वानुमति लेने का आदेश

अपीलीय न्यायाधिकरण के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति अशोक भूषण और तकनीकी सदस्य बरुण मित्रा की दो-सदस्यीय पीठ ने कहा, चार अप्रैल, 2025 को पारित आदेश अब भी प्रभावी है और 15 अक्टूबर, 2018 के आदेश के तहत दिए गए निर्देश नए बोर्ड में पुनर्नियुक्त पेशेवर निदेशकों पर भी लागू होंगे। चार अप्रैल 2025 के आदेश में सरकार द्वारा गठित नए बोर्ड के निदेशकों को बैंकों की ओर से अभियोजन से संरक्षण दिया गया था। हालांकि उस आदेश में केनरा बैंक और इंडियन बैंक को आईएलएंडएफएस के पूर्व निदेशकों के खिलाफ इरादतन चूककर्ता घोषित करने की कार्यवाही आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई थी, जो नए बोर्ड का हिस्सा नहीं हैं।

कीटनाशकों के ई-कॉमर्स के लिए कड़े कानून बनें

नई दिल्ली, एजेंसी

- नकली उत्पादों से किसानों को बचाने के लिए क्रॉपलाइफ की मांग

कीटनाशक बनाने वाली 17 बड़ी कंपनियों के संगठन 'क्रॉपलाइफ इंडिया' ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इनकी बिक्री के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की है ताकि घटिया या नकली उत्पादों से किसानों को संभावित नुकसान की स्थिति में जवाबदेही तय की जा सके।

क्रॉपलाइफ इंडिया के अध्यक्ष और क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के कार्यकारी अध्यक्ष एवं एमडी अंकुर अग्रवाल ने बुधवार को यहां ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर फसलों की सुरक्षा संबंधी उत्पादों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कहा कि मौजूदा समय में कीटनाशकों का विनियमन इनसेक्टिसाइड्स एक्ट, 1968 के तहत होता है। सरकार ने साल 2022 में इसमें संशोधन कर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आम उत्पादों की तरह कीटनाशकों की बिक्री के लिए भी अनुमति दी थी। अब सरकार पेस्टिसाइड मैनेजमेंट विधेयक लाने की तैयारी कर रही है जिसका प्रारूप तैयार हो चुका है। सरकार ने संगठन से 4 फरवरी तक अपने सुझाव सौंपने के लिए कहा है।

अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह विक्रेता को लाइसेंस की जरूरत होती है, उसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के लिए भी लाइसेंस अनिवार्य किया जानी चाहिए। वर्तमान में यह सुनिश्चित करने का कोई तरीका नहीं है कि ऑनलाइन बिक रहा पेस्टिसाइड असली है या नकली। उन्होंने कहा कि यदि कोई कंपनी बिना लाइसेंस के कीटनाशक बेच रही है तो उस पर भी नकली उत्पाद की तरह ही कार्रवाई होनी चाहिए।

राष्ट्रीय

कर्नाटक राज्यपाल भी विधानमंडल के संयुक्त सत्र में नहीं देंगे अभिभाषण

तमिलनाडु-केरल के बाद कर्नाटक की राजनीति भी गर्म, सरकार करेगी राज्यपाल से बात

बेंगलुरु, एजेंसी

मनरेगा को रद्द करने पर केंद्र के खिलाफ प्रस्ताव लाने की योजना बनी रही है कर्नाटक सरकार

केंद्र की ओर से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने समेत कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा-जद (एस) गठबंधन के बीच टकराव की संभावना के चलते सत्र के हंगामेदार रहने की आशंका है। सत्तारूढ़ कांग्रेस केंद्र में भाजपा-नीत राजग सरकार के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित करने की योजना बना रही है, जिसमें मनरेगा को रद्द करने पर आपत्ति जताते हुए इसे बहाल करने की मांग की जाएगी। साथ ही नए विकसित भारत-रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम को रद्द करने की भी मांग की जाएगी।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार कर दिया है। गहलोत के इस फैसले के बाद सरकार ने उनसे मुलाकात करने का निर्णय लिया है। इस इन्कार का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, बताया जा रहा है कि अभिभाषण में केंद्र सरकार के संदर्भ के कारण गहलोत ने संबोधन करने से इन्कार किया है। एक दिन पहले कर्नाटक की तरह गैर भाजपा शासित केरल और तमिलनाडु के राज्यपालों के विधानसभा में दिए गए अभिभाषणों पर विवाद खड़ा हो गया था।

राज्य के विधि एवं संसदीय कार्य मंत्री एचके पाटिल के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल इस संबंध में राज्यपाल से मुलाकात करने के लिए लोक भवन जाएगा। विधि मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा, कल राज्यपाल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इन्कार करने के बाद विधि मंत्री की अगुवाई में शाम 5:45 बजे एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल राज भवन जाएगा। मंगलवार को तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि वर्ष के पहले सत्र के पहले दिन यह कहते हुए विधानसभा में अपना पारंपरिक अभिभाषण दिए बिना सदन से बाहर चले गए थे कि अभिभाषण के पाठ में गलतियां थीं। इसी तरह, केरल के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने अपने भाषण के कुछ हिस्सों को छोड़ दिया था, हालांकि लोक भवन का दावा है कि राज्यपाल के सुझावों को अभिभाषण के मूल मसौदे से हटा दिया गया था। कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 जनवरी को शुरू होगा। 31 जनवरी तक चलने वाले इस सत्र की शुरुआत बृहस्पतिवार को राज्यपाल गहलोत के परंपरागत अभिभाषण से होनी थी।

- सरकार ने अभिभाषण में शामिल किए हैं केंद्र से संबंधित संदर्भ

सुखना को और कितना सुखाएंगे बिल्डर, माफिया और नौकरशाह

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआई ने चंडीगढ़ की झील की हालत चिंता जताते हुए की टिप्पणी

सीजेआई सूर्यकांत ने बिल्डर, माफिया और नौकरशाहों के गठजोड़ के कारण चंडीगढ़ की प्रसिद्ध झील के सूखने पर चिंता जताते हुए बुधवार को टिप्पणी की कि सुखना झील को और कितना सुखाओगे। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ 1995 में लंबित जनहित याचिका 'इन रे: टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद' में दायर अंतरिम आवेदनों की सुनवाई कर रही थी।

सीजेआई सूर्यकांत ने एक अधिवक्ता की ओर से झील से संबंधित याचिका का उल्लेख करने पर मौखिक टिप्पणी की, पंजाब में राजनीतिक दलों के समर्थन और नौकरशाहों की मिलीभगत से अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिसके कारण झील पूरी तरह नष्ट हो रही है। वहां सभी बिल्डर माफिया सक्रिय हैं। इससे पहले शीर्ष अदालत ने आश्चर्य जताया था कि जंगलों और झीलों से संबंधित सभी मामले उच्च न्यायालयों को दरकिनार करते हुए उच्चतम न्यायालय में क्यों आ रहे हैं, वह भी 1995 की लंबित जनहित याचिका में अंतरिम आवेदनों के रूप में।

सीजेआई ने सुखना झील मामले से संबंधित एक आवेदन का जिक्र करते हुए कहा था कि जाहिर तौर पर ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ निजी डेवलपर्स और अन्य लोगों के इशारे पर दोस्ताना मुकाबला चल रहा है। पीठ ने केंद्र की ओर से पेश हुई अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और वन मामले में न्यायमित्र की भूमिका निभा रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के परमेश्वर से उन स्थानीय मुद्दों के बारे में जानकारी देने को कहा था, जिनसे उच्च न्यायालय स्वयं निपट सकते हैं। चंडीगढ़ की सुखना झील से संबंधित मुकदमा मुख्य रूप से उच्च न्यायालय द्वारा इसके जलग्रहण क्षेत्र को अतिक्रमण से बचाने के प्रयासों से जुड़ा है, जिसमें 2020 में संरक्षित क्षेत्र में बनी संरचनाओं को ध्वस्त करने का आदेश दिया गया था।

कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर समाज में अंधविश्वास फैलाने का आरोप, पुलिस से शिकायत

भोपाल। दलित पिछड़ा समाज संगठन ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। आरोप लगाया है कि धीरेंद्र शास्त्री अंधविश्वास फैलाकर लोगों को मेडिकल साइंस से दूर कर रहे हैं। उनके झूठे इलाज के प्रचार के कारण कई लोगों की जान खतरे में आ रही है।

दलित पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने बताया कि संगठन ने मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक और भोपाल पुलिस कमिश्नर को वीडियो सबूत के साथ लिखित शिकायत सौंपी है। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री सांप्रदायिकता और छुआछूत को बढ़ावा दे रहे हैं और समाज में भय और हिंसा फैलाने वाले बयान दे रहे हैं। यादव ने चेतावनी दी कि अगर पुलिस दो दिन के भीतर कार्रवाई नहीं करती है तो संगठन हाईकोर्ट जबलपुर के माध्यम से धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ कार्रवाई कराने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि संगठन की मांग है कि धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज की जाए और मामले की निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच हो, ताकि समाज में फैल रहे अंधविश्वास, हिंसा और भय पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

जांच में फेल हुए रेबीहांस हर्बल के सभी कफ सिरप, एफआईआर

इंदौर। छिंदवाड़ा में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद सामने आए सिरप कांड का असर अब इंदौर जिले तक पहुंच गया है। इंदौर के सांवेर क्षेत्र में सील की गई आयुर्वेदिक ड्रग कंपनी के सभी आयुर्वेदिक सिरप सैंपल जांच में फेल हो गए हैं। जिला प्रशासन ने फैक्ट्री मालिक पर सांवेर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

यह मामला सांवेर क्षेत्र के ग्राम धरमपुरी स्थित मेसर्स रेबीहांस हर्बल प्राइवेट लिमिटेड का है। छिंदवाड़ा सिरप कांड के बाद 18 दिसंबर 2025 को इंदौर जिला प्रशासन ने आयुष विभाग के साथ संयुक्त कार्रवाई की थी। आयुष विभाग प्रभारी डॉ. हंसा बारिया के निर्देशन में की गई जांच के दौरान फैक्ट्री से आयुर्वेदिक सिरप के आठ उत्पादों के सैंपल लेकर शासकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला आमखो ग्वालियर भेजे गए थे। रिपोर्ट में सभी सैंपल निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। जांच में यह भी सामने आया कि फैक्ट्री में सिरप निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का गंभीर रूप से उल्लंघन किया जा रहा था। मौके पर न तो कोई प्रयोगशाला पाई गई और न ही दवा निर्माण से जुड़े आवश्यक कंपोनेंट्स और दस्तावेज उपलब्ध थे।

डिप्टी सीएम की टिप्पणियां हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाने वाली

मदुरै, एजेंसी

- मद्रास हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए की टिप्पणी, अमित मालवीय के खिलाफ प्राथमिकी रद्द

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने भाजपा के नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज उस प्राथमिकी को रद्द कर दिया है जिसमें उन पर 'सनातन धर्म' को लेकर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणियों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति एस. श्रीमती ने कहा कि उदयनिधि की टिप्पणियां नफरत फैलाने वाले भाषण के समान थीं और इस पर सवाल उठाना एक प्रतिक्रिया थी।

फैसले में न्यायमूर्ति श्रीमती ने कहा, समग्र रूप से विचार करने पर मंत्री का भाषण स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यह पूरी तरह से 80 प्रतिशत हिंदुओं के खिलाफ है, जो नफरत फैलाने वाले भाषण की श्रेणी में आता है। फैसले में कहा गया है, यह न्यायालय दुख के साथ इस व्यापक स्थिति को दर्ज करता है कि नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति को बिना किसी सजा के छोड़ दिया जाता है, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण पर प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्ति को कानून का सामना करना पड़ता है। न्यायालय प्रतिक्रिया देने वाले व्यक्तियों से भी पूछताछ कर रहे हैं, लेकिन नफरत फैलाने वाले भाषण देने की शुरुआत करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून को लागू नहीं कर रहे हैं। नफरत फैलाने वाले भाषण के लिए मंत्री के खिलाफ राज्य में कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अन्य राज्यों में कुछ मामले दर्ज किए गए हैं।

राजग में लौटी दिनाकरन की पार्टी एएमएमके

चेन्नई। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव से पहले टीटीवी दिनाकरन के नेतृत्व वाली अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) बुधवार को फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हो गई। एएमएमके कुछ महीने पहले अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन पर धोखेबाजी का आरोप लगाकर गठबंधन से बाहर निकल गई थी।

अन्नाद्रमुक में काफी समय से जारी कई विवादों के बाद अब इस विवाद के शांत होने के संकेत दिख रहे हैं। इसी के तहत पार्टी प्रमुख ईके पलानीस्वामी ने दिनाकरन का राजग में स्वागत किया। एएमएमके के संस्थापक ने भी दिल से धन्यवाद कहा, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि अन्नाद्रमुक और उनके बीच भाइयों के जैसी लड़ाई थी। दिनाकरन पहले अन्नाद्रमुक में भी रह चुके हैं।

कर्नाटक : भगवा झंडा उठाने वाले अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

उडुपी। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने यहां धार्मिक कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त टी के स्वरूपा के भगवा झंडा उठाने पर आपत्ति जताते हुए उन पर कार्रवाई की मांग की है। स्वरूपा ने कहा है कि वह आधिकारिक तौर पर कार्यक्रम में शामिल हुई थीं और उनकी भागीदारी किसी राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित नहीं थी।

जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ ने 18 जनवरी को पर्याय यात्रा की शुरुआत के दौरान भगवा झंडा उठाने के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को पत्र लिखकर स्वरूपा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। सोमवार को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उडुपी जिला कांग्रेस कमेटी के कानूनी और मानवाधिकार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष हरीश शेट्टी ने कहा था कि 18 जनवरी की सुबह जोदु कट्टे से कृष्णा मठ तक यात्रा की शुरुआत से पहले उडुपी भाजपा विधायक यशपाल सुवर्णा ने आरएसएस का झंडा डीसी को दिया, जिसे उन्होंने सार्वजनिक रूप से उठाया और लहराया। उन्होंने कहा कि अधिकारी के सेवा नियमों के खिलाफ उपायुक्त का यह व्यवहार अस्वीकार्य है, संविधान में धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के भी विरुद्ध है।

सड़क हादसे में मृत युवक के माता पिता को 23.45 लाख का मुआवजा

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे स्थित मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2021 में तेज रफ्तार ट्रक से हुई सड़क दुर्घटना में मारे गए 18 वर्षीय एक सेल्समैन के माता-पिता को 23.45 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

एमएसीटी की अध्यक्ष सदस्य रूपाली वी. मोहिते ने अपने आदेश में कहा कि ट्रक चालक के पास दुर्घटना को टालने का अंतिम अवसर था, लेकिन वह वाहन की गति नियंत्रित नहीं कर सका जिसके कारण टक्कर हुई। टक्कर के बाद चालक मौके से फरार हो गया था। न्यायाधिकरण ने पाया कि हादसे के समय ट्रक चालक के पास वैध परिवहन लाइसेंस नहीं था, जो बीमा शर्तों का जानबूझकर उल्लंघन है।

गणतंत्र दिवस से पहले दिल्ली समेत कई शहरों में हाई अलर्ट

● आतंकी हमलों के मद्देनजर खुफिया एजेंसियां सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

गणतंत्र दिवस से पहले देश की खुफिया एजेंसियों ने खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों और बांग्लादेश स्थित आतंकवादी समूहों से संभावित खतरों के मद्देनजर हाई अलर्ट जारी किया है।

अलर्ट के मुताबिक दिल्ली और देश में कई अन्य प्रमुख शहर संभावित निशाने पर हो सकते हैं। इस इनपुट के बाद सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है और संवेदनशील इलाकों में निगरानी तेज कर दी गई है। खुफिया सूत्रों से पता चला है कि पंजाब के कुछ गैंगस्टर कथित तौर पर खालिस्तानी और अन्य कट्टरपंथी विदेशी आकाओं के लिए 'फुट सोल्जर' के रूप में काम कर रहे हैं। आरोप है कि विदेश में बैठे ये आका देश की आंतरिक सुरक्षा को बिगाड़ने और अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए इन आपराधिक नेटवर्कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ये गैंगस्टर हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में सक्रिय हैं।

सूत्रों का कहना है कि इन नेटवर्कों का उपयोग हथियारों की तस्करी, धन और रसद सहायता उपलब्ध कराने जैसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जा सकता है। इसे देखते हुए दिल्ली और अन्य महानगरों में सुरक्षा सख्त की जा रही है।

शेख हसीना के खिलाफ नौ फरवरी को होगी सुनवाई

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने के लिए अगली सुनवाई की तारीख नौ फरवरी निर्धारित की। यह मामला उन आरोपों से जुड़ा है कि दिसंबर 2024 में हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक समूह की ऑनलाइन बैठक में हिस्सा लिया था, जहां मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को गिराने की कथित तौर पर साजिश रची गई। ढाका की विशेष अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुस सलाम ने इस संबंध में बचाव पक्ष की याचिकाओं में आदेश पारित किया।

व्यवस्था की डूबती संवेदनशीलता

नोएडा जैसे आधुनिक शहर में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से हुई मौत केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि शहरी नियोजन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की विफलता का प्रतीक है। इंजीनियर की जान बचाने के लिए फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंचती हैं, लेकिन संसाधनों के अभाव का हवाला देकर किनारे खड़ी रहती हैं, आधुनिकता के दावों पर यह गहरा तमाचा है। यह घटना दर्शाती है कि हमारे सुरक्षा बल आज भी बुनियादी उपकरणों, जैसे कि डाइविंग सूट, अंडरवाटर लाइट और त्वरित बचाव नौकाओं के लिए तरस रहे हैं। सेक्टर-स्तर पर तैनात फायरकर्मियों को अक्सर केवल आग बुझाने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि शहरी बाढ़ या गहरे गड्ढों में बचाव के लिए उनके पास न तो विशेषज्ञता है और न ही उपकरण।

नोएडा हादसा

केवल टैक्स लेने तक जिम्मेदारी नहीं

● राज्य की जिम्मेदारी केवल टैक्स वसूलने और कंक्रीट के जंगल खड़े करने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना उसका प्राथमिक दायित्व है। इस मामले में जिला प्रशासन, विकास प्राधिकरण और आपदा प्रबंधन इकाइयों के बीच समन्वय की भारी कमी दिखी। यदि समय रहते गड्ढे की घेराबंदी की गई होती या बचाव दल के पास एक साधारण लाइफ-जैकेट और ऑक्सीजन सिलेंडर होता, तो शायद आज एक नागरिक और होनहार इंजीनियर जीवित होता। यह घटना पूरी व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है। ऐसा नहीं है कि यह देश या प्रदेश की इस तरह की पहली घटना है लेकिन सरकारों या जिम्मेदारों ने इन घटनाओं से निपटने की कोईसीख नहीं ली।

कहां हुई चूक

● प्रशासनिक लापरवाही : निर्माणाधीन क्षेत्र या खुले गड्ढों को ढकने और वहां चेतावनी बोर्ड लगाने में प्राधिकरण विफल रहा।

● संसाधनों का अभाव : फायरकर्मी और स्थानीय पुलिस सबसे पहले पहुँचते हैं, लेकिन उनके पास पानी में उतरने के लिए आवश्यक वेट सूट या स्कूबा गियर नहीं थे।

● प्रतिक्रिया समय : एसडीआरएफ की टीम को पहुंचने में घंटों लग गए, शुरुआती गोल्डन ऑवर में स्थानीय बल मूकदर्शक बने रहे।

संसाधन-प्रशिक्षण

● फायर ब्रिगेड : वर्तमान में अधिकांश फायर स्टेशनों के पास केवल आग बुझाने की गाड़ियां, सीढ़ियां और कुछ मात्रा में रस्सियां होती हैं। जल बचाव के लिए इन्फ्लेटेबल बोट्स या सोनार डिवाइस जिला स्तर पर बहुत कम हैं।

● प्रशिक्षण : इनका मुख्य प्रशिक्षण फायर फाइटिंग पर केंद्रित है। गोताखोरी इनके नियमित प्रशिक्षण का हिस्सा नहीं है।

राज्य की जवाबदेही

● सुरक्षा मानक : नगर निकायों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी गड्ढा खुला न रहे। नोएडा प्राधिकरण जैसे संस्थानों पर भारी जुर्माना और जवाबदेही तय होनी चाहिए।

● बजट आवंटन : आपदा प्रबंधन बलों को आधुनिक उपकरणों (जैसे ड्रोन, थर्मल सेंसर और अंडरवाटर कैमरा) से लैस करने के लिए पर्याप्त फंड देना।

● जवाबदेही : लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का मुकदमा चलना चाहिए।

जब तंत्र फेल हुआ

● मुंबई (2017) : प्रसिद्ध डॉक्टर दीपक अमरापुरकर की खुले मैनहोल में गिरने से मौत।

● गुरुग्राम (2023) : बारिश के पानी भरे गड्ढे में डूबने से मौतें।

● दिल्ली (2024) : कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत।

वर्ल्ड ब्रीफ

जापान में परमाणु संयंत्र फिर चालू होगा

तोक्यो। जापान में 2011 में हुएफुकुशिमा परमाणु हादसे के बाद दुनिया के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र का संचालन बुधवार को फिर से शुरू हो जाएगा। जापान बिजली की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए परमाणु ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ा रहा है। काशीवाजाकी-कारिवा परमाणु ऊर्जा संयंत्र के नंबर-6 रिएक्टर में ऊर्जा उत्पादन की शुरुआती प्रक्रिया इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसका संचालन तोक्यो इलेक्ट्रिक पावर कंपनी होल्डिंग्स (टीईपीसीओ) कर रही है। यह वही कंपनी है जो क्षतिग्रस्त फुकुशिमा दाइची परमाणु संयंत्र का भी संचालन करती है।

आईएस के बड़े शिविर पर नियंत्रण किया

अल-होल। सीरिया की सरकारी सेना ने बुधवार को उत्तर-पूर्वी सीरिया में एक बड़े शिविर पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया जिसमें इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़े हजारों लोग रह रहे हैं। ऐसा लगता है कि सरकार और कुर्द लड़ाकों के बीच समझौता हो गया है। सरकारी सेना और कुर्द लड़ाकों के बीच दो हफ्ते तक चली झड़पों के बाद, बुधवार को सरकारी सैनिकों को ले जा रहीं बख्तरबंद गाड़ियों का एक काफिला अल-होल शिविर में पहुंचा। कुर्द लड़ाके उस जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो चुके थे जिस पर उनका सालों से नियंत्रण था।

37 तस्करों को अमेरिका को सौंपा

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनके देश ने मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों के 37 और सदस्यों को अमेरिका को सौंप दिया है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब ट्रंप प्रशासन सीमा पार मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आपराधिक नेटवर्कों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने के लिए सरकारों पर दबाव बढ़ा रहा है। मेक्सिको के सुरक्षा मंत्री उमर गार्सिया हारफुच ने एक्स पर कहा कि जिन लोगों को भेजा गया है, वे शातिर अपराधी थे और देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए थे।

श्रीनिवास राय का 83 वर्ष की उम्र में निधन

सिंगापुर। सिंगापुर में हिंदी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य और गांधीवादी मूल्यों के पैरोकार श्रीनिवास राय का रविवार को उनके घर पर निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। संसद के पूर्व मनोनीत सदस्य राय 10 साल की उम्र में सिंगापुर आए थे और यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में कानून की पढ़ाई करने के बाद पांच दशक से ज्यादा समय तक विधिक क्षेत्र में काम किया।

संरा प्रभावी भूमिका निभाता तो बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही नहीं पड़ती

राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए संकेत-संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है नवगठित बोर्ड ऑफ पीस

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र ने कभी भी अपनी क्षमता के अनुसार काम नहीं किया और यदि उसने प्रभावी भूमिका निभायी होती तो गाजा के लिए गठित बोर्ड ऑफ पीस की जरूरत ही ना पड़ती। ट्रंप ने संकेत दिए कि नवगठित बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है जिसका उद्देश्य गाजा के पुनर्निर्माण में सहायता करना है।

ट्रंप से जब सवाल किया गया कि क्या वह चाहते हैं कि बोर्ड ऑफ पीस संयुक्त राष्ट्र का स्थान ले तो ट्रंप ने कहा कि यह हो सकता है। संयुक्त राष्ट्र बहुत मददगार साबित नहीं हुआ है। मैं संयुक्त राष्ट्र की क्षमताओं का बड़ा समर्थक हूं, लेकिन यह कभी अपनी पूरी क्षमता के अनुसार काम नहीं कर पाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर मंगलवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हुए और उनके प्रश्नों के उत्तर दिए। यह प्रेसवार्ता करीब 105 मिनट तक चली। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया है और मुझे लगता है कि यह वाकई शानदार साबित होने जा रहा है। अगर संयुक्त राष्ट्र ने अधिक कदम उठाए होते तो शायद इसकी जरूरत नहीं होती। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में आठ युद्धों को सुलझाया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने किसी भी युद्ध में उनकी मदद नहीं की। ट्रंप ने कहा कि मैं उन्हें दोष नहीं दे रहा हूं। मैंने उन्हें मदद के लिए फोन नहीं किया, लेकिन मैंने राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों को एक साथ बैठाया, हमने सख्ती से बात की, आपसी सहमति बनाई और वे मुझे पसंद करने लगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को उन सभी युद्धों को सुलझाना चाहिए था, जिन्हें मैंने सुलझाया। मैं उसका मदद के लिए कभी आह्वान नहीं किया। उन्हें वे प्रत्येक युद्ध सुलझाने चाहिए थे जो मैंने सुलझाया लेकिन उन्होंने वह नहीं किया। मेरा मानना है कि संयुक्त राष्ट्र को जारी रहने देना चाहिए, क्योंकि इसकी क्षमता बहुत अधिक है।

शांति बोर्ड में शामिल होने पर चीन को आपत्ति

बीजिंग। चीन ने गाजा के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित शांति बोर्ड में शामिल होने पर बुधवार को अपनी आपत्ति प्रकट की है और संयुक्त राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने यहां कहा कि चीन हमेशा सच्चे बहुपक्षवाद के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की मजबूती से रक्षा करेगा। गुओ ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय हालात कैसे भी हों, चीन संयुक्त राष्ट्र को केंद्र में रखकर अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय कानून पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करेगा।

कई संगठनों से रहे हैं संयुक्त राष्ट्र के संबंध

वहीं इस पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र हमेशा कई संगठनों के साथ सह-अस्तित्व में रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के उप-प्रवक्ता फरहान हक ने सोमवार को कहा कि दुनिया भर में क्षेत्रीय संगठन, उप-क्षेत्रीय संगठन और विभिन्न रक्षा गठबंधन मौजूद हैं। इनमें से कुछ के साथ हमारे संबंध भी हैं। हक ने कहा कि कुछ संगठनों के साथ हमारे ऐसे संबंध नहीं हैं। बोर्ड ऑफ पीस वास्तव में किस रूप में स्थापित होता है और उसका स्वरूप क्या होता है, यह देखने के बाद ही यह तय किया जा सकेगा कि उसके साथ हमारा किस तरह का संबंध होगा।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री आबे के हत्यारे को उम्रकैद

तोक्यो। जापान की एक अदालत ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या करने का अपराध कबूल करने वाले एक व्यक्ति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और दक्षिण कोरिया के एक विवादास्पद चर्च के बीच दशकों पुराने करीबी संबंधों को उजागर किया। तेत्सुया यामागामी (45) ने पश्चिमी शहर नारा में जुलाई 2022 में चुनाव प्रचार के दौरान भाषण दे रहे आबे की हत्या किए जाने के मामले में अपना अपराध स्वीकार कर लिया था। नारा जिला अदालत ने फैसले की पुष्टि की और अभियोजन पक्ष के अनुरोध के अनुसार यामागामी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

जापान के सबसे प्रभावशाली नेताओं में शामिल रहे आबे की 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान हत्या की गई थी। उस समय वह प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में काम कर रहे थे। कड़े बंदूक नियंत्रण वाले देश को इस घटना ने झकझोर दिया। यामागामी ने कहा कि उसने यूनिफिकेशन चर्च से संबद्ध एक समूह को भेजा गया आबे का वीडियो संदेश देखने के बाद उनकी हत्या की।

ऐसा हल निकालेंगे जिससे नाटो भी खुश और हम भी

● ग्रीनलैंड पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेवर पड़े नरम

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड को लेकर मंगलवार को अपेक्षाकृत संयमित रुख अपनाया जो उनके एक दिन पहले दिए गए आक्रामक बयानों से अलग था। ट्रंप व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत की पहली वर्षगांठ के अवसर पर प्रेस प्रतिनिधियों से बात कर रहे थे। जब उनसे पूछा गया कि डेनमार्क के अधीन आर्कटिक क्षेत्र ग्रीनलैंड को हासिल करने की उनकी कोशिश क्या विभाजन के जोखिम जैसी है, तो ट्रंप ने कहा कि मुझे लगता है कि हम ऐसा कोई समाधान निकाल लेंगे जिससे नाटो भी खुश होगा और हम भी खुश होंगे।

यह बयान सोमवार को नॉर्वे के प्रधानमंत्री को भेजे गए ट्रंप के उस संदेश से अलग था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह अब केवल शांति के दृष्टिकोण से सोचने के लिए बाध्य महसूस नहीं करते। हालांकि ट्रंप ने दोहराया कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में ग्रीनलैंड पर नियंत्रण आवश्यक है। इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस सप्ताह पेरिस में यूरोपीय नेताओं की एक आपात बैठक बुलाने का आह्वान किया है, जिसमें ग्रीनलैंड को हासिल करने की ट्रंप की कोशिशों और शुल्क को लेकर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव पर चर्चा की जानी है। ट्रंप ने कहा कि वह इस बैठक में शामिल नहीं होंगे। इसका एक कारण यह बताया कि मैक्रों अधिक समय तक अपने देश का नेतृत्व नहीं करेंगे। इस सप्ताह ट्रंप ने सोशल मीडिया पर मैक्रों और नाटो महासचिव मार्क रुटे के निजी संदेश भी साझा किए थे।

डब्ल्यूईएफ के लिए दावोस रवाना हुए ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड तनाव के बीच विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड के दावोस रवाना हो गए हैं। इससे पहले उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद एयरफोर्स वन विमान में मामूली खराबी का पता चलने के बाद दूसरे विमान से एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज पर वापस लौटना पड़ा। व्हाइट हाउस रैपिड रिस्पांस टीम ने एक्स पर बताया कि उड़ान भरने के बाद एयर फ़ोर्स वन के चालक दल ने एक मामूली बिजली संबंधी समस्या की पहचान की। सावधानी बरतते हुए एयर फ़ोर्स वन को जॉइंट बेस एंड्रयूज वापस लौटना पड़ा। राष्ट्रपति और उनकी टीम दूसरे विमान से स्विट्जरलैंड की यात्रा जारी रखेंगे।

नेपाल चुनाव में चार पूर्व पीएम भी आजमाएंगे अपनी किस्मत

● पड़ोसी देश में इस साल पांच मार्च को होने वाले हैं आम चुनाव

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में जेन जी के विरोध प्रदर्शनों के महीनों बाद पांच मार्च को कराए जा रहे आम चुनाव में चार पूर्व प्रधानमंत्री भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के अध्यक्ष और जेन-जी आंदोलन के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने को मजबूर हुए के पी शर्मा ओली ने आगामी चुनाव के लिए झापा-5 सीट से नामांकन दाखिल किया है।

वहीं, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के पूर्व प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहाल 'प्रचंड' रुकुम पूर्व से किस्मत आजमा रहे हैं। दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्रियों, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के माधव कुमार नेपाल और प्रगतिशील लोकतांत्रिक पार्टी के बाबूराम भट्टराई ने क्रमशः रौतहट-1 और गोरखा-2 निर्वाचन क्षेत्रों से नामांकन दाखिल किया है। हालांकि, दो अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता झाला नाथ खनाल इस दौड़ में शामिल नहीं हैं।

नेपाल में जेन-जी युवाओं के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद ओली ने नौ सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद देश में आम चुनाव आवश्यक हो गए थे।

चार मंत्रियों ने चुनाव लड़ने को पद त्यागा

नेपाल में सुशीला कार्की सरकार के चार मंत्रियों ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा देकर पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव लड़ने के लिए नामांकन दाखिल किया है। विज्ञान एवं शिक्षा मंत्री महाबीर पुन ने मंगलवार को पद छोड़ने के बाद म्याग्दी जिले से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल किया। इससे पहले संचार मंत्री जगदीश खरेल और खेल मंत्री बबलू गुप्ता ने मंत्री पदों से इस्तीफा दे दिया था। खरेल ने ललितपुर-2 क्षेत्र से जबकि गुप्ता ने सिराहा-1 निर्वाचन क्षेत्र से पर्चा भरा है। कुछ सप्ताह पहले ऊर्जा एवं जल संसाधन मंत्री कुलमान घीसिंग ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर उज्यालो नेपाल पार्टी के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने का फैसला किया था।

द. कोरिया के पूर्व प्रधानमंत्री हान को 23 वर्ष की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया कि तत्कालीन राष्ट्रपति यून सुक योल द्वारा 2024 में लागू किया गया मार्शल लॉ विद्रोह की श्रेणी में आता है। अदालत ने इस मामले में संलिप्तता के लिए यून के समय देश के प्रधानमंत्री रहे हान डक-सू को 23 साल की कारावास की सजा सुनाई। पूर्व प्रधानमंत्री हान डक-सू, यून सरकार के पहले अधिकारी बन गए हैं, जिन्हें दिसंबर 2024 में राष्ट्रपति यून द्वारा लगाए गए मार्शल लॉ से जुड़े विद्रोह के आरोपों में दोषी ठहराया गया। इस फैसले से राष्ट्रपति यून और उनके अन्य सहयोगियों के खिलाफ आने वाले फैसलों की दिशा तय होने की उम्मीद है।

अमेरिका को ईरान ने दी चेतावनी हमला हुआ तो देंगे कड़ा जवाब

● बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेशमंत्री अराघची ने चेताया

दुबई, एजेंसी

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका के खिलाफ अब तक की सबसे सीधी और कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यदि इस्लामिक गणराज्य पर दोबारा हमला हुआ तो वह अपने पास मौजूद हर ताकत से जवाब देगा। तेहरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के निर्ममतापूर्वक दमन के बाद बढ़ते तनाव के बीच अराघची ने यह बात कही है।

इस दमन के चलते दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में उन्हें दिया गया निमंत्रण रद्द कर दिया गया। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है, जब अमेरिका के लड़ाकू विमान उपकरणों के साथ एशिया से पश्चिम एशिया की दिशा में बढ़ रहे हैं। वहीं, कैरिबियाई क्षेत्र में अमेरिका की एक बड़ी सैन्य तैनाती के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बीच, पश्चिम एशिया में अमेरिकी लड़ाकू विमानों और अन्य सैन्य उपकरणों की गतिविधियां भी बढ़ती दिख रही हैं।

अराघची ने यह चेतावनी द वॉल स्ट्रीट जर्नल में प्रकाशित एक लेख में दी। लेख में उन्होंने दावा किया कि अशांति का हिंसक चरण 72 घंटे से भी कम समय तक चला। उन्होंने हिंसा के लिए सशस्त्र प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

...तो ईरान का नामो निशान मिटा देंगे : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या कराई तो अमेरिका ईरान का नामोनिशान मिटा देगा। ट्रंप ने न्यूजनेशन के कार्यक्रम केटी पॉवलिच टुनाइट को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि मेरे बहुत सख्त निर्देश हैं कि अगर कुछ होता है, तो वे उन्हें नक्शे से मिटा देंगे। इससे पहले ईरान ने ट्रंप को देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के खिलाफ किसी प्रकार की कार्रवाई करने पर चेतावनी दी थी। ट्रंप ने खामेनेई के लगभग 40 वर्षों के शासन को समाप्त करने का आह्वान किया था जिसके कुछ दिनों बाद ईरान ने ट्रंप को यह चेतावनी दी।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 22 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 23 जनवरी 02 .28 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

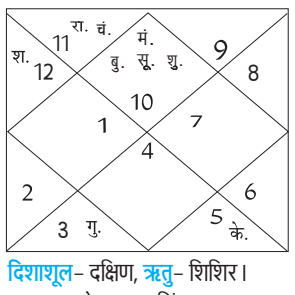

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, कन्या, धनु, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- शतभिषा 14 .27 तक तत्पश्चात पूर्व भाद्रपद।

मेष — आज आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। प्रेम संबंधों को लेकर थोड़ी समस्या होगी। अपने मित्रों पर अविश्वास न करें। नींद पूरी न लेने के कारण अपच की समस्या हो सकती है। मन की बातें दूसरों से शेयर न करें।

वृष — आज पैतृक व्यवसाय में उत्तम धन-लाभ होगा। परिवार के सदस्यों से राय लेना आपके लिए हितकर रहेगा। आय के नए स्रोत निर्मित हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मिथुन — आज मार्केटिंग संबंधी गतिविधियों से धन लाभ हो सकता है। धार्मिक यात्रा की योजना बना सकते हैं। आप अपने सभी काम समय पर पूरे कर लेंगे। कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। आयात-निर्यात से आपको लाभ प्राप्त होगा।

कर्क — आज सरकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं। कोई रुकी हुई डील आपके सामने आ सकती है, लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई में थोड़ी परेशानी होगी। धन की कमी के कारण जरूरी काम रुक सकते हैं। अधिकारियों के साथ तनाव दूर होगा।

सिंह — आज अपनी बातों को दूसरों पर न थोपें। व्यापार में नए साथी जुड़ सकते हैं। सिर्फ अपने काम पर ही फोकस बनाए रखें। दूसरे कार्यों में दिमाग न लगाएं। कानूनी मामलों को लेकर सावधानी रखें। वरिष्ठों का भरोसा जीतेंगे।

कन्या — आज आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी। किसी मांगलिक उत्सव की योजना बनाएंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। दांपत्य संबंधों में ताजगी आएगी। परिवार का बेहतरीन सहयोग मिलेगा। घर में मित्रों का आगमन हो सकता है।

तुला — आज उच्च अधिकारी आपसे संतुष्ट रहेंगे। अपने काम को लेकर फोकस करेंगे। संतान की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। मित्रों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। प्रेम संबंधों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

वृश्चिक — आज का काम कल पर न टालें। निवेश में सोच-समझकर कदम उठाएं। मित्रों के साथ खास विषय पर चर्चा कर सकते हैं। आपको नई-नई बातें जानने को मिलेंगी। संतान को लेकर तनाव दूर होगा। खानपान की आदतों पर नियंत्रण रखें।

धनु — आज करियर को लेकर दिन काफी अच्छा रहेगा। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। घर की आवश्यकताओं के बोझ में दबे रहेंगे। लोग आपके साथ होने का दिखावा कर सकते हैं। इसीलिए अपना मत प्रकट करने में सावधानी रखें।

मकर — आज कारोबार में बड़ा धन लाभ होगा। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। संपत्ति खरीदने का विचार बना सकते हैं। उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे। भाई-बंधुओं के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रोमांटिक पलों का आनंद लेंगे।

कुंभ — आज का दिन थोड़ा तनावग्रस्त होगा। कुछ जरूरी कार्य अटक सकते हैं। कारोबार में अनुबंध होने की संभावना है। दांपत्य संबंधों में खर्चों के कारण थोड़ी खिट-पिट हो सकती है। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपका अपमान हो।

मीन — आज चिकित्सा के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत अच्छा है। भावनात्मक रूप से काफी मजबूत रहेंगे। छात्रों को मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। आपकी जीवनशैली अत्यंत व्यवस्थित रहेगी। विदेश में नौकरी कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है।

सुडोकू-39

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	3	2			6			9
7				2				
	1		9				5	
8					2		1	
4			7			9		
	2			5			6	
		8		6				1
2					3		8	
	4			7				5

सुडोकू - 38 का हल

6	1	3	5	4	8	2	7	9
5	9	7	6	1	2	3	4	8
2	4	8	9	3	7	6	5	1
3	7	2	4	9	5	8	1	6
9	6	4	8	7	1	5	3	2
1	8	5	3	2	6	7	9	4
4	5	9	2	8	3	1	6	7
7	2	6	1	5	9	4	8	3
8	3	1	7	6	4	9	2	5

हार्दिक पंड्या के बिना भारतीय टीम अधूरी है। वह बल्ले और गेंद से जो कर दिखाते हैं, वह कोई नहीं कर सकता। भारत अंतिम एकादश में वरुण या कुलदीप जैसे स्पिनर को शामिल करे, लेकिन नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की जरूरत होगी।

आकाश चोपड़ा, पूर्व बल्लेबाज

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 22 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मुंबई इंडियंस की ली पर लगा जुर्माना

वडोदरा। दिल्ली कैपिटल्स की विकेटकीपर लिजेले ली पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच के दौरान डब्ल्यूपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए बुधवार को मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट अंक लगाया गया। डब्ल्यूपीएल ने कहा कि ली ने आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध स्वीकार कर लिया है जो मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण के अनादर को लेकर है। इसके लिए मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है। यह घटना दिल्ली की पारी के 11वें ओवर की थी जब ली को तीसरे अंपायर के रिव्यू के बाद 46 के स्कोर पर स्टम्प आउट करार दिया गया। फैसले से नाखुश ली ने बाद में पुरस्कार समारोह में कहा कि विकेटकीपर ने अच्छा काम किया लेकिन मुझे इसके बारे में इतना ही कहना है। दिल्ली ने मैच में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हराया।

केकेआर ने दिशांत को फील्डिंग कोच बनाया

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 के सत्र से पहले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिशांत याग्निक को बुधवार को टीम का फील्डिंग कोच बनाया है। केकेआर ने कहा कि याग्निक अपने साथ भरपूर अनुभव और फील्डिंग में उत्कृष्टता की गहरी समझ लेकर केकेआर में शामिल होंगे। फ्रेंचाइजी आईपीएल में नए सहायक स्टाफ के साथ उतरेगी, जिसमें अभिषेक नायर (मुख्य कोच) के अलावा डेरेन ब्रावो (मेंटोर-मार्गदर्शक), शेन वॉटसन (सहायक कोच), टिम साउदी (गेंदबाजी कोच) और आंद्रे रसेल (पावर कोच) शामिल हैं। आईपीएल से पहले याग्निक का केकेआर में शामिल होना पूर्व क्रिकेटर के कोचिंग करियर में एक नया अध्याय जोड़ेगा।

निशानेबाजी में सेन शीर्ष पर, मनु-ऐश्वर्य भी जीते

नई दिल्ली। तिलोत्तमा सेन ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन (3पी) में दूसरी बार शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के टी1 फाइनल में दमदार जीत दर्ज की। पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन स्पर्धा में टी1 में तीसरे स्थान पर रहने वाले ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित टी2 में पहला स्थान हासिल किया। तिलोत्तमा ने बुधवार को फाइनल में फिर संयमित प्रदर्शन करते हुए 50 मीटर राइफल 3पी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आयुषी दूसरे स्थान पर रहीं। सुरभि भारद्वाज रापोले 348.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 ग्वालियर में

नई दिल्ली। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से ग्वालियर स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) शुक्रवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सेतु 2026 की मेजबानी करेगा, जिसमें प्रशासक, कोच और शिक्षाविद् भारत में खेल शिक्षा और ट्रेनिंग के भविष्य पर मंथन करने के लिए एकत्र होंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अनुसार, यह कॉन्क्लेव देशभर के नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, खेल प्रशासकों, कोच, खेल वैज्ञानिकों और उद्योग जगत के हितधारकों को एक मंच पर लाने को आयोजित हो रहा है।

अभिषेक का विस्फोटक पचासा भारत ने दिया 239 रनों का लक्ष्य

सूर्यकुमार यादव ने 32 और रिंकू सिंह ने भी खेली 44 रनों की पारी

अभिषेक शर्मा

नागपुर, एजेंसी

भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 35 गेंदों पर 84 रनों की धमाकेदार पारी से बुधवार को यहां पांच मैच की शृंखला के पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ सात विकेट पर 238 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज अभिषेक ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं दिखाया और उनकी खूब धुनाई करते हुए अपनी पारी में आठ छक्के और पांच चौके लगाए। उन्होंने और कप्तान सूर्यकुमार यादव (32 रन, 22 गेंद) ने तीसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 99 रन की साझेदारी की। हालांकि सूर्यकुमार अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं दिखे। लेकिन इस युवा बल्लेबाज की बेफिक्र बल्लेबाजी से कप्तान को भी कुछ देर क्रीज पर जमने का मौका दिया।

अंत में रिंकू सिंह को भी लंबे समय बाद अच्छी पारी खेलने का मौका मिला। उन्होंने 20 गेंद में चार चौके और तीन छक्के से नाबाद 44 रन की तेज पारी खेली। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद भारत ने संजू सैमसन (10 रन) और ईशान किशन (08) के तौर पर जल्दी विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने जैकब डफी (चार ओवर में 27 रन देकर दो विकेट)

रिंकू सिंह

पर अपनी पारी का पहला छक्का जड़ा जो यह साइट स्क्रीन पर गया था। पंजाब के बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने दो विकेट गिरने का असर खुद पर नहीं पड़ने दिया और उनकी बल्लेबाजी की खासियत उनकी बल्ले की तेज स्पीड है। न्यूजीलैंड का कोई भी गेंदबाज उन्हें चुनौती नहीं दे सका।

क्रिस्टियन क्लार्क और काइल जैमीसन की गेंदें सपाट पिच पर 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आ रही थीं और बाउंड्री के पार जा रही थीं। अभिषेक ने अपनी पारी के चार छक्के जड़ने के बाद पहले तीन चौके स्पिनर ग्लेन फिलिप्स की गेंदबाजी पर लगाए।

वहीं दूसरे छोर पर सूर्यकुमार थोड़े संघर्ष करते दिखे। लेकिन डफी की गेंद पर बैक-फुट पर चौका और क्लार्क की गेंद पर स्क्वायर के पीछे एक जोरदार छक्का लगाने के दौरान भारतीय कप्तान में पुरानी झलक दिखाई दी। लेकिन वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म से काफी दूर है। कप्तान मिचेल सैंटनर (तीन ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) ने लगाम लगाने की कोशिश की और उन्हें सफलता जब मिली तब सूर्यकुमार लॉग-ऑन पर कैच आउट हो गए। अभिषेक ने अपना कहर जारी रखा। हालांकि वह अगले ही ओवर में आउट हो गए जब लेग-स्पिनर ईश सोढ़ी ने अपनी लेग-ब्रेक की लेंथ थोड़ी कम की और जैमीसन ने उनका कैच लपक लिया।

आखिर में रिंकू को प्रभाव डालने के लिए काफी गेंदें मिलीं और उन्होंने डेरिल मिचेल के पहले और पारी के अंतिम ओवर में 21 रन बनाकर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाया।

शीर्ष से फिसले कोहली मिचेल ने बनाई जगह

दुबई, एजेंसी

आईसीसी वनडे रैंकिंग

- मिचेल ने ताजा शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में तेज नौ वनडे शतक पूरा करने वाले चौथे खिलाड़ी बने

न्यूजीलैंड के आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने हाल में संपन्न शृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को ताजा आईसीसी वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान से हटा दिया। न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ यह शृंखला 2-1 से अपने नाम की थी। इस तरह उसने भारतीय सरजमीं पर पहली बार वनडे शृंखला जीतकर 37 साल का इंतजार खत्म किया था।

मिचेल ने शृंखला में दो शतक लगाए और 54वीं पारी में सबसे तेज नौ वनडे शतक पूरे करने वाले चौथे पुरुष खिलाड़ी बन गए। केवल इमाम-उल-हक (48), हाशिम अमला (52) और क्विंटन डिकॉक (53) ही उनसे आगे हैं। हैमिल्टन में जन्मे मिचेल अपने करियर की शीर्ष फॉर्म में हैं। उन्होंने तीन मैच की शृंखला में 352 रन बनाए। किसी तीन मैच की वनडे शृंखला में यह न्यूजीलैंड के खिलाड़ी द्वारा बनाए सर्वाधिक रन हैं और यह तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे आगे केवल पाकिस्तान के बाबर आजम (2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 360 रन) और भारत के शुभमन गिल (2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 360 रन) हैं।

आईसीसी ने कहा कि 845 रैंकिंग अंक के साथ मिचेल ने कोहली (795 अंक) की जगह ली है जो अब दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। दोनों बल्लेबाजों के बाद इब्राहिम जदरान, रोहित शर्मा, शुभमन गिल और बाबर आजम मौजूद हैं। यह दूसरी बार है जब मिचेल ने वनडे क्रिकेट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। इससे पहले वह पिछले साल नवंबर में सिर्फ तीन दिन के लिए शीर्ष पर रहे थे जिसके बाद रोहित शर्मा ने उन्हें पछाड़ दिया था।

भारत के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेले गए वनडे मैच में दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स (पांच शतक) के बाद मिचेल (चार शतक) दूसरे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। मिचेल वनडे में 54 पारियों में अब तक एक भी बार शून्य पर आउट नहीं हुए हैं।

टी20 विश्व कप : बीसीबी को झटका बांग्लादेश के मैच भारत में ही होंगे

- आईसीसी बोर्ड की बैठक में लिया गया निर्णय
- मैचों को बांग्लादेश ने श्रीलंका में कराने का किया था अनुरोध

दुबई, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के टी20 विश्व कप के अपने मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने के अनुरोध को खारिज कर दिया। आईसीसी ने स्पष्ट किया कि मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे क्योंकि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों या प्रशंसकों की सुरक्षा को कोई विश्वसनीय खतरा नहीं है।

यह निर्णय आईसीसी बोर्ड की वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित बैठक में लिया गया, जो बीसीबी द्वारा भारत में खेलने को लेकर चिंता जताने और आयोजन स्थलों में बदलाव की मांग के बाद स्थिति पर चर्चा करने के लिए बुलाई गई थी। आईसीसी के अनुसार, बोर्ड ने स्वतंत्र मूल्यांकनों सहित कई सुरक्षा आकलन की समीक्षा की, जिनमें से सभी ने निष्कर्ष निकाला कि भारत में टूर्नामेंट के किसी भी स्थल पर बांग्लादेश के खिलाड़ियों, अधिकारियों, मीडियाकर्मियों या प्रशंसकों की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं था। आईसीसी ने कहा कि अब इतने कम समय में कार्यक्रम में बदलाव करना संभव नहीं है और सुरक्षा जोखिम की पुष्टि न होने पर मैचों में बदलाव करना भविष्य के वैश्विक आयोजनों के लिए एक अवांछनीय मिसाल कायम कर सकता है।

आईसीसी ने कहा कि बोर्ड ने गौर किया कि मौजूदा परिस्थितियों में मैचों को स्थानांतरित करने से आईसीसी प्रतियोगिताओं की पवित्रता खतरे में पड़ सकती है और वैश्विक शासी निकाय के रूप में संगठन की निष्पक्षता कमजोर हो सकती है। उसके प्रबंधन ने कुछ सप्ताह में बीसीबी के साथ कई बैठकें और पत्राचार किए हैं, जिसमें टूर्नामेंट की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई है। इनमें आयोजन स्थल से जुड़ी विशिष्ट योजनाएं और संघीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों को शामिल करते हुए स्तरीय सुरक्षा का आश्वासन शामिल था।

पीसीबी ने किया बांग्लादेश का समर्थन

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से भारत में टी20 विश्व कप खेलने से बांग्लादेश के इन्कार का समर्थन किया है और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भेजे पत्र में बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी की पेशकश की। बांग्लादेश को ग्रुप चरण के चारों मैच भारत में खेलने हैं, जिनमें से पहले तीन कोलकाता में और एक मुंबई में होना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी सरकार के समर्थन से भारत जाने से इन्कार किया और उसके मैच श्रीलंका में कराने की मांग की थी। पीसीबी के सूत्र ने बताया कि पीसीबी ने ईमेल में कहा है कि बीसीबी की मांग जायज है और इसे स्वीकार किया जाना चाहिए और अगर बांग्लादेश के मैचों को श्रीलंका में करने में समस्या है तो पाकिस्तान उसके सभी मैचों की मेजबानी को तैयार है। पीसीबी ने इस मसले पर कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है लेकिन बोर्ड के सूत्रों ने कहा कि बांग्लादेश सरकार ने आईसीसी में सहयोग के लिए पाकिस्तान से संपर्क किया था। पाकिस्तान के सारे मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत श्रीलंका में होंगे।

खेल मंत्रालय ने साई से एसओपी तैयार करने के लिए कहा

नई दिल्ली। ओलंपिक की मेजबानी की चाहत रखने वाले भारत पर बढ़ती अंतर्राष्ट्रीय निगरानी को ध्यान में रखते हुए खेल मंत्रालय ने साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) से मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने को कहा है ताकि हाल में यहां हुए बैडमिंटन इंडिया ओपन में हुई चूक दोबारा नहीं हों। इंडियन ओपन में कोर्ट पर पक्षियों की बीट, दर्शक दीर्घा में बंदर और ट्रेनिंग सुविधाओं में अस्वच्छता ने टूर्नामेंट की छवि को नुकसान पहुंचाया।

टाटा स्टील मास्टर्स : गुकेश ने प्रज्ञानानंद से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी (नीदरलैंड), एजेंसी

- अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके, अरविंद चिदंबरम को भी मिली हार

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञानानंद के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली जबकि अर्जुन एरिगैसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके।

प्रज्ञानानंद का इस टूर्नामेंट में सफर अभी तक अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो बाजी ड्रॉ खेली। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के एक अन्य खिलाड़ी अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन के हाथों अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा, जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने चेक गणराज्य के खिलाड़ी दाई वान गुयेन को पराजित किया। अब्दुसत्तोरोव और नीमन चार में से तीन अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं, जबकि अर्जुन एरिगैसी, उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव और नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरस्ट उनके ठीक पीछे हैं। सिंदारोव ने जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम को हराया।

गुजरात के खिलाफ मैच में यूपी का पलड़ा भारी

वडोदरा, एजेंसी

- सीनियर बल्लेबाजों के खराब फॉर्म ने गुजरात की मुश्किलें बढ़ाई

खराब फॉर्म से जूझ रही गुजरात जाइंट्स के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग के मैच में गुरुवार को यूपी वारियर्स का पलड़ा भारी होगा जबकि प्लेआफ के बाकी दो स्थानों के लिए मुकाबला कड़ा हो गया है। पूर्व चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु पांचों मैच जीतकर क्वालीफाई कर चुकी है जबकि दिल्ली ने मंगलवार को मुंबई को 7 विकेट से हराकर सभी के लिए रास्ते खुले रखे हैं।

मुंबई, यूपी, दिल्ली और गुजरात के चार अंक हैं लेकिन नेट रनरेट के आधार पर यूपी गुजरात से ऊपर हैं। गुजरात तीन हार के बाद सबसे नीचे है लेकिन पहले चरण में उसने यूपी को हराया था। इसके बाद दिल्ली को चार रन से हराया। मुंबई के खिलाफ पांच विकेट पर 192 रन बनाने के बावजूद गुजरात को हार मिली। आरसीबी के खिलाफ 183 रन के लक्ष्य के जवाब में टीम 150 रन ही बना सकी और पिछले मैच में इसी टीम के खिलाफ 179 रन के लक्ष्य के जवाब में आठ विकेट पर 117 रन ही बना पाई।

रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में शुभमन गिल पर होगी नजर

राजकोट, एजेंसी

- सिराज भी हैदराबाद के कप्तान के रूप में पहला मैच खेलने को तैयार

भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल गुरुवार से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे चरण में आकर्षण का केंद्र होंगे। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे शृंखला के बाद विश्राम लेने के बजाय पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ होने वाले ग्रुप बी के मैच में खेलने का फैसला किया।

न्यूजीलैंड के हाथों वनडे शृंखला में भारत की 1-2 से हार के बाद गिल सीधे राजकोट पहुंच गए थे जहां उनका राष्ट्रीय टीम के साथी और सौराष्ट्र के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा से मुकाबला हो सकती है। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला महत्वपूर्ण है। सौराष्ट्र 13 अंकों के साथ चौथे जबकि पंजाब छठे स्थान पर है। इस ग्रुप में कर्नाटक 21 अंक लेकर शीर्ष पर है जबकि महाराष्ट्र उससे तीन अंक पीछे है। वहीं, मोहम्मद सिराज पर भी सबकी निगाहें होंगी जो अपने घरेलू मैदान पर हैदराबाद के कप्तान के रूप में पहला मैच खेलने के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन | सबालेंका ने चीन की झोउशुआन को और गॉफ ने डानिलोविच को दी मात

एरिना सबालेंका और कोको गॉफ तीसरे दौर में पहुंचीं

- अल्काराज ने हंफमैन को हराकर तीसरे दौर में जगह की पक्की

मेलबर्न, एजेंसी

दुनिया की शीर्ष तीन महिला टेनिस खिलाड़ियों में से दो एरिना सबालेंका और कोको गाफ ऑस्ट्रेलियाई ओपन के तीसरे दौर में पहुंच गई। वहीं पुरुष वर्ग में कार्लोस अल्काराज भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त और दो बार की विजेता सबालेंका ने चीन की बाइ झोउशुआन को 6-3, 6-1 से हराया। वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त गाफ ने ओल्गा डानिलोविच को 6-2, 6-2 से मात दी । अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को 7-6, 6-3, 6-2 से हराया। सबालेंका का सामना अब अनास्तासिया पोपापोवा से होगा, जिन्होंने 28वीं वरीयता प्राप्त और पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन एम्मा राडूकानू को 7-6, 6-2 से हराया। महिला वर्ग के एक अन्य मैच में 12वीं वरीयता प्राप्त यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने पोलैंड की लिंडा क्लिमोविकोवा को 7-5, 6-1 से मात दी। तुर्की की जेनेप सोंमेज ने अन्ना बोंडर को 6-2, 6-4 से हराया। पुरूष वर्ग में 11वीं वरीयता प्राप्त और 2021 अमेरिकी ओपन चैम्पियन दानिल मेदवेदेव ने क्वेंटिन हालिस को 6-7, 6-3, 6-4, 6-2 से हराया जबकि 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रूबलेव ने जैमी फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से मात दी। 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया।

भांबरी और गोरानसन पुरुष युगल के दूसरे दौर में

भारत के शीर्ष युगल खिलाड़ी युकी भांबरी और स्वीडन के उनके जोड़ीदार आंद्रे गोरानसन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई। भांबरी और गोरानसन की दसवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने कोर्ट नंबर 13 पर चले मुकाबले में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश पाने वाले ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ और क्रूज़ हेविट को 6-3 6-4 से हराया। अगर प्रतिशत के आंकड़ों पर गौर करें तो भांबरी और गोरानसन ने पहली सर्विस पर 97 प्रतिशत अंक जीते। दूसरी पर उन्होंने 91 प्रतिशत अंक जीते। भांबरी और गोरानसन ने प्रतिद्वंद्वियों की सर्विस को दो बार तोड़ा और पूरे मैच में एक भी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं किया, जिससे वे पूरे समय नियंत्रण बनाए रखने में सफल रहे। निकी पूनाचा और थाईलैंड के उनके जोड़ीदार प्रुच्य इसारो मंगलवार को पेड्रो मार्टिनेज और जौमे मुनार से सीधे सेटों में हारकर पुरुष युगल से बाहर हो गए थे।

पीवी सिंधु व श्रीकांत इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

जकार्ता, एजेंसी

- किरण जार्ज और आकर्षि कश्यप को पहले ही दौर में हार का करना पड़ा सामना, मिश्रित युगल में भारतीय चुनौती समाप्त

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत अपने अपने मुकाबले जीतकर इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने जापान की मनामी सुइजू को 53 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। वहीं विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने एक घंटे 12 मिनट तक चले मैच में दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे को 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी।

श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगा, जिन्होंने आयरलैंड के एन एंगुयेन को 21-14, 21-15 से हराया। किरण जार्ज को पहले दौर में इंडोनेशिया के एक जाकी उबेदिल्लाह के हाथों 17-21, 14-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। महिला एकल में आकर्षि कश्यप भी पहले दौर में जूली डावाल जाकोबसेन से 21-8, 20-22, 17-21 से हार गई।

मिश्रित युगल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब रोहन कपूर और रूत्विका गाडे के अलावा ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी पहले दौर में हार गई। कपूर और गाड्डे को चौथी वरीयता प्राप्त फ्रांस के थॉम गिकुल और डेल्फाइन डेलरू ने 21-9, 22-20 से हराया जबकि कपिला और क्रास्टो को फ्रांस के ही जूलियन मेइयो और ली पालेरमो ने 21-23, 22-20, 21-6 से मात दी।